जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

I Divorced Zomato and Married My Hunger

The principle underneath was simple enough to change my life. I did not conquer my hunger. I stopped fighting it and started learning its language

"Ghudlo Ghumela Ji"

The World's Smallest Wild Pig Facing Extinction

तेहरान का आंतरिक सत्ता संघर्ष खत्म नहीं होने दे रहा है, ईरान-अमेरिका वॉर

ईरान में कट्टरपंथियों और नरमपंथियों के बीच सत्ता की खींचतान और ट्रंप की अटपटी बयानबाजी ने क्षेत्र में अशांति बढ़ा दी है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 अगस्त। अब यह तेजी से स्पष्ट होता जा रहा है कि 28 फरवरी को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामनेई की मृत्यु के बाद से ही ईरान में सत्ता संघर्ष चल रहा है और विशेषज्ञों का मत है कि यह सत्ता संघर्ष ही ईरान और अमेरिका के बीच के युद्ध के रुकने में रुकावट बन रहा है।

अली खामेनेई की मौत से पैदा हुए सत्ता के खालीपन में उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता बनाने की कोशिश वास्तव में सफल नहीं हुई। अली खामेनेई के उत्तराधिकारी के रूप में उनके नाम के ऐलान के बाद से ही वे पर्दे के पीछे रहे हैं। एक बार भी वे सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं, ताकि अपने करीबी लोगों के दायरे से बाहर के लोगों को यह विश्वास दिला सकें कि वास्तव में वे ही फैसले ले रहे हैं।

- 28 फरवरी को अयातुल्ला खामेनेई की मृत्यु के बाद उनके पुत्र मोजतबा खामेनेई को ईरान का चीफ बनाया गया, पर इससे कोई फर्क पड़ता नहीं लग रहा है, क्योंकि मोजतबा एक बार भी सार्वजनिक रूप से नज़र नहीं आए हैं, जिससे उनके प्रति अविश्वास बढ़ रहा है।
- राष्ट्रपति पेजेश्कियान और विदेश मंत्री अब्बास अराघची उदारवादी माने जाते हैं। ये लोग अमेरिका के साथ संधि वार्ता के पक्षधर हैं और उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत भी रहे हैं।
- इसके विपरीत आईआरजीसी से जुड़ा समूह युद्ध का पक्षधर है, चाहे देश की जनता को इसकी कितनी भी भारी कीमत क्यों ना चुकानी पड़े।
- असल में ट्रंप के अटपटे बयानों व गैर जिम्मेदार एक्शन्स ने ऐसा माहौल तैयार किया है, जिसमें ईरान के कट्टरपंथियों को खुलकर खेलने का अवसर मिल रहा है।

सर्वोच्च नेता के स्पष्ट और प्रत्यक्ष अधिकार के अभाव में, अलग-अलग सत्ता समूह अपने प्रभाव और पोज़ीशन के लिए होड़ में हैं। वे ईरान में हालात से निपटने और आगे की कार्रवाही को लेकर एक-दूसरे से बिल्कुल अलग रास्ते सुझा रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी सीएनएन की कुछ रिपोर्टों के अनुसार, जहाँ एक तरफ, वरिष्ठ नेताओं का एक अधिक परिपक्व, अनुभवी और व्यावहारिक गुट अमेरिका के साथ युद्धिवराम का सुझाव दे रहा है, वहीं, दूसरी तरफ अधिक कट्टर आईआरजीसी के सदस्य और पूर्व सदस्य खून खराबे की मांग कर रहे हैं, भले ही इसके लिए देश के लोगों को कितनी भी बड़ी कीमत क्यों न चुकानी पड़े।

अब छह महीने बीत चुके हैं और इस दौरान सत्तारूढ़ गुट के लोग अलग-अलग समय पर मोजतबा खामनेई की तरफ से बोलते रहे हैं और सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के लिए उनके समर्थन का हवाला देते रहे हैं। संसद में समूह के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने भी कई बार कुछ नीतिगत विकल्प सामने रखे रहे हैं और अंतिम निर्णय लेने का अधिकार अपने पास होने का दावा किया है।

गणराज्य के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने भी इसी तरह अपनी राय रखी है और राज्य के अधिकार का दावा किया है। उन्होंने खुले तौर पर नरम नीति अपनाई है और युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिकियों के साथ समझौते की वकालत की है। इन सभी के बीच उनकी आवाज सबसे समझदारी भरी रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संजय के. अग्रवाल राजस्थान के नए मुख्य न्यायाधीश होंगे

जयपुर, 31 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम की सोमवार को आयोजित हुई महत्वपूर्ण बैठक में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश जस्टिस संजय के. अग्रवाल का तबादला राजस्थान हाईकोर्ट करने की सिफारिश की गई है। इसके साथ ही, उन्हें राजस्थान हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस (सी.जे.) के पद पर पदोन्नत भी किया गया है। दूसरी ओर राजस्थान हाई कोर्ट के वरिष्ठम न्यायाधीश पुष्पेन्द्र सिंह भाटी को जम्मू-कश्मीर व लद्दाख हाई कोर्ट का सीजे बनाया गया है।

- राजस्थान हाई कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश पुष्पेन्द्र सिंह भाटी जम्मू-कश्मीर के चीफ जस्टिस बनेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हमारे झंडे और देश का अपमान मत करो, इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी'

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने न्यूयॉर्क में खालिस्तानी अलगाववादियों द्वारा भारतीय झंडे को पैरों के नीचे रखने और फाड़ने पर कड़ी चेतावनी दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 अगस्त। केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने उन प्रदर्शनकारियों और खालिस्तानी समर्थकों को कड़ी चेतावनी दी है, जिन्होंने शनिवार को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन के बाहर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज पर पैर रखे और उसे फाड़ दिया। उस समय वहां लोग आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का संबोधन सुनने के लिए एकत्र हुए थे।

केन्द्रीय मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राजनीतिक असहमति ठीक है, लेकिन देश का अपमान स्वीकार्य नहीं है।

रिजिजू ने पोस्ट में कहा, "हमने हमेशा कहा है कि आपको आरएसएस, भाजपा या सरकार की आलोचना करने की आज़ादी है, लेकिन हमारे देश का अपमान मत करो। ध्यान से सुनिए, हमारे झंडे और मेरे देश का अपमान मत कीजिए। इसकी आपको बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।"

- शनिवार को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में मोहन भागवत की सभा होनी थी, वहाँ बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग उपस्थित थे, तब खालिस्तानी उग्रवादियों ने यह हरकत की थी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।
- ध्यान देने वाली बात यह है कि जब खालिस्तानी उग्रवादी भारतीय झंडे को अपमानित कर रहे थे, तब स्थानीय पुलिस निष्क्रिय खड़ी देख रही थी।

उन्होंने इस संदेश के साथ एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें एक व्यक्ति अपने पैर को हिला रहा था और उसके पैर के चारों ओर राष्ट्रीय ध्वज बंधा हुआ था। अन्य प्रदर्शनकारी, खालिस्तानी समर्थकों द्वारा आमतौर पर लगाए जाने वाले नारे लगा रहे थे। दर्जनों कैमरों के सामने उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज को फाड़ दिया और हंसते रहे, जबकि स्थानीय पुलिस देखती रही।

सोशल मीडिया पर कई लोगों ने अमेरिका के अधिकारियों से प्रदर्शनकारियों की पहचान करने और उनके पिछले रिकॉर्ड की जांच करने की अपील की। उन्होंने केन्द्र सरकार से यह भी देखने को कहा कि क्या प्रदर्शनकारियों में कोई भारतीय नागरिक था, जिसके खिलाफ भारत में कानून के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है।

यह हंगामा भाजपा के वैचारिक मार्गदर्शक आरएसएस द्वारा अपने शताब्दी वर्ष के अवसर पर समर्थकों के साथ आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुआ। भागवत इस समय विश्व के दौरे पर हैं और अमेरिका, कैनडा और ब्रिटेन की यात्रा कर रहे हैं।

पीटीआई भर्ती फ़र्ज़ीवाड़े में सरकार हाईकोर्ट में कब जवाब देगी?

गहलोत सरकार के कार्यकाल में हुए इस फ़र्ज़ीवाड़े पर 7 जनवरी 2025 को हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया था

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 31 अगस्त। शारीरिक शिक्षक (पी.टी.आई.) भर्ती-2022 में धांधली और फर्जी दस्तावेजों से नौकरी पाने वाले लोगों के खिलाफ दायर 40 एफ.आई.आर. पर राजस्थान हाईकोर्ट में आज 1 सितंबर को सुनवाई होगी। ज्ञात रहे कि इस प्रकरण में 7 जनवरी 2025 को राज्य सरकार और राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड को हाईकोर्ट से नोटिस जारी किए जा चुके हैं, परंतु करीब डेढ़ साल बाद भी सरकार की ओर से जवाब पेश नहीं किया गया है, जबकि 6 फरवरी 2026 को हाईकोर्ट ने अंतिम चेतावनी दी थी कि 4 सप्ताह यानी 1 माह में अपना जवाब पेश करें। इस मामले में याचिकाकर्ता प्रेमाराम गोलिया की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी.सिंह पैरवी के लिए पेश होंगे। यह प्रकरण न्यायाधीश समीर जैन के समक्ष सूचीबद्ध है।

- हाईकोर्ट ने 6 फरवरी 2026 को अंतिम चेतावनी दी थी कि 4 सप्ताह यानि कि 1 माह में अपना जवाब पेश करे
- याचिकाकर्ता का कहना है कि, कर्मचारी चयन बोर्ड ने भी खुद माना है कि करीब 1502 से ज्यादा ऐसे अभ्यर्थी हैं, जिनके दस्तावेज सत्यापन में धांधली पाई गई है। इनमें से 1259 अभ्यर्थियों का डेटा तो पूरी तरह से मेल नहीं खा रहा है। इसके बावजूद भी 1502 लोगों को नियुक्तियां दी गई हैं।

ज्ञात रहे कि याचिकाकर्ता ने पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार द्वारा इस भर्ती को रद्द नहीं किये जाने के फैसले को चुनौती दी थी, साथ ही फर्जी दस्तावेजों और धांधली से नौकरी पाने वाले करीब 2000 लोगों को बर्खास्त करने की गुहार लगायी थी। गहलोत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भीलवाड़ा में अवैध खनन पर एनजीटी ने नोटिस जारी किए

भीलवाड़ा/जयपुर, 31 अगस्त। भीलवाड़ा जिले की सहाड़ा तहसील में चंद्रभागा नदी में कथित अवैध एवं अनियंत्रित रेत खनन के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की केन्द्रीय क्षेत्रीय पीठ, भोपाल ने संज्ञान लिया है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति श्यो कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने की।

- सहाड़ा तहसील में चंद्रभागा नदी के अवैध व अनियंत्रित खनन पर कलैक्टर भीलवाड़ा तथा दो अन्य से 6 सप्ताह में रिपोर्ट मांगी।

आवेदन में आरोप लगाया गया है कि चंद्रभागा नदी में भारी मशीनों से दिन-रात रेत खनन किया जा रहा है। निर्धारित सीमा से अधिक खनन,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओबीसी का मुद्दा यूपी में भाजपा को असहज स्थिति में ला सकता है

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना में तकनीकी खामी की शिकायत कर राजनैतिक बम फोड़ा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 अगस्त। उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, जिन्हें 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले का 'सेमीफाइनल' माना जा रहा है। ऐसे में राहुल गांधी ने एक बार फिर ओबीसी राजनीति, जातीय जनगणना और आरक्षण को कांग्रेस के चुनावी अभियान के केन्द्र में ला दिया है।

समय का चुनाव सोचा-समझा है। उत्तर प्रदेश, लोकसभा में किसी भी अन्य राज्य की तुलना में सबसे अधिक सांसद भेजता है और लखनऊ पर जिसका नियंत्रण होता है, वही अगले आम चुनाव की ओर बढ़ते हुए राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श को प्रभावित करता है।

राहुल गांधी के ताजा हमले के केन्द्र में एक तकनीकी दिखने वाली, लेकिन राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण आपत्ति है: इस समय चल रही राष्ट्रीय जनगणना में ओबीसी के लिए अलग से कोई कॉलम नहीं है। कांग्रेस का कहना है कि यह कोई भूल नहीं, बल्कि इसे सोच-समझकर कमज़ोर करने का प्रयास है। पार्टी ने प्रश्नावली में ओबीसी के लिए अलग कॉलम न होने को गंभीर चिंता का विषय बताते हुए सरकार पर जातीय जनगणना की कवायद को कमज़ोर करने का आरोप लगाया है।

- राहुल गांधी ने शिकायत की है कि अभी जो जातिगत जनगणना चल रही है, उसमें ओबीसी का कॉलम नहीं है। राहुल ने कहा, यह कोई भूल नहीं, बल्कि ओबीसी को कमज़ोर करने का सोचा-समझा प्रयास है।
- यह आपत्ति भाजपा को असहज कर सकती है। क्योंकि वर्षों तक जातीय जनगणना की मांग का विरोध करने के बाद मोदी सरकार ने जातीय जनगणना करवाने की मंजूरी दी है, पर अब इसके तरीके को लेकर संदेह बढ़ रहा है।

यह आपत्ति भारतीय जनता पार्टी के लिए असहज समय पर आई है। वर्षों तक जातीय जनगणना की मांग का विरोध करने के बाद, मोदी सरकार ने रुख बदलते हुए, विलंबित दशकीय जनगणना के साथ जातीय गणना कराने पर सहमति दी। कांग्रेस के लिए सरकार की यह सहमति इस बात का प्रमाण थी कि लगातार दबाव कारगर रहा। लेकिन सिद्धांत की लड़ाई जीतने के बाद, अब कांग्रेस इसके तरीके को लेकर सवाल उठा रही है।

राहुल गांधी ने मंडल दौर की राजनीति में गहरी जड़ें रखने वाले नारे को फिर से सामने रखा है, "जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व।" कांग्रेस ने इसे मौजूदा राजनीतिक संदर्भ में नए तरीके से पेश किया है। पार्टी सटीक जातीय गणना की मांग को, वास्तविक आंकड़े सामने आने के बाद, आरक्षण की 50 प्रतिशत की ऊपरी सीमा को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 47 लाख मतदाता डिलीट

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 अगस्त। दिल्ली की ड्राफ्ट मतदाता सूची सोमवार को जारी कर दी गई। राजधानी के कुल 1.45 करोड़ मतदाताओं में से 47.7 लाख मतदाताओं के नाम प्रारूप सूची से बाहर

- दिल्ली में कुल 1.45 करोड़ मतदाता हैं। इनमें से 47.7 लाख वोटर्स के नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल नहीं हैं। ये लोग 30 सितम्बर तक फॉर्म 6 भरकर और जरूरी दस्तावेज़ पेश कर नाम जुड़वा सकते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

न्यायाधीश एस पी शर्मा का प्रकरण जोधपुर बार बनाम जयपुर बार का विवाद बना

सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जज संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 31 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट में कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा पर "प्रशासनिक शक्तियों" का कथित दुरूपयोग करने का आरोप लगाते हुए, जो तीन पत्र उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश संदीप मेहता ने भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को भेजे थे, उनको लेकर सोमवार को हाईकोर्ट में नया बवाल खड़ा हो गया। इस प्रकरण में जोधपुर और जयपुर के वकीलों में मतभेद है और दोनों एक दूसरे से असहमत हैं।

सोमवार को कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा और न्यायाधीश संगीता शर्मा की अदालत नं. 2 के बाहर वकीलों के एक गुट ने प्रदर्शन किया, जिसके चलते अदालत में सुनवाई नहीं हुई, परंतु जयपुर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ न तो कोई प्रेस विज्ञप्ति जारी की और न कोई बयान दिया। यहां तक कि राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष राजीव सोगरवाल ने मीडिया में यह बयान दिया कि "जो तीन पत्र उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को लिखे गये... इसको लेकर पूरे वकील समुदाय में भारी असंतोष है। वकीलों में असंतोष है कि प्रक्रिया से न्यायपालिका की और वकीलों की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है।"

अधिवक्ता राजीव सोगरवाल ने कि "क्या इस मामले को (मीडिया द्वारा) सार्वजनिक किये बिना इसका निस्तारण नहीं किया जा सकता था? पत्र में लगाये गये आरोपों का क्या स्तर था?" उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को इसकी त्वरित जांच करानी चाहिए और मामले की तह तक जाना चाहिए, इस तरह मीडिया द्वारा आरोपों को सार्वजनिक किये जाने की वजह से केवल न्यायापालिका और वकीलों की छवि को धूमिल किया जा रहा है। ऐसी ही भावना अन्य कुछ वकीलों ने भी प्रकट की और केवल यही बोला कि "ऐसोसिएशन से जुड़े वकील एकजुट हैं और एक साथ ही काम करेंगे।"

- सोमवार को कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा और न्यायाधीश संगीता शर्मा की अदालत नं. 2 के बाहर वकीलों के एक गुट ने प्रदर्शन किया, जिसे जयुपर बार एसोसिएशन की सहमति प्राप्त नहीं थी।
- इस प्रदर्शन के बाद एस.पी. शर्मा ने हाईकोर्ट के रोस्टर में बदलाव किया है और स्वयं को न्यायिक कार्यों से अलग कर लिया है।

दूसरी ओर राजस्थान हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन जोधपुर ने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए कहा है कि कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा पर "प्रशासनिक शक्तियों का कथित दुरूपयोग करने तथा मामलों की लिस्टिंग की प्रक्रिया में कथित हस्तक्षेप, पक्षपात" इत्यादि के आरोप लगाये गये हैं। इस विषय पर मीटिंग करने के बाद एसोसिएशन ने तीन सूत्री मांगों का ज्ञापन प्रेस विज्ञप्ति से जारी किया है, जिसमें पहली मांग है कि कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश को "न्यायिक एवं प्रशासनिक कार्यों से विरत रखा जाए", "राजस्थान उच्च न्यायालय में स्थायी मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की जाए", तथा "टार्गेटेड फाइल सिस्टम को बंद किया जाए।" जोधपुर स्थित लॉयर्स एसोसिएशन ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में यह भी कहा कि अधिवक्ता 6 सितम्बर 2026 तक स्वैच्छिक हड़ताल पर रहेंगे, इस दौरान न तो न्यायिक कार्य करेंगे और न अदालत में उपस्थित होंगे। आगामी रणनीति पर संघर्ष समिति निर्णय लेगी।

उल्लेखनीय है कि कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा राजस्थान हाईकोर्ट में जज के तौर पर नियुक्त होने से पूर्व जयपुर में एक सक्रिय व वरिष्ठ अधिवक्ता के तौर पर कार्य करते थे। वहीं, न्यायाधीश संदीप मेहता जोधपुर के जाने-माने व वरिष्ठ अधिवक्ता थे।

सोमवार को जयपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट में हुए प्रदर्शन के बाद कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा ने हाईकोर्ट के रोस्टर में बदलाव किया है और स्वयं को न्यायिक कार्यों से अलग कर लिया है।

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के कोलीजियम ने बयान जारी किया है कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जज संजय के. अग्रवाल राजस्थान हाईकोर्ट ट्रांसफर किये जा रहे हैं और वे ही राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का कार्यभार संभालेंगे।

सीजेपी के दिल्ली मार्च पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 5 सितंबर को प्रस्तावित दिल्ली मार्च पर रोक लगाने या उसे सीमित करने से इनकार कर दिया। साथ ही कहा कि अधिकारियों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है।

- सीजेपी ने 5 सितम्बर को दिल्ली मार्च का आह्वान किया है। यह मार्च केन्द्र सरकार द्वारा 25 जुलाई को किए गए वादे पूरे नहीं करने के विरोध में किया जा रहा है।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

करोड़ों का खर्च, फिर भी स्टेशन बेहाल!

राजस्थान में जिस प्रकार से रेलवे स्टेशनों के नवीनीकरण और आधुनिकीकरण का काम चल रहा है, उससे तो यही लगता है कि करोड़ों रुपए का खर्चा अर्थहीन है, यदि नागरिकों की सुविधा बेहतर न हो। भारतीय रेल ने 508 स्टेशनों के नवीनीकरण और पुनरुद्धार के लिए "अमृत भारत स्टेशन स्कीम" के अंतर्गत प्रथम चरण में 24508 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इस पर कार्य 2022 से प्रारंभ हुआ।

राजस्थान के जयपुर, गांधीनगर, उदयपुर सिटी और राणाप्रतापनगर स्टेशनों के आधुनिकीकरण का काम 2022 से चल रहा है। चार वर्ष पश्चात भी दोनों शहरों के ये स्टेशन, यात्रियों के लिए परेशानी का ही कारण बने हुए हैं। रेल यात्री कितनी परेशानी झेल रहे हैं, उसका रेलवे अधिकारियों को कोई अंदाज़ा नहीं है, वरना इतने लंबे समय तक यह काम अपूर्ण नहीं रहता। वास्तविकता तो यह है कि लोगों की यात्रा पहले से कहीं अधिक दुष्कर हो गई है।

मैने इन स्टेशनों के उदारहण इसलिए दिए हैं क्योंकि मैं नियमित रूप से इस रूट पर रेल से यात्रा करता हूं।

कहा जाता है कि चावल पके या नहीं, इसका अनुमान एक चावल से ही लगाया जा सकता है। हम लोग उदयपुर के रहने वाले हैं और कई वर्षों से साल में चार-पांच बार हमारा उदयपुर जाना होता है। सामान्यतया हम गांधीनगर स्टेशन से ट्रेन पकड़ते हैं और उदयपुर के राणा प्रतापनगर स्टेशन पर उतरते हैं। यह सबसे सुविधाजनक लगता था। गत चार सालों से जयपुर स्टेशन से ट्रेन पकड़ना बहुत ही कठिन हो गया है। वरिष्ठ नागरिकों, शारीरिक रूप से अक्षम, छोटे बच्चों के साथ महिलाओं या कुछ अधिक सामान के साथ तो यह लगभग असंभव है।

जयपुर से उदयपुर जाने वाली इंटरसिटी ट्रेन, प्लेटफार्म नंबर 1-B से जाती है। इस प्लेटफॉर्म तक पहुंचने के लिए स्टेशन के प्रवेश द्वार से लगभग आधा किलोमीटर चलना पड़ता है। कई सालों से काम चलने के कारण प्लेटफॉर्म तक पहुंचने रास्ता कहीं कच्चा और कहीं टूटा-फूटा है।

दूसरी समस्या जयपुर स्टेशन तक पहुंचने की है। खासा कोठी फ्लाईओवर से स्टेशन के गेट तक अधिकांश समय ट्रैफिक जाम की स्थिति रहती है, जिसके कारण कई लोगों की ट्रेन छूट जाती है। गत कई सालों से रेलवे स्टेशनों पर कुलियों की संख्या नगण्य रह गई है। किसी ने यह नहीं सोचा कि ऐसी स्थिति में यात्री कैसे अपनी ट्रेन तक पहुंच पाएंगे? आधे-एक घंटे का अतिरिक्त समय लेकर चलने वालों की ट्रेन भी कई बार छूट जाती है। स्टेशन के बाहर इतनी भीड़ रहती है कि समय पर स्टेशन पर पहुंचना ही लगभग असंभव हो गया है। यह स्थिति लगभग 4-5 वर्षों से बनी हुई है। क्या रेलवे के अधिकारी कभी इस ट्रेन में बैठकर यात्रा करते ही नहीं है या उन्हें यात्रियों की परेशानी से कोई सरोकार नहीं बचा है? रेलवे का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को एक शहर से दूसरे शहर तक जाने के लिए तेज, सुविधाजनक और उचित किराए पर साधन उपलब्ध कराना है। यहां तो करोड़ों रुपए का खर्च और वर्षों तक काम चलने के बाद भी, अब तक यात्रियों को सुविधा के स्थान पर हर कदम पर परेशानी का ही सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति तो तब है जब जयपुर स्टेशन के पुनरुद्धार पर 717 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं।

इसी प्रकार जयपुर के ही दूसरे स्टेशन गांधीनगर पर 211 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। यहां भी अभी तक काम चल रहा है और एक प्लेटफोर्म से दूसरे तक जाने के लिए न लिफ्ट चलती है न एस्केलेटर। दो अटैची हाथों में उठाए कोई भी यह काम ऊंचे फुट ओवरब्रिज की सीढ़ियां चढ़कर नहीं कर सकता है। अभी तक काम अधूरा है। क्या रेलवे के अधिकारी यह नहीं कर सकते कि काम चलने के दौरान यात्रियों की मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखा जाए?

गांधीनगर स्टेशन से यदि कोई ट्रेन पकड़ना चाहे तो टोंक रोड स्थित प्लेटफार्म नंबर 2 के बाहर यातायात इतना अव्यवस्थित है कि टोंक रोड से प्लेटफार्म तक की 100 मीटर की दूरी भी पार करना बहुत मुश्किल है। उल्लेखनीय है कि रात्रि को खजुराहो इक्सप्रेस (जो जयपुर होते हुए उदयपुर जाती है) का समय 10.10 का है। लगभग उसी समय दिल्ली से आने वाली डबल डेकर और वंदे भारत के सैंकड़ों यात्री उतरते हैं। उस समय, कई वाहन आमने-सामने आ जाते हैं और जाम लग जाता है। यह प्रतिदिन की समस्या है। पूरे प्लेटफार्म पर न शौचालय की व्यवस्था है न पर्याप्त बैठने की कुर्सियां और बेंच। यहां वेटिंग रूम भी नहीं है।

एक समस्या, भारतीय रेलों में प्रारंभ से अनुभव की जा रही है। रेल के डिब्बों और प्लेटफॉर्म के लेवल में 2 या 3 फीट की ऊंचाई होती है और दो सीढ़ियां भी एक दम सीधी और संकरी होती हैं। किसी के लिए इन पर चढ़ना और उतरना बहुत मुश्किल होता है, खास तौर से इसलिए कि डिब्बे और प्लेटफॉर्म के बीच में काफी खाली जगह होती है। कई दुर्घटनाओं में अनेक व्यक्तियों की मौत इसी कारण हुई है। यह कमी रेलवे क्यों नहीं ठीक कर पा रही है, यह समझ से परे है। क्या अमृत भारत स्टेशन स्कीम के अंतर्गत इस समस्या को दूर किया जाएगा?

क्या रेलवे पुलिस और स्थानीय ट्रैफिक पुलिस मिल कर इसे ठीक नहीं कर सकते ? गांधीनगर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म 1 से 2 तक जाने के लिए एस्केलेटर बने तो हैं लेकिन ये सामान्यतः बंद पड़े रहते हैं। कोई भी बुजुर्ग व्यक्ति या दिव्यांग, किस प्रकार से ऊंची सीढ़ियां चढ़कर सही प्लेटफॉर्म पर पहुंच सकता है? बताया जाता है कि आधुनिकी करण के बाद हमारे रेलवे स्टेशन, विश्वस्तरीय हो जाएंगे, लेकिन तब तक क्या यात्री मूलभूत सुविधाओं से भी वंचित रहेंगे?

उदयपुर, जो कि भारत का विख्यात पर्यटन शहर है, के दोनों स्टेशन, सिटी स्टेशन और राणा प्रतापनगर गत चार साल से इसी बदइंतजामी का शिकार हैं। जयपुर से आने वाली खजुराहो एक्सप्रेस, सिटी स्टेशन उदयपुर पर प्लेटफार्म नंबर पांच पर आती है। यहां से प्लेटफार्म नंबर एक तक पहुंचने के लिए दोनों तरफ एस्केलेटर या लिफ्ट की कोई व्यवस्था नहीं है। कैसे कोई यात्री अपना सामान लेकर प्लेटफार्म बदल सकता है, इसका शायद किसी को कोई अनुमान नहीं है ! यह नहीं पता कि कितने व्यक्ति अब तक इस कारण अपनी हड्डी तुड़वा चुके हैं या घायल चुके हैं?

उदयपुर सिटी स्टेशन के बाहर का हाल, बेहाल है। यदि रेलवे स्टेशन के बाहर का हाल कोई देख ले तो दोबारा कभी उदयपुर आने का विचार ही त्याग दे। क्या ऐसे हम पर्यटन विकास करेंगे? स्टेशन के बाहर, ट्रेन के आने और जाने के समय अनेक वाहन फंसे रहते हैं। यदि ट्रेन प्लेटफार्म एक के बजाय किसी अन्य प्लेटफॉर्म से रवाना होती है, तो समस्या और भी विकराल हो जाती है ।

यह सोचकर कि राणा प्रताप नगर, उदयपुर का छोटा स्टेशन है, यहां पर उतरने से सुविधाजनक रूप से बाहर निकला जा सकता है, हम कई बार राणा प्रताप नगर पर उतर जाते हैं। यदि ट्रेन प्लेटफार्म नंबर 1 के बजाय 2 पर आ जाए तो बाहर निकलना ही बहुत मुश्किल है। यहाँ भी न लिफ्ट है न एस्केलेटर। प्लेटफॉर्म पूरा खुला है और बारिश आने पर पूरा भीगने के अलावा कोई चारा नहीं है। बहुत दूर जाकर, टूटे-फूटे रैम्प से होकर प्लेटफॉर्म बदलना पड़ता है। ऐसा करते समय कोई कहीं अटक या फंस जाये तो दुघर्टना निश्चित है। इसका नवीनतम अनुभव तो हमने 26 अगस्त को किया जब ट्रेन प्लेटफार्म नंबर दो पर आई थी । इस प्लेटफार्म से प्लेटफार्म नंबर 1 पर जाने का कोई विकल्प नहीं था, सिवाय रेलवे ट्रैक को क्रॉस करके जाने के। ऐसा हमने अपनी जान को जोखिम के डालकर किया ।

यह उदयपुर वालों का दुर्भाग्य है कि जिस शहर के मोहन लाल सुखाड़िया, राजस्थान के 17 वर्ष तक मुख्यमंत्री रहे, वही शहर अब राजनीतिक रूप से इतना कमजोर हो चुका है कि वहां का कोई राजनीतिक नेता उदयपुर शहर के रेलवे स्टेशनों को सुधारने के बारे में कुछ भी प्रभावी कार्रवाई नहीं करवा पाया है।

उदयपुर के पास गुजरात के अहमदाबाद रेलवे स्टेशन की दुर्दशा भी कम नहीं है। एक बार हमें विदेश यात्रा से अहमदाबाद हवाई अड्डे पर आने के बाद, अहमदाबाद स्टेशन पर 4 घंटे बिताने पड़े ताकि हम जयपुर की ट्रेन ले सकें। इस महत्वपूर्ण स्टेशन पर किसी भी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं थी। यहाँ तक कि रिटायरिंग रुम और वेटिंग रूम तक नहीं थे। चार घंटे, हमने रेलवे प्लेटफॉर्म की बेंच पर निरंतर एनाउंसमेंट और रेलों की धड़धड़ाने की आवाज़ के बीच कैसे बिताए, वे हमेशा याद रहेंगे।

एक समस्या, भारतीय रेलों में प्रारंभ से अनुभव की जा रही है। रेल के डिब्बों और प्लेटफॉर्म के लेवल में 2 या 3 फीट की ऊंचाई होती है और दो सीढ़ियां भी एक दम सीधी और संकरी होती हैं। किसी के लिए इन पर चढ़ना और उतरना बहुत मुश्किल होता है, खास तौर से इसलिए कि डिब्बे और प्लेटफॉर्म के बीच में काफी खाली जगह होती है। कई दुर्घटनाओं में अनेक व्यक्तियों की मौत इसी कारण हुई है। यह कमी रेलवे क्यों नहीं ठीक कर पा रही है, यह समझ से परे है। क्या अमृत भारत स्टेशन स्कीम के अंतर्गत इस समस्या को दूर किया जाएगा?

मैने उपरोक्त उदाहरण इतने विस्तार से केवल यह सिद्ध करने के लिए दिए हैं कि सरकार आम जनता की समस्याओं से कितनी बेखबर है। उनके नाम पर अरबों रुपए की योजनाएं तो बनाती हैं किंतु वे वास्तव में लोगों के कष्ट ही बढ़ा रही हैं। भारत के 500 रेलवे स्टेशन वर्तमान में इसी दौर से गुजर रहे होंगे, जहां भविष्य संवारने के नाम पर करोड़ों-अरबो रुपए खर्च करने के बावजूद लाखों लोग प्रतिदिन परेशान हो रहे हैं।

आशा है, रेल मंत्री इस गंभीर समस्या पर ध्यान देंगे और अधिकारियों को निर्देश देंगे कि आम यात्रियों की सुविधा किसी भी तरह से बाधित न हो। अब भी यह काम शीघ्र पूरा करें और जब तक काम पूरा हो, तब तक कम से कम लिफ्ट और एस्केलेटर की व्यवस्था को सुनिश्चित करेंगे। क्या बुलेट ट्रेन और वंदे भारत जैसी आधुनिकतम ट्रेन चलाने वाला वाला रेलवे मंत्रालय यात्रियों के लिए न्यूनतम आवश्यक सुविधाएं भी सुनिश्चित नहीं कर सकता ?

यदि नहीं, तो हमें यही कहना होगा कि - "करोड़ों के खर्च के बाद भी रेलवे स्टेशनों का हाल, बेहाल!"

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

सुगम परिवहन की ओर बढ़ता राजस्थान : सुविधा, सुरक्षा और तकनीक का नया समन्वय

गिरीश पाराशर

राजस्थान जैसे विशाल भौगोलिक विस्तार वाले प्रदेश में परिवहन केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि विकास की गति को तय करने वाला महत्वपूर्ण आधारभूत ढांचा है। दूर-दराज के गांवों को शहरों से जोड़ना हो, विद्यार्थियों और कामकाजी लोगों की दैनिक आवाजाही आसान बनानी हो, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित एवं किफायती यात्रा उपलब्ध करानी हो या बड़े धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में लाखों यात्रियों का प्रबंधन एक सक्षम सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की भूमिका हर स्तर पर दिखाई देती है। हाल के प्रयासों से राजस्थान में परिवहन व्यवस्था को केवल बसों की संख्या बढ़ाने तक सीमित न रखकर सुविधा, सुरक्षा, डिजिटल सेवाओं, ग्रामीण पहुंच और आधुनिकीकरण के व्यापक दृष्टिकोण से विकसित करने की दिशा स्पष्ट होती है।

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के स्तर पर बस बेड़े के विस्तार और आधुनिकीकरण की दिशा में उल्लेखनीय काम हुआ है। विभिन्न श्रेणियों की 944 नई बसों का क्रय कर संचालन शुरू किया गया, जबकि 581 बसों को अनुबंध पर लेकर संचालन प्रारंभ किया गया। इसके अतिरिक्त 767 डीजल तथा 300 इलेक्ट्रिक बसों को अनुबंध पर लेने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा रही है। यह बदलाव इस मायने में महत्वपूर्ण है कि सार्वजनिक परिवहन की गुणवत्ता सीधे तौर पर उपलब्ध बसों की संख्या, उनकी स्थिति और उनकी तकनीकी क्षमता से जुड़ी होती है।

यहां परिवहन सुधार का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच का विस्तार है। अक्सर सार्वजनिक परिवहन की सबसे बड़ी चुनौती उन क्षेत्रों में सामने आती है जहां यात्रियों की संख्या सीमित होने के कारण नियमित बस संचालन व्यावसायिक दृष्टि से कठिन होता है। ऐसे क्षेत्रों के लिए रेवन्यू शेरिंग मॉडल के आधार पर ग्रामीण सेवा 'आपणी बस-राजस्थान रोडवेज' की शुरुआत 5 अक्टूबर 2025 से की गई। यह पहल दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की कोशिश के रूप में महत्वपूर्ण है।

दरअसल, सुगम परिवहन का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होता है जब बस सेवा गांव की चौपाल से लेकर महानगर तक समान रूप से उपयोगी हो। राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों में ग्रामीण संपर्क को मजबूत करना आर्थिक और सामाजिक दोनों दृष्टियों से जरूरी है। परिवहन की बेहतर उपलब्धता रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और बाजार तक पहुंच को भी आसान बनाती है। इसलिए ग्रामीण बस सेवा का विस्तार केवल यात्री सुविधा का विषय नहीं, बल्कि क्षेत्रीय संतुलित विकास का भी महत्वपूर्ण माध्यम है।

सार्वजनिक परिवहन की गुणवत्ता का आकलन केवल बस के भीतर की सुविधा से नहीं होता। बस स्टैंड और यात्री प्रतीक्षालय भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार छह नए बस स्टैंड का निर्माण पूरा किया जा चुका है। इसके साथ ही 16 स्थानों पर नए बस स्टैंड और एक स्थान पर नए बस डिपो का निर्माण कार्य चल रहा है, जबकि छह पूर्व स्थापित बस स्टैंड पर मरम्मत एवं उन्नयन संबंधी कार्य प्रगतिरत हैं। इसी क्रम में 'मेरी बस मेरी जिम्मेदारी' अभियान के तहत निगम की स्वामित्व वाली और अनुबंधित बसों की स्वच्छता तथा मरम्मत संबंधी कार्यों पर भी जोर दिया गया है। यह पहल इस बात का संकेत है कि परिवहन व्यवस्था में अब केवल परिचालन नहीं, बल्कि यात्री के पूरे अनुभव को बेहतर बनाने पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

आज का यात्री केवल समय पर बस मिलने की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि वह यात्रा के दौरान सुरक्षा और वास्तविक समय की जानकारी भी चाहता है। राजस्थान रोडवेज में इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए बसों में व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम और पैनिक बटन स्थापित किए गए हैं। महिलाओं, दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों, छोटे बच्चों अथवा अचानक बीमार हुए यात्रियों जैसी आपात परिस्थितियों में त्वरित सहायता के लिए यह व्यवस्था महत्वपूर्ण है। इन सेवाओं की निगरानी के लिए मुख्यालय में स्थापित सुरक्षा, कंट्रोल एंड कमांड सेंटर का उद्घाटन 14 दिसंबर 2024 को किया गया।

डिजिटल परिवहन के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण कदम ऑनलाइन पोर्टल 'समाधान' की शुरुआत है। 24 जुलाई 2024 को शुरू किए गए इस पोर्टल के माध्यम से निगम की सेवाओं से संबंधित यात्रियों की शिकायतों के निवारण की व्यवस्था की गई है। वहीं, 'RSRTC Live' मोबाइल एप के माध्यम से यात्रियों को निगम की बसों के आगमन-प्रस्थान से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने की पहल की गई है। परिवहन व्यवस्था का मानवीय पक्ष भी इन प्रयासों में स्पष्ट दिखाई देता है। प्रदेश के 60 से 80 वर्ष की आयु के वरिष्ठ नागरिकों को निगम की बसों में किराये में दी जा रही 30 प्रतिशत छूट को बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया गया है। मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित यात्रियों के साथ एक सहयोगी को निगम की साधारण एवं द्रुतगामी बसों में निःशुल्क यात्रा सुविधा देने का निर्णय भी लागू है। लोकतंत्र सेनानियों को निगम की लोकल एवं एक्सप्रेस बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

महिलाओं के लिए भी विशेष अवसरों पर परिवहन सुविधा का व्यापक उपयोग हुआ है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 2024 में 6.04 लाख, 2025 में 6.74 लाख और 2026 में 7.71 लाख अर्थात कुल 20.49 लाख महिला यात्रियों को राज्य की सीमा में निगम बसों में निःशुल्क यात्रा उपलब्ध कराई गई। रक्षाबंधन 2024 पर 7.48 लाख महिला यात्रियों को यह सुविधा मिली, जबकि रक्षाबंधन 2025 पर पहली बार दो दिन की निःशुल्क यात्रा सुविधा दी गई, जिसका लाभ 16.04 लाख महिला यात्रियों ने उठाया।

यह आंकड़े बताते हैं कि सार्वजनिक परिवहन सामाजिक समावेशन का भी सशक्त माध्यम बन सकता है। महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और विशेष परिस्थितियों वाले यात्रियों के लिए आर्थिक राहत तथा सुविधा का विस्तार परिवहन को अधिक संवेदनशील और जनोन्मुख बनाता है।

किसी भी परिवहन व्यवस्था की क्षमता का वास्तविक परीक्षण सामान्य दिनों से अधिक बड़े आयोजनों में होता है। महाकुंभ 2025 इसका बड़ा उदाहरण रहा। राजस्थान रोडवेज ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक यात्रा प्रबंधन करते हुए बसों का लगभग 11 लाख किलोमीटर संचालन किया और करीब 78 हजार यात्रियों को यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई।

यह अनुभव बताता है कि सार्वजनिक परिवहन केवल नियमित यातायात का साधन नहीं, बल्कि आवश्यकता के अनुसार तेजी से संसाधन जुटाने वाली व्यवस्था भी होना चाहिए। बड़े धार्मिक, सांस्कृतिक अथवा सामाजिक आयोजनों में सुगम यातायात भीड़ प्रबंधन और जनसुविधा दोनों के लिए निर्णायक बन जाता है।

राजस्थान अब सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक इंटेलिजेंस ट्रांसपोर्ट सिस्टम से जोड़ने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में आईटीएस सुदृढ़ीकरण के लिए केंद्रीय सहायता योजना के अंतर्गत राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की 11.33 करोड़ रुपए लागत की परियोजना को स्वीकृति मिली है। इसमें केंद्र सरकार की ओर से 70 प्रतिशत यानी 7.931 करोड़ रुपए का अंशदान स्वीकृत किया गया है तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रथम किस्त के रूप में 3.965 करोड़ रुपए जारी करने की स्वीकृति दी गई है।

यह निवेश आने वाले समय में परिवहन व्यवस्था को और अधिक डेटा आधारित, निगरानी-सक्षम और यात्री केंद्रित बनाने की क्षमता रखता है। व्हीकल ट्रैकिंग से लेकर कमांड सेंटर और मोबाइल एप तक की कड़ियां पहले ही जुड़ रही हैं; आईटीएस का विस्तार इस डिजिटल परिवहन तंत्र को और मजबूत कर सकता है।

परिवहन सुधारों का एक सकारात्मक परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर भी सामने आया है। अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 की अवधि में डीजल माइलेज में सुधार के लिए निगम को स्कॉच ऑर्डर ऑफ मेरिट से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि संसाधनों के बेहतर उपयोग और परिचालन दक्षता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करती है।

राजस्थान में सुगम परिवहन की तस्वीर को यदि समग्रता में देखा जाए तो यह बदलाव केवल नई बसें जोड़ने का नहीं है। एक ओर बस बेड़े का विस्तार और इलेक्ट्रिक बसों की दिशा में पहल है, तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा विस्तार, नए बस स्टैंड, स्वच्छता एवं मरम्मत, यात्रियों की सुरक्षा, डिजिटल शिकायत निवारण, लाइव बस ट्रैकिंग और जैसी तकनीकी व्यवस्थाएं हैं। साथ ही महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और विशेष जरूरत वाले यात्रियों के लिए सुविधाओं का विस्तार इस व्यवस्था को अधिक समावेशी बनाता है। आगे की चुनौती इन पहलों को निरंतरता देने की है। नई बसें तभी प्रभावी होंगी जब उनका रखरखाव बेहतर हो, डिजिटल सेवाएं भरोसेमंद हों, ग्रामीण मार्गों पर नियमितता बनी रहे और यात्री सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता में रहे। सार्वजनिक परिवहन की सफलता का अंतिम पैमाना आंकड़े नहीं, बल्कि वह सामान्य यात्री है जो समय पर, सुरक्षित, सम्मानजनक और किफायती ढंग से अपने गंतव्य तक पहुंचता है।

राजस्थान के लिए यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सुगम परिवहन प्रदेश की आर्थिक और सामाजिक गतिशीलता का आधार बन सकता है। जब गांव बेहतर बस सेवा से जुड़ते हैं, शहर आधुनिक परिवहन से चलते हैं और यात्री तकनीक के माध्यम से व्यवस्था से सीधे जुड़ता है, तब परिवहन महज आवागमन नहीं रहता, विकास का वाहक बन जाता है।

–गिरीश पाराशर,
राज. प्रशासनिक सेवा
अधिकारी (सेनि)

राजस्थान के सरकारी विश्वविद्यालयों की सिंडिकेट/ प्रबंध मंडलों में दो विधायकों के मनोनयन की वर्तमान परिदृश्य में सार्थकता

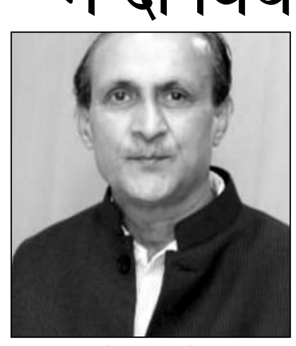

डॉ. भूपेंद्र सिंह शेखावत

पिछले दिनों एक सोची समझी कार्यवाही के तहत जयपुर शहर के मध्य में स्थित महाराजा और महारानी कॉलेज की लगभग 48 बीघा भूमि, जिसका बाजार मूल्य अनुमानत सैकड़ों अरब रुपए का होगा, का स्वामित्व राजस्थान विश्वविद्यालय से अनधिकृत रूप में गोपनीय तरीके से छीनकर, जेडीए एवं नगर निगम जैसी संस्थाओं के स्वामित्व में कर दिया गया, इस सूचना के साथ मुझे यह भी सूचना मिली कि 11 महीने पहले हो चुकी इस कार्यवाही के अगले प्रथम चरण में महारानी कॉलेज के एक बड़े भूभाग जिसमें वर्तमान में कुछ मजारें भी है, को इंस्टीट्यूशनल एरिया के नाम से राजनीतिक रूप से प्रभावी एक निजी शिक्षा संस्थान को हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस की स्थापना के उद्देश्य से रियायती दरों पर प्रदान किए जाने की प्रक्रिया भी प्रगति पर है। निश्चित रूप से मेरे लिए यह बड़ी सूचना थी। मैंने मेरे मीडिया से जुड़े कुछ साथियों से जब यह सूचना साझा की तो उन्होंने अपनी कलम से इसे प्रमुखता के साथ आमजन मानस के सामने रखा। विश्वविद्यालय समुदाय विशेष रूप से शिक्षक, कर्मचारी और छात्र संगठन भी इसके विरोध में आने लगे, यहां तक की विश्वविद्यालय की पेंशनर एसोसिएशन से जुड़े सेवानिवृत्त हो चुके वयोवृद्ध शिक्षक एवं कर्मचारी भी इसके विरोध में सड़कों पर धरना देने के लिए भी आगे आ गये। मैंने इस धरने में कुछ ऐसे वयोवृद्ध शिक्षकों और कर्मचारियों को भी देखा जो अपने स्वास्थ्य कारणों से आसानी से चल भी नहीं पा रहे थे

मैं इसे एक सुखद संयोग ही मानता हूं, कि इस पूरी प्रक्रिया के दौरान विधानसभा का सत्र चल रहा था, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांतीय प्रभारी पूरन सिंह जी का इस संबंध में मेरे पास पहली बार टेलीफोन आया, कि मालवीय नगर के विधायक कालीचरण सर्राफ, इस मुद्दे को प्रमुखता से विधानसभा में रखना चाहते हैं, आपसे इस संबंध में पूरे तथ्यों के साथ सूचना प्राप्त करने के लिए उन्होंने मुझे सलाह दी है। उन्होंने मुझसे कहा विद्यार्थी परिषद भी इस संबंध में एक बड़ा छात्र आंदोलन करने जा रहा है, इसी तरह के भाव मुझे छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष रह चुके विधायक मनीष यादव जी के माध्यम से भी प्राप्त हुए, इन दोनों विधायकों को पूरे तथ्यों के साथ मेंने सभी आवश्यक पत्रावलियो की सूचना भेज दी। विधायक व मेरे मित्र प्रोफेसर सुभाष गर्ग को मैंने इस पूरे प्रकरण को विधानसभा पटल पर रखे जाने के निवेदन के साथ जानकारी दी। तीनों ही विधायकों ने विधानसभा में इस पूरे भूमि घोटाले को प्रमुखता से सदन की पटल पर रखा, और इस संबंध में प्रभावी कार्यवाही का दौर शुरू हुआ, और आखिर में मुझे यह सूचना मिली की तत्कालीन जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी, जो कि स्वयं भी विश्वविद्यालय के शोध छात्र हैं, ने इन दोनों महाविद्यालयों की भूमि के 11 महीने पूर्व किए गए नियम विरुद्ध नामांतरण को निरस्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं। हालांकि इस पूरी प्रक्रिया में विश्वविद्यालय की कुलपति द्वारा सिंडिकेट की आपात बैठक बुलाऐ जाने की लगातार मांग पर भी गंभीरता नहीं दर्शीयी गई,

इस पूरे प्रकरण में मेरे लिए निश्चित रूप से यह पीड़ा का विषय बना कि राजस्थान विश्वविद्यालय सिंडिकेट में राजस्थान विश्वविद्यालय अधिनियम 1946 के प्रावधान 21( ) के क्रम में राज्य सरकार द्वारा मनोनीत दो विधायकों गोपाल शर्मा और कुलदीप धनकड़ द्वारा सीधे रूप से विश्वविद्यालय के अस्तित्व पर हुए इस आक्रमण की गंभीरता को लेकर ना तो विधानसभा के पटल पर और ना हीं इस गंभीर विषय को लेकर सिंडिकेट की विशेष आपात बैठक बुलाई जाने के विचार तक भी व्यक्त किए गए, यह विषय अनेक मंचों पर विशेष चर्चा का भाग बना, हालांकि गोपाल जी ने अपनी नियुक्ति के बाद में विश्वविद्यालय से जुड़े अनेक पेचीदा मामलों को लेकर महत्वपूर्ण विचार जरूर व्यक्त किए हैं। यह भी उल्लेखनीय है की दूसरे सदस्य कुलदीप धनकड़ को अभी कुछ दिनों पूर्व इस प्रकरण की राज्य सरकार में प्रगति का जायजा लेने के लिए सिंडिकेट द्वारा दायित्व सोपा गया है।

जहां तक राज्य के अन्य सरकारी विश्वविद्यालयों में मनोनीत होने वाले इन विधायकों का प्रश्न है, सिंडिकेट / प्रबंध मंडल सदस्य के रूप में मिलने वाली कुछ आर्थिक एवं अन्य सुविधाओं को प्राप्त करने तक ही उनकी भूमिका सीमित है, कई विश्वविद्यालयों में तो हालात यहां तक भी हैं, की इस भूमिका के लिए अपेक्षित शिक्षित होने की स्थिति में भी कई विधायक नहीं है, शायद ही इन विश्वविद्यालयों के प्रबंध मंडल में महत्वपूर्ण सदस्य होने के बावजूद भी इन सदस्यों द्वारा अपने संबंधित विश्वविद्यालयों से जुड़ी महत्वपूर्ण समस्याओं के समाधान को लेकर विधानसभा में या सार्वजनिक रूप से कोई विचार तक भी व्यक्त किया होगा, जोधपुर विश्वविद्यालय इसका जीवंत उदाहरण है, इस विश्वविद्यालय से जुड़े शिक्षक एवं कर्मचारी पिछले लंबे समय से अपनी पेंशन की नियमितता को लेकर सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं, संघर्ष करते हुए दर्जनों सेवानिवृत हो चुके कर्मचारी एवं शिक्षक आर्थिक अभावों के चलते अपना जीवन भी खो चुके हैं, लेकिन इस विश्वविद्यालय में नियुक्त दो विधायक सदस्यों ने आज तक इस संबंध में विधानसभा में या सार्वजनिक रूप से इस समस्या के समाधान को लेकर किसी तरह की चिंता व्यक्त करने की भी जहमत नहीं उठाई है।

आखिर यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि राज्य के सरकारी विश्वविद्यालयों के प्रबंध मंडलों में इन विधायकों के सदस्यों के रूप में मनोनयन की एक स्वस्थ प्रक्रिया पर राजनीतिक दलों द्वारा पुनर्विचार किया जाना चाहिए। हालांकि पूर्व में डॉ बीडी कल्ला जैसे विद्वान विधायक भी सिंडिकेट के सदस्य रहे हैं, जिनके राज्य में उच्च शिक्षा विकास से जुड़े विचारों को सुनने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति और सिंडिकेट सदस्यों के साथ मीडिया से जुड़े वरिष्ठ प्रतिनिधि भी उत्सुकता से प्रतीक्षा करते थे, डॉ ललित किशोर चतुर्वेदी, भंवर लाल शर्मा, घनश्याम तिवारी, ,वासुदेव देवनानी, सुमित्रा सिंह, दीपेंद्र सिंह शेखावत, गिरिजा व्यास, डॉ सी पी जोशी, कालीचरण सराफ, जैसे अनेक अनुभवी राजनेताओं ने अपने अनुभव से अपने गहरे अनुभव के आधार पर नई दिशा दी, लेकिन वह हालत अब धीरे-धीरे विश्वविद्यालय परिसरों से विलुप्त हो रहा है। यहां यह उल्लेख करना भी समीचीन होगा की केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रबंध मंडल में भी इस तरह सदस्यों की नियुक्त होने का कोई विशेष प्रावधान नहीं है।

डॉ. भूपेंद्र सिंह शेखावत
अध्यक्ष श्री बिशन सिंह शेखावत शोध एवं शिक्षण संस्थान।

राशिफल मंगलवार 1 सितम्बर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2083, अश्विनी नक्षत्र रात्रि 2:41 तक, वृद्धि योग रात्रि 11:39 तक, बालव करण प्रातः 7:42 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मेष, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 2:42 तक है। कुमार योग प्रातः 7:42 से रात्रि 2:42 तक है। ज्वालामुखी योग रात्रि 2:42 से आरम्भ होगा। आज रक्षा पंचमी, प्रथम प्रकाश उत्सव गुरू ग्रन्थ साहिब (न मत से) है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:18 से 10:53 तक, लाभ-अमृत 10:53 से 2:01 तक, शुभ 3:35 से 5:10 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:10, सूर्यास्त 6:44

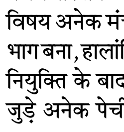

मेष
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आज मन:स्थिति ठीक रहेगी और मानसिक तनाव दूर होगा।

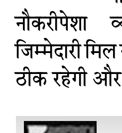

वृष
आज आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

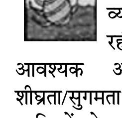

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है।

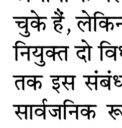

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

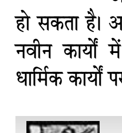

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

तुला
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

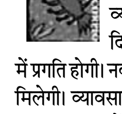

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

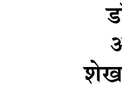

धनु
महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

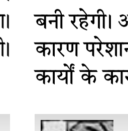

मकर
घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

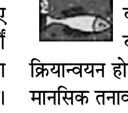

मीन
व्यावसायिक कार्य योजना बनेगी और योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव हो सकता है। आज अटका हुआ धन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

जयपुर में "महापौर" की कुर्सी के लिए आधा दर्जन नामों पर नजर, चुनाव से पहले सियासी चर्चाएं शुरू

पूर्व महापौर से लेकर संगठन के अनुभवी चेहरों तक दावेदारी की चर्चा

पूर्व महापौर ज्योति खण्डेलवाल और भाजपा के जयपुर जिलाध्यक्ष रह चुके सुनील कोठारी ने पार्षद के लिए नामांकन दाखिल किया। फोटो-राष्ट्रदूत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर नगर निगम चुनाव के लिए भाजपा ने सभी 150 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। अब प्रत्याशियों के मैदान में उतरने के साथ ही पार्टी के भीतर अगली बड़ी चर्चा "महापौर" की कुर्सी को लेकर शुरू हो गई है। भाजपा के टिकट वितरण में कई ऐसे चेहरे सामने आए हैं, जिनका संगठन, नगर निगम, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है।

ऐसे में चुनाव परिणाम आने से पहले ही संभावित मेयर चेहरों को लेकर सियासी अटकलें तेज हो गई हैं। मौजूदा टिकट सूची और राजनीतिक समीकरणों को देखें तो सुनील कोठारी, ज्योति खंडेलवाल, विमल अग्रवाल, सुभाष सिंघी, विमल कटियार, शैलेंद्र भार्गव और प्रतिभा शर्मा के नाम प्रमुखता से चर्चा में हैं। हालांकि "मेयर" का चेहरा कौन होगा, यह पूरी तरह चुनाव परिणाम, भाजपा के बोर्ड बनाने की स्थिति, पार्षदों के समर्थन, संगठन की पसंद और सामाजिक समीकरणों पर निर्भर करेगा।

सुनील कोठारी : संगठन और संघ से मजबूत जुड़ाव

वार्ड 112 से भाजपा प्रत्याशी सुनील कोठारी को मेयर पद की दौड़ में मजबूत चेहरों में माना जा रहा है। कोठारी का संगठन और संघ से पुराना जुड़ाव रहा है।

वे पूर्व में जयपुर जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। संगठन में अनुभव और राजनीतिक सक्रियता के चलते उनका नाम संभावित मेयर चेहरों की चर्चा में सबसे आगे बताया जा रहा है।

ज्योति खंडेलवाल : पूर्व महापौर का अनुभव

वार्ड 110 से प्रत्याशी ज्योति खंडेलवाल पहले जयपुर की महापौर रह चुकी हैं। ऐसे में उनके पास नगर निगम चलाने का प्रत्यक्ष अनुभव है।

कांग्रेस से भाजपा में आने के बाद पार्टी ने उन्हें टिकट दिया है। यदि वे चुनाव जीतती हैं तो पूर्व महापौर का अनुभव और नगर निगम की कार्यप्रणाली की समझ उनके पक्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यही वजह है कि उनका नाम भी मेयर पद की संभावित दौड़ में प्रमुखता से लिया जा रहा है।

विमल अग्रवाल : निगम और संगठन दोनों का अनुभव

वार्ड 135 से प्रत्याशी विमल अग्रवाल भी मेयर पद के संभावित दावेदारों में शामिल हैं। वे पूर्व पार्षद रह चुके हैं और जयपुर शहर भाजपा में पूर्व जिला महामंत्री की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। यानी उनके पास नगर निकाय के साथ-साथ संगठन का भी अनुभव है। यदि वे चुनाव जीतते हैं तो यह अनुभव उनके पक्ष में जा सकता है।

सुभाष सिंघी : व्यापारिक वर्ग और संगठन का समीकरण

वार्ड 98 से भाजपा प्रत्याशी सुभाष सिंघी आर्थिक प्रकोष्ठ से जुड़े रहे हैं और व्यवसायिक क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं। ऐसे में उनका नाम व्यापारिक वर्ग और संगठन के बीच संतुलन बनाने वाले चेहरे के तौर पर चर्चा में है। हालांकि मेयर की दौड़ में उनकी स्थिति चुनाव परिणाम के बाद बनने वाले राजनीतिक समीकरणों से तय होगी।

■ हालांकि इन प्रत्याशियों की पार्षद पद की जीत के बाद ही सामाजिक समीकरण और राजनैतिक अनुभव निभाएंगे अहम भूमिका

विमल कटियार : प्रदेश संगठन में सक्रिय भूमिका

वार्ड 35 से भाजपा प्रत्याशी विमल कटियार प्रदेश संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं और प्रदेश मीडिया संयोजक की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। वे विधानसभा चुनाव में भी दावेदारी कर चुके हैं। प्रदेश स्तर पर संगठन में सक्रियता और राजनीतिक पहचान के चलते उन्हें भी संभावित नेतृत्व के चेहरों में गिना जा रहा है।

शैलेंद्र भार्गव : पूर्व जिलाध्यक्ष होने का फायदा

वार्ड 43 से प्रत्याशी शैलेंद्र भार्गव भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। संगठन में लंबे समय तक काम करने के साथ विधानसभा चुनाव में टिकट के दावेदार भी रहे हैं। ऐसे में उनका राजनीतिक कद और संगठनात्मक अनुभव उन्हें मेयर पद की संभावित दौड़ में बनाए रखता है।

प्रतिभा शर्मा : सीएम के मीडिया कोऑर्डिनेटर की पत्नी होने से चर्चा

वार्ड 87 से भाजपा प्रत्याशी प्रतिभा शर्मा भी मेयर पद की संभावित चर्चा में नया नाम बनकर सामने आई हैं। प्रतिभा शर्मा मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर आनंद शर्मा की पत्नी हैं। टिकट मिलने के बाद उनका नाम भी राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि मेयर पद की दौड़ में उनकी वास्तविक स्थिति चुनाव जीतने और इसके बाद बनने वाले राजनीतिक समीकरणों पर ही निर्भर करेगी।

पार्षद जीत के बाद मेयर का समीकरण साधना चुनौती

भाजपा के सामने फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती जयपुर में मजबूत बोर्ड बनाने की है। मेयर पद की दावेदारी कर रहे सभी चेहरों के लिए पहले अपने-अपने वार्ड में जीत हासिल करना जरूरी होगा। इसके बाद पार्टी नेतृत्व संगठनात्मक अनुभव, नगर निगम का अनुभव, सामाजिक और जातीय समीकरण, वरिष्ठता, राजनीतिक स्वीकार्यता और पार्षदों के बीच समर्थन जैसे पहलुओं को ध्यान में रखकर अंतिम फैसला कर सकता है। ऐसे में अभी किसी एक नाम को मेयर का सबसे मजबूत दावेदार मानना जल्दबाजी होगी, लेकिन भाजपा की सूची सामने आने के बाद मेयर की कुर्सी के लिए आधा दर्जन से अधिक चेहरों की चर्चा ने जयपुर की सियासत को चुनाव परिणाम से पहले ही गर्म कर दिया है।

रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना में बढ़ा निवेशकों का रुझान

■ 13वें चरण में 242 भूखण्डों के लिये 954 आवेदन प्राप्त

जयपुर। राजस्थान में औद्योगिक निवेश को गति देने और देश-विदेश के निवेशकों को आकर्षित करने की दिशा में रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 लगातार सफलता के नए आयाम स्थापित कर रही है। योजना के 13वें चरण में निवेशकों का उत्साह एक बार फिर देखने को मिला है। रीको को 242 भूखण्डों के लिए 954 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो राज्य में औद्योगिक निवेश के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। इन भूखण्डों का कुल क्षेत्रफल लगभग 152 एकड़ है तथा इनका अनुमानित मूल्य करीब 311 करोड़ रुपये है। जिन भूखण्डों पर एक से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, उनके आवंटन के लिए 1 सितंबर 2026 को ई-लॉटरी आयोजित की जाएगी।

इस चरण में जयपुर के श्रीराम जानकी औद्योगिक क्षेत्र, कुंजबिहारीपुरा के 32 भूखण्डों के लिये सर्वाधिक 659 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त औद्योगिक क्षेत्र शिव (बालोतरा) के लिए 10 आवेदन, धुनवाला (भीलवाड़ा) के लिए 15 आवेदन, फतेहपुरा-समेलिया (भीलवाड़ा) के लिए 12 आवेदन, बोरानाडा एक्सटेंशन (बोरानाडा) के लिए 27 आवेदन तथा औद्योगिक क्षेत्र चतालिया (मंडौर) के लिए 13 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रत्यक्ष आवंटन योजना के अब तक 12 चरण सफलतापूर्वक संपन्न हो चुके हैं। इन चरणों में 2147 औद्योगिक भूखण्डों का आवंटन किया जा चुका है, जिनके माध्यम से प्रदेश में 20,500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश तथा 42 हजार से अधिक लोगों के लिए रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसके अलावा 400 से अधिक भूखण्डों का आवंटन वर्तमान में प्रक्रियाधीन है, जिनसे 1600 करोड़ रुपये से अधिक के अतिरिक्त निवेश की संभावना है। ज्ञात रहे कि राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत एमओयू निष्पादित करने वाले निवेशकों को प्रत्यक्ष आवंटन योजना के माध्यम से भूखण्ड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी दिशा में रीको निरंतर प्रभावी एवं निवेशक-अनुकूल पहल करते हुए काम कर रहा है। प्रत्यक्ष आवंटन योजना को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया राज्य में औद्योगिक निवेश को नई गति दे रही है और नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के माध्यम से रोजगार सृजन एवं प्रदेश के आर्थिक विकास को सुदृढ़ आधार मिल रहा है।

पतंजलि ने 'वेलनेस' मॉडल से किया 1.38 करोड़ मरीजों का उपचार

■ इनमें 88 देशों के 45 हजार से अधिक विदेशी मरीज भी शामिल

हरिद्वार। योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा आधारित पतंजलि के 'वेलनेस मॉडल' पर देश-दुनिया का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। पतंजलि के अनुसार, अब तक 1.38 करोड़ से अधिक मरीजों का उपचार किया जा चुका है, जिनमें 88 देशों के 45 हजार से अधिक विदेशी मरीज शामिल हैं। यूरोप, मध्य-पूर्व, दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका सहित विभिन्न क्षेत्रों से मरीज उपचार के लिए पहुंचे हैं।

पतंजलि ने अब 'इंटीग्रेटेड हेल्थ मॉडल' की दिशा में कदम बढ़ाया है। उपचार कराने वाले मरीजों का डिजिटल मेडिकल रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। संस्थान के नेटवर्क में 5000 से अधिक डॉक्टर, 500 से अधिक वैज्ञानिक और 10 लाख से अधिक योग स्वयंसेवक जुड़े है।

आंकड़ों के अनुसार कुल मरीजों में 57 प्रतिशत पुरुष और 43 प्रतिशत महिलाएं हैं, जबकि 46 प्रतिशत मरीज 50 वर्ष से अधिक आयु के हैं। पतंजलि संस्थान में प्रतिदिन 15 हजार नि:शुल्क ओपीडी, अब तक 1 लाख से अधिक निशुल्क योग कक्षाएं और 500 से अधिक शोध पत्र तैयार किए जाने का दावा किया गया है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, गुजरात, हरियाणा और महाराष्ट्र से बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पतंजलि का लक्ष्य साक्ष्य आधारित आयुर्वेद को वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था की मुख्यधारा में स्थापित करना है। डिजिटल मेडिकल रिकॉर्ड, अनुसंधान और आधुनिक तकनीक के समन्वय से समग्र स्वास्थ्य मॉडल विकसित किया जा रहा है। स्वामी रामदेव ने कहा कि योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, संतुलित आहार और वैज्ञानिक उपवास आधारित जीवनशैली लोगों के लिए स्वास्थ्य और नई आशा का माध्यम बन रही है। योग, आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को एकीकृत कर भारत को विश्व का प्रमुख हेल्थ एवं वेलनेस डेस्टिनेशन बनाने में पतंजलि अग्रणी भूमिका निभाएगा।

टिकट विवाद के बीच मंत्री खर्रा और विधायक गोपाल शर्मा की तबीयत बिगड़ी

■ यूडीएच मंत्री खर्रा फिलहाल सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती है

जयपुर। राजस्थान के यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा की सोमवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि चेस्ट में इंफेक्शन की शिकायत के बाद उन्हें दोपहर डेढ बजे एसएमएस अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मेडिकल आईसीयू में ऑब्जर्वेशन पर रखा है। अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार सोमवार को मंत्री खर्रा के निवास पर अचानक उनकी तबीयत खराब हुई। उन्हें बुखार, खांसी और सांस लेने में हल्की तकलीफ की शिकायत थी। इसके बाद परिजन और स्टाफ उन्हें एसएमएस अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद उन्हें मेडिकल आईसीयू में निगरानी में रखने का निर्णय लिया। इधर सिविल लाइन्स से भाजपा विधायक गोपाल शर्मा की भी रविवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद परिजन और स्टाफ उन्हें जयपुर के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उन्हें भर्ती कर लिया गया। डॉक्टरों ने करीब 4-5 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी। गौरतलब है कि सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम चुनाव के टिकट वितरण को लेकर हुए विवाद के बाद विधायक शर्मा की तबीयत बिगड़ने की बात सामने आई है। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक चिकित्सकीय पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल विधायक को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है, जबकि मंत्री खर्रा एसएमएस अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में हैं।

झुंझुनूं में कथित अवैध पत्थर खनन और ब्लास्टिंग पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने संज्ञान लिया

झुंझुनूं/जयपुर। झुंझुनूं जिले की खेतड़ी तहसील के संजय नगर गांव में कृषि भूमि के पास कथित अवैध पत्थर खनन और भारी ब्लास्टिंग के मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने संज्ञान लिया है। मामले की सुनवाई केंद्रीय क्षेत्रीय पीठ, भोपाल में न्यायमूर्ति श्यो कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने की।

आवेदन में आरोप लगाया गया है कि पैतृक कृषि भूमि के समीप आवश्यक खनन पट्टों के बिना पत्थर खनन किया जा रहा है। आवेदन में करीब 500 से 700 फीट की गहराई तक भारी ब्लास्टिंग किए जाने का भी आरोप है।

आवेदक ने दावा किया है कि ब्लास्टिंग से उछले पत्थर खेत के साथ करीब एक किलोमीटर दूर स्थित मकान तक पहुंच रहे हैं। आवेदन में कंपन से फसल और संपत्ति को नुकसान, प्रदूषण से पर्यावरणीय क्षित तथा स्वास्थ्य संबंधी खतरे के आरोप भी लगाए गए हैं। संबंधित अधिकारियों से शिकायत के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने का भी दावा किया गया है।

चार विभागों को नोटिस दिया है, समिति करेगी जांच

एनजीटी ने मामले में जिला कलेक्टर झुंझुनूं, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, राजस्थान और निदेशक खान एवं भू-विज्ञान विभाग को प्रतिवादी बनाया है। अधिकरण ने मौके का निरीक्षण कर छह सप्ताह के भीतर तथ्यात्मक और की गई कार्रवाई संबंधी रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। प्रदूषण नियंत्रण मंडल को समिति के समन्वय एवं लॉजिस्टिक सहयोग की जिम्मेदारी दी गई है।

नामांकन के आखिरी दिन भाजपा-कांग्रेस में भागदौड़, बागियों ने भी ठोकी ताल

जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों से नामांकन भरने अंतिम दिन उमड़ी प्रत्याशियों की भीड़

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगर निगम जयपुर के 150 वार्डों में पार्षद चुनाव के लिए सोमवार को नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन रहा। भाजपा और कांग्रेस ने कई वार्डों में अंतिम समय तक प्रत्याशियों के नाम घोषित किए, जिसके चलते प्रत्याशियों को सिंबल लेकर नामांकन केंद्रों तक पहुंचने के लिए काफी भागदौड़ करनी पड़ी। शहर में बनाए गए 15 नामांकन प्राप्ति केंद्रों पर दिनभर प्रत्याशियों और समर्थकों की भीड़ रही। कुछ प्रत्याशियों को पार्टी के सिंबल नामांकन स्थल पर ही पहुंचाए गए, जबकि कई प्रत्याशी अंतिम समय में केंद्रों पर पहुंचे।

टिकट नहीं मिलने से नाराज कई दावेदारों ने पार्टी से बगावत करते हुए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर दिया। इससे कई वार्डों में भाजपा और कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों के सामने बागियों की चुनौती भी खड़ी हो गई है।

जयपुर नगर निगम में पार्षद उम्मीदवारों ने समर्थकों के साथ पहुंचकर नामांकन दाखिल किया।

टिकट कटने पर कांग्रेस कार्यकर्ता ने खोला मोर्चा

कांग्रेस कार्यकर्ता अजहरुद्दीन ने वार्ड 103 से बागी प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया। उन्होंने कहा कि वह पूर्व में पार्षद रह चुके हैं, लेकिन इस बार कांग्रेस ने टिकट रिपीट नहीं करने का हवाला देकर उनका टिकट काट दिया, जबकि कई अन्य पार्षदों को दोबारा मौका दिया गया। अजहरुद्दीन ने आरोप लगाया कि कुसुम यादव प्रकरण के दौरान उन्होंने कांग्रेस के कहने पर भाजपा का बोर्ड गिराने से इनकार किया था, इसी वजह से उनका टिकट काटा गया। उन्होंने प्रताप सिंह खाचरियावास पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए कहा कि वे कांग्रेस को अपनी जागीर समझते हैं। उन्होंने आलाकमान से मामले में हस्तक्षेप की मांग की।

नामांकन के दौरान वार्ड 101 में भाजपा के सिंबल को लेकर भी विवाद सामने आया। भाजपा की सूची में केवल 'रवि शंकर शर्मा' नाम होने से इसी नाम के दो दावेदार अपना हक जताते हुए जिला परिषद स्थित नामांकन केंद्र पहुंच गए। दोनों के समर्थकों के बीच रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष के बाहर और भीतर तीखी बहस और नोकझोंक हुई। सुभाष नगर निवासी भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष रवि शंकर शर्मा ने सिंबल के साथ अपना नामांकन दाखिल किया। उन्होंने बताया कि सूची में पिता का नाम नहीं होने से भ्रम की स्थिति बनी थी, जो अब दूर हो गई है। उनके आधिकारिक सिंबल पर पिता का नाम छगनलाल दर्ज है। वहीं संजय कॉलोनी निवासी दूसरे रवि शंकर शर्मा ने दूसरे पक्ष पर सिंबल हड़पने का आरोप लगाया।

रिटर्निंग अधिकारी खुशबू शर्मा ने बताया कि सिंबल कई वकीलों के माध्यम से भी जमा कराए गए हैं। फिलहाल मामले को होल्ड पर रखा गया है। मंगलवार को नामांकन पत्रों की जांच के बाद ही वास्तविक दावेदार के संबंध में अंतिम निर्णय होगा।

■ सिंबल को लेकर वार्ड 101 में आमने-सामने आए एक नाम के दो दावेदार

युवा चेहरे को भी मौका

सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 101 से कांग्रेस ने युवा चेहरे दुर्गेश शर्मा को प्रत्याशी बनाया है। उन्होंने जिला परिषद स्थित नामांकन केंद्र पर सिंबल जमा कराया। टिकट मिलने पर कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास का आभार जताते हुए उन्होंने कहा कि वार्ड में सड़क, कचरा और सीवरेज की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता रहेगा। दोनों दलों ने कई वार्डों में महिला प्रत्याशियों को भी मैदान में उतारा है। इसके चलते नामांकन केंद्रों पर महिला प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की भी बड़ी संख्या में मौजूदगी रही।

कलेक्टर ने लिया जायजा

नामांकन के अंतिम दिन जयपुर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने विभिन्न नामांकन केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि अंतिम दिन भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई हैं। 1 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। इसके बाद नाम वापसी और चुनाव चिह्न आवंटन की प्रक्रिया होगी।

आईओसीएल की पाइपलाइन से क्रूड ऑयल चुराने वाला बदमाश गिरफ्तार

■ 36 टैंकर तेल चोरी करने वाले गिरोह का गिरफ्तार सदस्य 9 दिन के रिमांड पर

■ पुलिस अब तक इस मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की भूमिगत सलाया-मथुरा पाइपलाइन (एसएमपीएल-24) में अवैध वाल्व लगाकर करीब 8 लाख लीटर यानी 36 टैंकर ज्वलनशील क्रूड ऑयल चोरी करने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले का निवासी रविन्द्र धारी यादव (60) है। वह वर्तमान में गुजरात के भरूच में रह रहा था। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 9 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

एडीजी एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि मार्च-अप्रैल 2025 के दौरान ब्यावर जिले की मसूदा तहसील के नासून गांव में चरागाह भूमि से गुजर रही आईओसीएल की भूमिगत पाइपलाइन को निशाना बनाया गया। आरोपियों ने पाइपलाइन में अवैध रूप से वाल्व लगाया और लोहे व हाइड्रोलिक प्लास्टिक पाइप को फ्लैन्ज के जरिए जोड़ दिया। इसके बाद करीब 285 मीटर लंबी नाली खोदकर पाइपलाइन दबाई गई, जिसके जरिए बड़ी मात्रा में क्रूड ऑयल निकालकर चोरी किया गया। इस तरह आरोपियों ने करीब 8 लाख लीटर ज्वलनशील क्रूड ऑयल, जिसकी मात्रा लगभग 36 टैंकर के बराबर थी, चोरी कर लिया। मामले में आईओसीएल ब्यावर के सहायक प्रबंधक संजय कुमार सेन की रिपोर्ट पर एसओजी थाने में प्रकरण दर्ज किया गया था।इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एसओजी ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई और एसओजी की गठित टीम ने घटनास्थल से एफएसएल, साइबर, फुटप्रिंट और फिंगरप्रिंट साक्ष्य जुटाए।जांच के दौरान संदिग्ध मोबाइल नंबरों के बीटीएस डेटा और सीडीआर का विश्लेषण किया गया। संदिग्धों से पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों को आपस में जोड़ने पर रविन्द्र धारी यादव की भूमिका सामने आई। इसके बाद एसओजी टीम ने उसकी तलाश शुरू की और उसे गुजरात के भरूच से गिरफ्तार कर लिया।एसओजी अधिकारियों के अनुसार, करोड़ों रुपए के इस बड़े क्रूड ऑयल चोरी प्रकरण में कार्रवाई करते हुए अब तक कुल 10 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अब रिमांड पर लिए गए रविन्द्र धारी यादव से गिरोह की कार्यप्रणाली, चोरी किए गए क्रूड ऑयल की खपत और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है।

एसओजी का कहना है कि पूछताछ के दौरान सामने आने वाली जानकारियों के आधार पर मामले में शामिल अन्य वांछित और संदिग्ध आरोपियों की तलाश की जा रही है।

द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बैठाने वाला आरोपी गिरफ्तार

आरपीएससी की काउंसलिंग में बुलाए जाने पर शक हुआ था

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की ओर से वर्ष 2022 में आयोजित द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा में अपने स्थान पर डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा दिलवाने के मामले में सिविल लाइन थाना पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नरेंद्र कुमार देवासी निवासी सांचौर, जिला जालौर के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ आरपीएससी की ओर से सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज करवाया गया था। पुलिस तभी से उसकी तलाश में जुटी हुई थी।

पुलिस के अनुसार वर्ष 2022 में आरपीएससी की ओर से द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा आयोजित करवाई गई थी। आरोप है कि सांचौर निवासी नरेंद्र कुमार देवासी ने परीक्षा में स्वयं उपस्थित होने के बजाय अपने स्थान पर एक अन्य व्यक्ति को डमी अभ्यर्थी के रूप में बैठा दिया था। डमी अभ्यर्थी ने आरोपी के स्थान पर परीक्षा दी थी। परीक्षा प्रक्रिया के दौरान मामला आरपीएससी के संज्ञान में आया और आयोग ने आगे की कार्रवाई शुरू की।

बताया जा रहा है कि परीक्षा के बाद आरपीएससी की ओर से आरोपी

- **पूछताछ के डर से नहीं पहुंचा था आरोपी, पुलिस ने तलाश के बाद फरार आरोपी को दबोचा**

नरेंद्र कुमार देवासी को काउंसलिंग के लिए बुलाया गया था। काउंसलिंग में बुलाए जाने के बाद आरोपी को अपने खिलाफ कार्रवाई होने का शक हो गया। इसके चलते वह काउंसलिंग में उपस्थित नहीं हुआ। बाद में मामले की जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आरपीएससी की ओर से सिविल लाइन थाने में आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया गया। मामला दर्ज होने के बाद सिविल लाइन थाना पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। आरोपी के लगातार फरार रहने के कारण पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज किए। पुलिस की ओर से आरोपी पर इनाम भी घोषित किया गया था। इसके बावजूद आरोपी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था।

पुलिस टीम को आरोपी के संबंध में जानकारी मिलने के बाद उसकी तलाश की गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी नरेंद्र कुमार देवासी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में डमी अभ्यर्थी के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आने की संभावना है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने अपने स्थान पर डमी अभ्यर्थी को किस तरह परीक्षा में बैठाया और इस पूरी प्रक्रिया में उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं। मामले में पुलिस की जांच आगे जारी है।

57 किलो डोडा-पोस्त के साथ एक गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की बनाड़ पुलिस ने महादेव नगर खोखरिया गांव में संदिग्ध युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से 57.5 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त के साथ 3150 रूपए बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर जांच आरंभ की गई है। उससे अवैध डोडा-पोस्त को लेकर पूछताछ की जा रही है।

बनाड़ थानाधिकारी सुरेश चौधरी के अनुसार वे रविवार को गश्त पर थे। तब महादेव नगर खोखरिया गांव में एक संदिग्ध युवक को पकड़ा गया। उसके पास से 57 किलो 500 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त और 3150 रूपए मिले। युवक जाजीवाल विश्नोईयान बनाड़ निवासी हनुमानराम को गिरफ्तार कर लिया गया। उससे अवैध डोडा-पोस्त को लेकर पड़ताल की जा रही है। अग्रिम जांच करवड़ थानाधिकारी परमेश्वरी की तरफ से की जा रही है।

बी.एड. छात्रा ने खुदकुशी की, तीन दिन बाद शव मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के पंचवटी इलाके में रहने वाली एक कॉलेज छात्रा द्वारा अपने ही मकान में फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान संडास निवासी कृष्णा बैरवा के रूप में हुई है, जो महिला आश्रम से बी.एड. की पढ़ाई कर रही थी और पंचवटी स्थित मकान में अकेली रह रही थी। उसके पिता नारायणलाल पेशे से शिक्षक हैं।

कोतवाली थानापुलिस ने बताया कि मृतका के परिजन पिछले तीन दिनों से उसे लगातार फोन कर रहे थे, लेकिन कृष्णा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही थी। अनहोनी की आशंका होने पर परिजनों ने पास में रहने वाले एक पड़ोसी को घर जाकर पता करने को कहा। पड़ोसी जब वहां पहुंचा तो मकान अंदर से बंद था और भीतर से तेज दुर्गंध आ रही थी। पड़ोसी की सूचना पर परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे। मकान का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद होने के कारण उसे किसी तरह खोलकर लोग अंदर दाखिल

- **परिजन तीन दिनों से फोन कर रहे थे, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही थी, अनहोनी की आशंका होने पर परिजनों ने एक पड़ोसी को घर जाकर पता करने को कहा**

हुए। कमरे का नजारा देखते ही परिजनों के होश उड़ गए-कृष्णा फंदे से लटकी हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। फिलहाल मौके से ऐसा कोई सुसाइड नोट या साक्ष्य नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सके।

डूंगरपुर में तारबंदी में फंसने से लैपर्ड की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के आंतरी वन क्षेत्र के विराट गांव में खेत की तारबंदी में फंसने से एक मादा लैपर्ड की मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक लैपर्ड दम तोड़ चुका था।

जानकारी के अनुसार रविवार को डेढ साल की मादा लैपर्ड खेत में लगी तार फेसिंग में बुरी तरह उलझ गई। बाहर निकलने के लिए उसने काफी देर तक संघर्ष किया,लेकिन सफल नहीं हो पाई। ग्रामीणों ने जब लैपर्ड को फंसा देखा तो तत्काल वन विभाग को इसकी सूचना दी।

आंतरी वन अधिकारी तेजसिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से लैपर्ड को तारों से बाहर निकाला। हालांकि, उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इसके बाद लैपर्ड के शव को दोवडा वन कार्यालय लाया गया, जहां वन विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में डॉक्टरों की टीम ने उसका पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मृत मादा लैपर्ड की उम्र करीब डेढ़ वर्ष थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तारबंदी में फंसने के बाद लैपर्ड काफी देर तक बाहर निकलने का प्रयास करता रहा। इस दौरान पानी नहीं मिल पाने से डिहाइड्रेशन की स्थिति बनने की आशंका है। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। वन क्षेत्र से सटे खेतों में लगाई जाने वाली तारबंदी वन्यजीवों के लिए खतरा बनती जा रही है।

हत्या के मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। थाना बरोनी द्वारा हत्या के प्रकरण में त्वरित प्रभावी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में बरोनी थानाधिकारी जयमल सिहं के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई हैं। बरोनी थानाधिकारी ने बताया कि गत 26 अगस्त को ग्राम पंचायत डारडा तुर्की के मोहल्ले ग्राम पीतावास में साफ-सफाई के दौरान हुए विवाद में आरोपी राजाराम पुत्र श्रवण, मनमोहन पुत्र राजाराम गुर्जर, मुकेश पुत्र नेहनू, राजेश पुत्र श्रवण, खुशीराम पुत्र श्रवण गुर्जर, पाना पत्नि राजाराम, धोली पत्नि राजेश, निरु पत्नि खुशीराम ने मारने की नियत से महावीर के घर में घुस कर उसकी हत्या का प्रयास किया। इस दौरान आरोपियों ने कुल्हाड़ी, सरिया, लकड़ियां से महावीर व उसके परिवारजनों को जान से मारने की नियत से मारपीट की।

बीकानेर में दो सड़क-हादसों में युवक और शिक्षक की मौत

बीकानेर, (निसं)। जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए दो सड़क हादसों में एक युवक और सरकारी शिक्षक की मौत हो गई। पहला हादसा श्रीडूंगरगढ़ के जोधासर गांव के पास नेशनल हाइवे पर हुआ, जहां कार और ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत में कार सवार युवक की मौत हो गई। वहीं दूसरा हादसा बज्जू थाना क्षेत्र में हुआ, जहां बाइक सवार शिक्षक गंभीर घायल हो गए और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

श्रीडूंगरगढ़ में जोधासर गांव के पास रविवार रात करीब 11 बजे कार और ट्रक की भिड़ंत हुई। श्रीडूंगरगढ़ की ओर से बीकानेर जा रहा ट्रक और सामने से आ रही कार आमने-सामने टकरा गए। हादसे की सूचना मिलने पर टोल प्लाजा की एंबुलेंस मौके पर पहुंची।

- **कार-ट्रक की भिड़ंत में युवक ने दम तोड़ा, बाइक हादसे में शिक्षक की जान गई**

एंबुलेंस से कार सवार रायसिंहनगर निवासी और वर्तमान में लखासर निवासी संदीप पुत्र किशनलाल को उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर श्रीडूंगरगढ़ पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया और मृतक के परिजनों को सूचना दी।

दूसरा हादसा बज्जू थाना क्षेत्र में हुआ। यहां बाइक पर सवार दो लोग सड़क हादसे का शिकार हो गए। दुर्घटना में एक व्यक्ति मामूली घायल हुआ, जबकि बाइक सवार शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को इलाज के लिए बज्जू लाया गया। गंभीर हालत को देखते हुए शिक्षक को बीकानेर रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले शिक्षक राजकीय स्कूल में अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। हादसे की सूचना के बाद बज्जू थाने के एएसआई नेमाराम पीबीएम अस्पताल पहुंचे और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम के बाद शिक्षक का शव उनके पैतृक गांव गौडू ले जाया जाएगा। पुलिस ने दोनों हादसों को लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग वृत अलवर

सा.नि.वि, परिसर, अशोका टाकीज के पास, कचहरी रोड, अलवर

फोनः- 0144-2737038, E-mail:-sealw.pwd@rajasthan.gov.in

क्रमांक-RajKaj Ref No.: 24187528 दिनांक 21.08.2026

Short Term NIT No 12/2026-27

Construction of Various Missing Link / Non-Patchable Roads under the Jurisdiction of PWD Divisions Alwar and Atal path at jurisdiction of PWD Div Kathumar, District Alwar Online bids are invited from eligible and interested bidders for the above-mentioned works. The bidding process will commence from 22.08.2026 at 02:00 PM up to 01.09.2026 at 06:00 PM. Detailed bidding documents and other particulars may be downloaded from the State Procurement Portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in, and the PWD departmental website http://pwd.rajasthan.gov.in.

The approximate value of the procurements is 872.06 Lakhs.

UBN No:-

1. PWD2627WSOB11432
2. PWD2627WSOB11433
3. PWD2627WSOB11434
4. PWD2627WSOB11435
5. PWD2627WSOB11431

-:E-Sign:-

Superintending Engineer

PWD Circle Alwar

DIPR/C/15483/2026

जोधपुर में अलग-अलग सड़क हादसों में दो की मौत

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के अलग-अलग थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। संबंधित थाना पुलिस ने कार्रवाई कर शव उनके परिजन को सुपुर्द किए।

मथानिया पुलिस ने बताया कि मेघवालों का बास डांवरा खेड़ापा निवासी देवाराम पुत्र पराराम मेघवाल की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका भाई जितेंद्र उर्फ जीतू अपने परिचित अनिल के साथ बाइक पर बैठकर बिजारियां बावड़ी से निकल रहा था। तब सामने आवारा पशु संभवतः सांड आ गया और बाइक उससे टकरा गई। हादसे में पीछे बैठा उसका भाई नीचे गिर गया। बाद में उसे अस्पताल ले जाया गया। मगर उसकी मौत हो गई। देवाराम ने बाइक चालक अनिल पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी। पुलिस ने शव को कार्रवाई के अग्रिम जांच आरंभ की है।

वहीं राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि लोरडी देजगरा निवासी विजय पुत्र प्रतापराम जाट ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसका भाई बाइक लेकर रॉयल्टी नाका केरू से निकल रहा था। तब एक अन्य बाइक चालक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में उसका भाई घायल हो गया, जिसकी अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। बाइक नंबर के आधार पर अब जांच आरंभ की गई है।

रेलवे पुलिस चौकी का आरक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

रेलवे सामान चोरी के मामले में परिवादी को आरोपी नहीं बनाने की एवज में एक लाख रिश्वत मांगी थी

जयपुर/सवाई माधोपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) सवाई माधोपुर इकाई ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए रेलवे पुलिस चौकी लाखेरी रेलवे पुलिस थाना सवाई माधोपुर में पदस्थापित आरक्षक मोहम्मद नदीम कुरेशी को 70 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। आरोपी ने रेलवे सामान चोरी के मामले में परिवादी को आरोपी नहीं बनाने की एवज में एक लाख रुपए रिश्वत की मांग की थी।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी सवाई माधोपुर को परिवादी ने शिकायत दी थी कि रेलवे पुलिस चौकी लाखेरी में रेलवे सामान चोरी के प्रकरण में उसे आरोपी नहीं

गिरफ्तार आरोपी।

बनाने का दबाव बनाकर आरक्षक मोहम्मद नदीम कुरेशी रिश्वत के लिए परेशान कर रहा है। परिवादी ने आरोपी को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़वाने के लिए एसीबी से संपर्क किया। शिकायत के बाद 25 अगस्त को रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन कराया गया। सत्यापन के दौरान आरोपी ने रेलवे स्टेशन सवाई माधोपुर पर पेशी के दौरान परिवादी को मामले में आरोपी नहीं बनाने की एवज में रिश्वत मांगी। परिवादी के अनुरोध पर आरोपी पहले 80 हजार रुपए और बाद में 70 हजार रुपए लेने पर सहमत हो गया। सोमवार को आरोपी ने परिवादी से संपर्क कर उसके घर पर रिश्वत की राशि लेने आने की बात कही। इसके बाद एसीबी टीम ने ट्रैप कार्रवाई आयोजित की। आरोपी जैसे ही परिवादी से 70 हजार रुपए रिश्वत राशि लेते हुए पकड़ा गया, टीम ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। रिश्वत की राशि भी बरामद कर ली गई।

Rajasthan Water Grid Corporation Limited

(Formerly known as "Eastern Rajasthan Canal Project Corporation Limited")

Sinchai Bhawan, JLN Marg, Jaipur 302017, Tel: 0141-2700669 Email: ceercpc@gmail.com

No. :- 5965 Date :- 27/08/2026

NIB No. RWGCL/17/2026-27

Corrigendum – 01

Name of Work : - Supply and Installation of the Bentley Openflows Water ultimate perpetual license software with 3 years AMC.

Sr. No.	Reference /Clause No. Page Number Of Bid Document	As Read	Amended
1	Document Download End Date	31.08.2026 at 6:00 PM	07.09.2026 at 6:00 PM
2	Tender Submission End Date	31.08.2026 at 6:00 PM	07.09.2026 at 6:00 PM
3	Physical submission of Tender fee, Processing fee, and Bid Security in the Office of the MD RWGCL, Sinchai Bhawan Jaipur	01.09.2026 at 2:00 PM	08.09.2026 at 2:00 PM
4	Date of opening of Technical bid	01.09.2026 at 03:00 PM	08.09.2026 at 03:00 PM

Note :- All other terms and condition remain same.

NIB Code : ERP2627A0024

UBN No. : ERP2627GLOB00024

Managing Director

RWGCL Jaipur

Raj.Samwad/C/26/10480

बीकानेर में 11 नकबजनी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्त में

पुलिस ने 25 लाख का सोना-चांदी बरामद किया

बीकानेर, (निसं)। गंगाशहर थाना पुलिस ने शहर में लगातार हो रही चोरी और नकबजनी की वारदातों का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने पूछताछ में शहर में करीब 11 नकबजनी की वारदातें करना स्वीकार किया है। आरोपियों के कब्जे से अब तक करीब 25 लाख रुपए का सोना-चांदी बरामद किया गया है।

पुलिस ने जगदीश कुमार लखेसर, राहुल नायक और संजय कुमार सोनी को गिरफ्तार किया है। मामला 29 जुलाई को सुजानदेसर निवासी रेणु गहलोत के घर में हुई चोरी से जुड़ा है। रेणु गहलोत के घर से बाहर जाने के बाद अज्ञात चोर रात में ताला काटकर अंदर घुसे थे। चोर घर से सोने-चांदी के गहने चोरी कर ले गए थे। घटना के बाद पुलिस ने मामला

- **आरोपी दिन के समय शहर में बंद मकानों की रेकी करते थे, वे ऐसे मकानों को निशाना बनाते थे**

दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस जांच और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपियों तक पहुंची। पूछताछ में मुख्य आरोपी जगदीश कुमार लखेसर और राहुल नायक ने अपने साथी अनिल कुमार ब्राह्मण के साथ मिलकर शहर में करीब 11 नकबजनी की वारदातें करना स्वीकार किया। चोरी का सोना-चांदी खरीदने और उसका स्वरूप बदलने वाले संजय कुमार सोनी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी दिन के समय शहर में बंद मकानों की रेकी करते थे। वे ऐसे मकानों को निशाना बनाते थे, जिनके बारे में उन्हें पता होता था कि वहां रात में कोई मौजूद नहीं है। इसके बाद रात में इलेक्ट्रॉनिक कटर मशीन से मकान, दरवाजे और अलमारियों के ताले काटकर अंदर घुसते थे। आरोपी घर से सोना-चांदी और नकदी चोरी कर ले जाते थे।

पुलिस के अनुसार चोरी किए गए सोने-चांदी के गहनों का स्वरूप बदलने के लिए उन्हें सुनार को दिया जाता था। पुलिस ने इसी सिलसिले में चोरी का माल खरीदने और उसका स्वरूप बदलने वाले संजय कुमार सोनी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। उनसे शहर में हुई अन्य चोरी और नकबजनी की वारदातों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

भरतपुर की सुजान गंगा नहर में युवक ने छलांग लगाई, तलाश जारी

भरतपुर, (निसं)। मथुरा गेट थाना क्षेत्र में स्थित सुजान गंगा नहर में एक युवक के कूदने की सूचना से देर शाम हड़कंप मच गया। राहगीरों ने युवक को किले के गेट की ओर से भागते हुए आते और सुजान गंगा नहर में छलांग लगाते हुए देखा। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक की तलाश के लिए सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। देर रात तक दोनों टीमों ने नहर में युवक की तलाश के लिए सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, लेकिन युवक का कोई पता नहीं चल सका।

चौबुर्जा चौकी प्रभारी राकेश मान ने बताया कि रविवार शाम सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति सुजान गंगा नहर में कूद गया है। सूचना के बाद सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रात करीब 10 बजे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद सोमवार सुबह फिर से युवक की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया, जो लगातार जारी है। अभी तक नहर से कोई शव बरामद नहीं हुआ है। युवक की पहचान और घटना से जुड़ी अन्य जानकारी शव या युवक के मिलने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें सुजान गंगा नहर में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही हैं।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत श्रीगंगानगर

क्रमांकः- दिनांकः-

निविदा संशोधन आदेश

(NIB No. PWD2627A2018)

निविदा सूचना संख्या 04/2026-27 में निम्नानुसार इस कार्यालय की संशोधन किया जाता है :-

क्र.स.	विवरण	मूल निविदा में अंकित दिनांक	संशोधित दिनांक
1	निविदा प्रपत्र डाउनलोड/ अपलोड करने की दिनांक	दिनांक 10.08.2026 प्रातः 9.30 बजे से 27.08.2026 सांय 6.00 बजे तक	दिनांक 10.08.2026 प्रातः 9.30 बजे से 31.08.2026 सांय 06.00 बजे तक
2	निविदा खोलने की दिनांक	दिनांक 31.08.2026 सुबह 11.00 बजे	दिनांक 01.09.2026 सांय 03.00 बजे से

UBN No. -

PWD2627WSOB08774, PWD2627WSOB08802,PWD2627WSOB08804, PWD2627WSOB08808, PWD2627WSOB08815, PWD2627WSOB09002, PWD2627WSOB09004, PWD2627WSOB09005, PWD2627WSOB09007 PWD2627WSOB09008, PWD2627WSOB09009, PWD2627WSOB09011 PWD2627WSOB09012, PWD2627WSOB09013, PWD2627WSOB09014 PWD2627WSOB09015, PWD2627WSOB09016, PWD2627WSOB09017 PWD2627WSOB09018, PWD2627WSOB09020, PWD2627WSOB09021 PWD2627WSOB09023, PWD2627WSOB09025, PWD2627WSOB09026

निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

अधीक्षण अभियन्ता

सा.नि.वि. वृत

श्रीगंगानगर

DIPR/C/15480/2026

घर में सो रही पत्नी की पति ने हथौड़े से वार कर हत्या की, आरोपी हिरासत में

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती करवड़ स्थित उजलियां गांव में घर में सो रही पत्नी की पति ने हथौड़ा से वार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद पति फरार हो गया, जिसे बाद में पुलिस ने हिरासत में ले लिया। घटना 29 अगस्त रात की है। हत्या से पहले पति-पत्नी के बीच लड़ाई हुई थी। उससे एक दिन पहले मृतका ने अपने पीहर फोन कर राखी पर आने ने की बात की थी। पास खड़े पति ने जिंदा रहेगी तो जाएगी, जैसी बात की थी। करवड़ थाने में मृतका के भाई की तरफ से बहनोई के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और हत्या की रिपोर्ट दी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन को सुपुर्द किया।

करवड़ पुलिस ने बताया कि कारपड़ा स्थित हिंगाणिया निवासी महेंद्र

- **महिला ने रक्षाबंधन से एक दिन पहले मां से फोन पर बात की थी और राखी पर पीहर आने की बात कही थी**
- **पास खड़े पति ने जिंदा रहेगी तो जाएगी, जैसी बात की थी, करवड़ थाने में मृतका के भाई की तरफ से बहनोई के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और हत्या की रिपोर्ट दी है**

पुत्र देवाराम की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि उसकी बहन गुड्डी की शादी 15 साल पहले उजलियां करवड़ निवासी दिनेश पुत्र पप्पाराम के साथ की गई थी। शादी के बाद से ही उसका पति दहेज के लिए तंग और परेशान करता था। एक बार वह उसकी बहन को मारने के लिए तलवार लेकर पीछे भी दौड़ा था। तब गांव वालों ने बीच-बचाव कर छुड़ाया था। तब पुलिस में मामला दर्ज कराया गया था, जिस पर बाद में उसके बहनोई ने माफी मांगी और सामाजिक स्तर पर मामला सुलझाया गया था। रिपोर्ट के अनुसार रक्षाबंधन से एक दिन पहले उसकी बहन ने मां से फोन पर बात की थी और राखी पर पीहर आने की बात कही थी। पास में उसका बहनोई दिनेश भी खड़ा था और कहा कि जिंदा रहेगी तो राखी बांधेगी। 29 अगस्त की रात को बहनोई दिनेश के भाई गणपत का कॉल आया कि उसके भाई- भाभी में लड़ाई झगड़ा हुआ था, जिसके बाद गुड्डी यानी उसकी भाभी सो गई थी। तब उसके भाई दिनेश ने सो रही गुड्डी पर हथौड़े से हमला कर दिया। वह जिंदा है अथवा मर गई इस बारे में पता नहीं है, आप लोग तुरंत आ जाओ।

मृतका के भाई महेंद्र ने उस समय कहा कि अभी आने का साधन नहीं है। यह कहते हुए सुबह आने की बात की। इधर पुलिस को घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची। शव को बरामद कर अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया गया जहां मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। आरोपी पति दिनेश को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

श्रीगंगानगर में युवक से हेरोइन व नगदी जब्त

श्रीगंगानगर, (निसं)। कोतवाली पुलिस ने एक युवक को मादक पदार्थ हेरोइन की तस्करी के आरोप में पकड़ा है। यह कार्रवाई सेतिया चौकी प्रभारी ने टीम के साथ गश्त के दौरान दिन में की। आरोपी के खिलाफ एसआई रामेश्वर बिश्नोई की ओर से एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करवाया गया है। एसपी हरीशंकर यादव के निर्देश पर इस मुकदमे की जांच एसआई नागेंद्र सिंह को सौंपी गई है।

कोतवाल तेजवंत सिंह बराड़ ने बताया कि हरदीप सिंह कॉलोनी की गली नंबर दो व हाल लालचंद की ढाणी में गणेश चौक के निकट निवासी 40 वर्षीय सुरेश कुमार उर्फ नीरज पुत्र गणपतराम अरोड़ा को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से 34 ग्राम 65 मिलीग्राम हेरोइन तथा 23200 रुपए ड्रग मनी बरामद की गई। आरोपी स्कूटी पर उक्त हेरोइन बेचने की फिराक में घूम रहा था। चौकी प्रभारी रामेश्वर बिश्नोई मय टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान सद्भावना नगर में आरोपी स्कूटी पर आते दिखा। आरोपी ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। इस पर आरोपी को रोककर तलाशी ली गई। सीओ सिटी विष्णु खत्री ने बताया कि आरोपी सुरेश अरोड़ा हेरोइन तस्करी का आदतन आरोपी है। उसे करीब पांच माह पहले जवाहरनगर पुलिस ने एएनटीएफ के सहयोग से कार सहित हेरोइन तस्करी करते पकड़ा था। आरोपी चार माह से न्यायिक हिरासत में था। उसकी करीब एक माह पहले ही जमानत हुई थी। आरोपी ने जेल से बाहर आते ही फिर से हेरोइन तस्करी का धंधा शुरू कर दिया। आरोपी पंजाब से हेरोइन खरीदकर लाता है और यहां जिला मुख्यालय पर नशे के आदी युवकों को बेचता है।

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

कॉर्पोरेट आइडेन्टीफिकेशन नम्बर (सीन)- यू 40109 आरजे 2000 एसजीसी 016483

पंजीकृत कार्यालय : न्यू पॉवर हाउस, जोधपुर-342003, कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (सी.एस.एस.)

फोन नं.: 0291-2742336, फैक्स नं. 0291-2745259, ईमेल: secssjodhpur@gmail.com,

वेबसाईट : http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना में शुद्धिपत्र/संशोधन

पत्र संख्या 3791 दिनांक 14.08.2026 के तहत पूर्व में जारी ई-निविदा के लिए 'राष्ट्रदूत' में 19.08.2026 को प्रकाशित उक्त निविदा के क्रम में, टेंडर के विवरण में संशोधन को इस प्रकार पढ़ा जाए:

क्रम संख्या	निविदा संख्या जेडीवीवीएनएल/ आरडीएसएस/	सर्कल का नाम यूबीएन संख्या	कुल अनुमानित लागत (करोड़ रुपये में)	धरोहर राशि @2% (रुपये में)
1	टीएनटीडब्ल्यू-791	जोधपुर डीसी (JVV2627WLOB00417)	49.09	98,18,395.00
2	टीएनटीडब्ल्यू-792	फलौदी (JVV2627WLOB00418)	97.22	1,94,43,064.00
3	टीएनटीडब्ल्यू-793	जालोर, बालोतरा, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर (JVV2627WLOB00419)	76.73	1,53,46,619.00
4	टीएनटीडब्ल्यू-794	बाड़मेर (JVV2627WLOB00420)	70.24	1,40,48,006.00
5	टीएनटीडब्ल्यू-795	जैसलमेर (JVV2627WLOB00421)	120.42	2,40,83,685.00
6	टीएनटीडब्ल्यू-796	बीकानेर (डूंगरगढ़ और नोखा डिवीज़न) (JVV2627WLOB00422)	120.01	2,40,02,478.00
7	टीएनटीडब्ल्यू-797	बीकानेर (DD-I, DD-II और खाजूवाला डिवीज़न) (JVV2627WLOB00423)	91.88	1,83,76,109.00
8	टीएनटीडब्ल्यू-798	चुरू (JVV2627WLOB00424)	133.13	2,66,25,283.00
		कुल	758.72	

अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

नोट: इच्छुक बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि ऊपर दिए गए टेंडरों के संबंध में संशोधन/शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/बोली जमा करने की तारीख बढ़ाने आदि से जुड़ी कोई भी अन्य सूचना/जानकारी वेबसाइटों http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl, www.eproc.rajasthan.gov.in और http://sppp.rajasthan.gov.in पर ही उपलब्ध होगी।

राज.संवाद/सी/26/10478 अधीक्षण अभियन्ता (सी.एस.एस.)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

टिकट बंटवारे के बाद कांग्रेस में घमासान, विधायक प्रत्याशी समेत कई कार्यकर्ता विरोध में धरने पर बैठे

हवामहल से विधायक प्रत्याशी रह चुके आर.आर. तिवाड़ी ने चुनाव प्रभारी रोहित बोहरा के घर के बाहर धरना दिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगर निगम चुनाव के लिए 150 वार्डों में टिकट वितरण के बाद कांग्रेस में अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गई है। टिकट से वंचित दावेदारों और उनके समर्थकों ने विरोध शुरू कर दिया है। जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा के आवास के बाहर कार्यकर्ताओं ने धरना दिया, वहीं पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष एवं हवामहल क्षेत्र से विधायक प्रत्याशी रह चुके आर.आर. तिवाड़ी भी टिकट वितरण से नाराज होकर जयपुर शहर कांग्रेस प्रभारी रोहित बोहरा के आवास के बाहर सड़क पर बैठ गए।

तिवाड़ी ने आरोप लगाया कि उनके विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशियों के चयन को लेकर उनसे कोई राय नहीं ली गई। उन्होंने कहा कि पार्टी को जिन नामों का सुझाव दिया गया था, उनमें से कई को दरकिनार कर दूसरे लोगों को टिकट दे दिया गया। इससे स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी है।

तिवाड़ी ने कहा कि टिकट वितरण को लेकर उनकी शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा से बातचीत हुई थी। करीब 15 वार्डों के प्रत्याशियों को लेकर लगभग सहमति बन गई थी। कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री रोहित बोहरा ने भी दो दिन पहले उन्हें बुलाकर प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा की थी। तिवाड़ी के अनुसार बैठक में वार्डवार नामों पर सहमति बनी, लेकिन इसके बाद अचानक बातचीत बंद हो गई।

उन्होंने आरोप लगाया कि सहमति बनने के बाद सुनील शर्मा ने फोन बंद कर लिया। तिवाड़ी ने सवाल उठाया कि जब प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा और सहमति हो चुकी थी तो अंतिम समय में संवाद क्यों रोक दिया गया।

पूर्व शहर अध्यक्ष ने कहा कि स्थिति यह हो गई है कि उनके विधानसभा क्षेत्र में पार्टी ने किन लोगों को अधिकृत प्रत्याशी बनाया है, इसकी भी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि अभी तक कांग्रेस की ओर से आधिकारिक सूची जारी नहीं हुई है, फिर प्रत्याशियों के नाम और सिंबल को लेकर भ्रम की स्थिति क्यों बनी हुई है।

कांग्रेस से हवामहल क्षेत्र के विधायक प्रत्याशी रहे आर.आर.तिवाड़ी ने सोमवार को पार्षद प्रत्याशियों के टिकट आवंटन पर नाराजगी जताते हुए चुनाव प्रभारी रोहित बोहरा के आवास के बाहर समर्थकों के साथ धरना दिया। फोटो-राष्ट्रदूत

- तिवाड़ी ने आरोप लगाया कि 'विधानसभा चुनाव में उन्हें हराने वाले लोगों को टिकट दिया गया हैं, दो दिन पहले जिन नामों पर सहमति बनीं थी, उन्हें बाद में बदला गया''
- उधर शहर अध्यक्ष सुनील शर्मा के घर के बाहर भी बगरू से टिकट मांग रहे दावेदार ने समर्थकों के साथ विरोध जताया

तिवाड़ी ने टिकट वितरण पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में उनके खिलाफ काम करने और उन्हें हराने वाले लोगों को भी अब नगर निगम चुनाव में टिकट दे दिए गए हैं। उन्होंने वार्ड 146 में पप्पू कुरैशी को टिकट दिए जाने पर सवाल उठाया। उनका आरोप है कि एक अन्य वार्ड में कांग्रेस प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले निर्दलीय पार्षद को भी टिकट दिया गया है।

तिवाड़ी ने यह भी आरोप लगाया कि वार्ड 146 में ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया गया है, जो उनके अनुसार पूर्व में एआईएमआईएम समर्थक रहा है और कांग्रेस का प्राथमिक सदस्य तक नहीं रहा। उन्होंने पार्टी नेतृत्व से सवाल किया कि लंबे समय से कांग्रेस के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर बाहरी या विरोधी विचारधारा से जुड़े लोगों को टिकट क्यों दिया गया।

टिकट वितरण में हस्तक्षेप का आरोप लगाते हुए तिवाड़ी ने कांग्रेस विधायक रफीक खान और अमीन कागजी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विधायक पूरे विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, किसी एक समुदाय के नहीं। आरोप लगाया कि दूसरे विधानसभा क्षेत्रों में हस्तक्षेप कर अपने समर्थकों को टिकट दिलाए गए हैं।

तिवाड़ी ने कहा कि इस तरह के हस्तक्षेप से स्थानीय संगठन और वर्षों से पार्टी के लिए काम कर रहे कार्यकर्ताओं में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि संगठन को स्थानीय कार्यकर्ताओं की राय को प्राथमिकता देनी चाहिए।

धरने के दौरान तिवाड़ी ने कहा कि वह लंबे समय से कांग्रेस के सिपाही हैं और पार्टी छोड़ने का सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा, 1978 में इंदिरा गांधी के लिए जेल गया था। उस समय मेरी उम्र 22 साल थी। आखिरी दम तक कांग्रेस में रहूंगा।

उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से उन्होंने सरकार के खिलाफ धरने-प्रदर्शन किए और जयपुर में भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ संघर्ष किया। ऐसे में टिकट वितरण में कार्यकर्ताओं की अनदेखी से पार्टी को चुनाव में नुकसान उठाना पड़ सकता है।

इधर, बगरू विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 71 में टिकट नहीं मिलने से नाराज दावेदार के समर्थक भी जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा के आवास के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें टिकट को लेकर आश्वासन दिया गया था, लेकिन अंतिम समय में किसी दूसरे व्यक्ति को टिकट दे दिया गया।

कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रत्याशी नहीं बदला गया तो सामूहिक इस्तीफा दिया जा सकता है। साथ ही कांग्रेस हाईकमान से मामले में हस्तक्षेप करने और जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष को पद से हटाने की मांग भी उठाई गई। टिकट वितरण के बाद जयपुर कांग्रेस में सामने आया यह विरोध अब पार्टी के लिए बड़ी चुनौती बनता दिखाई दे रहा है। प्रत्याशियों की आधिकारिक सूची और अंतिम निर्णय को लेकर स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही यह तय होगा कि पार्टी नेतृत्व नाराज कार्यकर्ताओं को किस तरह साध पाता है।

लग्जरी कारों की भिड़ंत में ई-रिक्शा सवार 3 घायल

जयपुर। मानसरोवर इलाके में रविवार देर रात तेज रफ्तार थार और एंडेवर की टक्कर के बाद ई-रिक्शा चपेट में आ गया। हादसे में ई-रिक्शा सवार तीन मजदूर घायल हो गए, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के नीचे मुख्य रास्ते पर रात करीब 1:30 बजे हुआ।

हैड कांस्टेबल महेंद्र पाल ने बताया कि गुर्जर की थड़ी की ओर से आ रही तेज रफ्तार थार मोड पर अनियंत्रित होकर पलट गई और दूसरी ओर 200 फीट रोड की तरफ से आ रही एंडेवर से जा भिड़ी। इसी दौरान एंडेवर के पास से गुजर रहा ई-रिक्शा भी चपेट में आ गया। टक्कर इतनी तेज थी कि ई-रिक्शा करीब 50 फीट दूर जा गिरा। दोनों लग्जरी वाहन भी सड़क पर पलट गए। हादसे के बाद दोनों गाड़ियों के चालक मौके से फरार हो गए। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर फरार चालकों की तलाश की जा रही है।

इस हादसे में घायल शंकर सिंह (50), मुकेश जावली (48), निवासी लक्ष्मणगढ़ जिला अलवर और उमाशंकर (48) निवासी जनता कॉलोनी आदर्श नगर को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें दो की हालत गंभीर बताई गई है। कॉन्स्टेबल सरजीत के अनुसार तीनों मजदूर इलेक्ट्रिक ऑटो से एक पार्टी में आइसक्रीम सप्लाई कर लौट रहे थे। मानसरोवर थानाधिकारी सतीश चंद के अनुसार हादसे में शामिल एंडेवर कांग्रेस के पूर्व मंत्री अशोक चांदना की पत्नी ललिता चांदना के नाम से पंजीकृत है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार इस वाहन के खिलाफ पहले से ओवरस्पीड के 18 से अधिक चालान दर्ज हैं। वहीं थार पर भी ओवरस्पीड के चार से अधिक चालान होने की जानकारी सामने आई है। हादसे के बाद पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षितग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारू कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सार-समाचार

'आचरण की पवित्रता से ज्ञान की सार्थकता'

जयपुर। 'ज्ञान का सार है- आचार' विषय पर आयोजित कार्यशाला मुनिश्री तत्त्व रुचि 'तरुण' ने कहा कि सम्यक् आचार के लिए सम्यक् ज्ञान जरूरी है। इसलिए पहले ज्ञान फिर आचरण का आगमिक कथन यथार्थ है। मुनिश्री ने कहा कि ज्ञान प्राप्ति का मुख्य लक्ष्य आचरण की पवित्रता होना चाहिए। सदाचार शून्य ज्ञान का कोई महत्त्व नहीं है। ज्ञान की पूजा चारित्र के पीछे है। जीवन में चारित्र न हो तो ज्ञान को कौन पूछे? अतः जीवन में चारित्र की सुरक्षा प्राथमिकता से हो। कार्यक्रम सोमवार को मालवीय नगर स्थित अणुविभा केन्द्र के महाप्रज्ञ सभागार में समायोजित हुआ। तेरापंथ संगठन के तत्त्वाधान में हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। मुनि संभव कुमार ने कहा कि जैसे फूल का मूल्य सुगन्ध से है, वैसे जीवन का मूल्य सदाचरण से है। बाह्य व्यक्तित्त्व का आकर्षण स्थायी नहीं होता। स्थायी प्रभाव आन्तरिक व्यक्तित्त्व का होता है। उन्होंने कहा कि चरित्रवान का ज्ञान ही शोभायमान होता है।

ब्लैकमेलिंग से परेशान युवक ने जान दी

जयपुर। ब्लैकमेलिंग से परेशान एक युवक ने ट्रेन के आगे छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पत्नी लक्ष्मी चौधरी ने पडौस में रहने वाली विवाहिता और उसके पिता के खिलाफ शिप्रापथ थाने में आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कराया है। पत्नी का आरोप है कि विवाहिता ने उसके पति के साथ कथित संबंधों के अश्लील वीडियो बनाकर करीब 2 साल से उसे ब्लैकमेल किया और रुपए-गहने ऐंठे। एसआई संदीप बसेरा ने बताया कि जवाहर नगर के मुकेश नगर निवासी राजेंद्र चौधरी (34) सांगानेरी गेट के पास साड़ी की दुकान पर काम करता था। 30 अगस्त को उसने फनकिंगडम के पास रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से साक्ष्य जुटाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जयपुरिया अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पत्नी के अनुसार करीब 8 दिन पहले उसने राजेंद्र और पडौसी विवाहिता को साथ पकड़ लिया था। तब राजेंद्र ने कथित तौर पर बताया कि महिला अश्लील वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रही है। लक्ष्मी का आरोप है कि ब्लैकमेलिंग के कारण राजेंद्र पिछले 2 साल में काफी रुपए और गहने दे चुका था। लक्ष्मी के मुताबिक 29 अगस्त शाम को राजेंद्र घर से 8 लाख रुपए और सोने-चांदी के गहने लेकर निकला था। उसने बताया था कि वह महिला और उसके पति को यह रकम देकर मामला सेटल करना चाहता है। इसी दौरान महिला का पति कथित तौर पर चाकू लेकर घर पहुंचा और राजेंद्र को जान से मारने की धमकी दी। रात करीब 10:30 बजे राजेंद्र ने पत्नी से वीडियो कॉल पर आखिरी बार बात की। वह रो रहा था और कथित तौर पर बोला कि उसका दिमाग काम नहीं कर रहा है, इसके बाद मोबाइल बंद हो गया। पुलिस को अगले दिन फनकिंगडम के पास रेलवे ट्रैक पर उसका शव मिला। जिस एक्टिवा से वह घर से निकला था, वह करीब 5 किलोमीटर दूर दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन की पार्किंग में खड़ी मिली।

एल.आई.सी. ने मनाई 70वीं वर्षगांठ

नई दिल्ली। देश की प्रमुख जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपनी 70वीं वर्षगांठ मनाई। 1 सितंबर 1956 को स्थापित एलआईसी की 7 दशकों की यात्रा देशभर में वित्तीय सुरक्षा, सेवा और भरोसे का प्रतीक बन चुकी है। बीमा क्षेत्र में निजी कंपनियों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद एलआईसी ने अपनी मजबूत शाखा व्यवस्था, एजेंट नेटवर्क और डिजिटल सेवाओं के जरिए बाजार में अग्रणी स्थिति कायम रखी है। वित्त वर्ष 2025-26 में पॉलिसियों की संख्या के आधार पर एलआईसी की 65.16 प्रतिशत और प्रथम वर्ष प्रीमियम आय में 56.66 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रही। निगम की प्रबंधित परिसंपत्तियां 5.08 प्रतिशत बढ़कर 57.29 लाख करोड़ रुपए हो गईं। मई 2022 में एलआईसी के ऐतिहासिक आईपीओ और एनएसई व बीएसई पर सूचीबद्ध होने के बाद निगम ने कॉर्पोरेट प्रशासन, पारदर्शिता और ग्राहक सेवाओं पर विशेष जोर दिया। 'माय एलआईसी ऐप' जैसी डिजिटल पहलों से ग्राहकों को सेवाएं अधिक सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध कराई जा रही हैं। 70वीं वर्षगांठ पर एलआईसी ने अपने करोड़ों पॉलिसीधारकों, शेयरधारकों, एजेंटों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। 'योगक्षेमं वहाम्यहम्' की भावना के साथ निगम ने नवाचार, डिजिटल विकास और जन-जन तक वित्तीय सुरक्षा पहुंचाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

'राहुल गाँधी पर एफआईआर घमंड का प्रतीक'

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाए जाने पर इसकी निंदा की है तथा इसे भाजपा के सत्ता के अहंकार और दमनकारी मानसिकता का परिचायक बताया है। जूली ने कहा है कि हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद सभास्थल का भाजपा से जुड़े लोगों द्वारा शुद्धीकरण किया जाना सामाजिक समानता और मानवीय गरिमा पर गंभीर प्रहार था और जब नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी ने इस अपमान के खिलाफ आवाज़ उठाई, तो उल्टा उन्हीं पर एफआईआर दर्ज कर दी गई जो यह बताता है कि दलितों की आवाज़ उठाने वालों को परेशान करने का प्रयास किया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अपमान की शिकायत को अनसुना करना और न्याय माँगने वालों पर मुकदमे दर्ज करवाना सत्ता के अहंकार और दमनकारी मानसिकता का परिचायक है। यह भाजपा के घमंड और तानाशाही की पराकाष्ठा है। आखिर सरकार भेदभाव रोकना चाहती है या उसके खिलाफ उठने वाली आवाज़ को दबाना?

इवेंट इंडस्ट्री के नए दौर पर मंथन

जयपुर। फेडरेशन ऑफ राजस्थान इवेंट मैनेजर्स (फोरम) के 13वें वार्षिक कन्वेंशन 'इवेंटस्थान 2026' के दूसरे दिन की शुरुआत राजस्थान के लोक कलाकार मोती खान की लाइव प्रस्तुति से हुई। फोरम प्रेसिडेंट हितेंद्र शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में मोती खान ने अपनी दमदार आवाज और लोक संगीत की प्रस्तुतियों से माहौल को संगीतमय बना दिया। इसके बाद कन्वेंशन में इवेंट एवं वेडिंग इंडस्ट्री से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों और इंडस्ट्री लीडर्स ने विचार साझा किए। दिन के पहले सत्र 'वेड्डिंग्स - पिनटेरेस्ट या इंट्रेस्ट' में नीरव देसाई, जेनिब, नीरव वच्छानी, भुवनेश अग्रवाल और श्याम बसरणी ने बदलते वेडिंग ट्रेंड्स, कपल्स की बदलती पसंद और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर चर्चा की।

कूरियर एजेंट को चाकू की नोंक पर बंधक बनाकर 38 लाख रुपए लूटे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मानसरोवर क्षेत्र में बदमाशों ने कूरियर एजेंट को चाकू की नोंक पर बंधक बनाकर 38 लाख रुपए लूट लिए। आरोपियों ने एजेंट के साथ मारपीट कर उसे जान से मारने की धमकी दी और कूरियर कंपनी के रायपुर स्थित कार्यालय में फोन करवाकर रकम मंगवाई। इसके बाद बदमाश उसे चलती गाड़ी से बाहर फेंककर फरार हो गए। इस संबंध में पीड़ित ने रविवार को थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

- अपहरणकर्ताओं ने कूरियर कंपनी के रायपुर कार्यालय में फोन करवाकर रकम मंगवाई, इसके बाद युवक को चलती गाड़ी से बाहर फेंककर फरार हो गए

थानाधिकारी सतीश चन्द ने बताया कि माणक चौक क्षेत्र के रामलला का रास्ता निवासी ठाकुर जुगाजी (34) एक कूरियर कंपनी में काम करता है। उसने रिपोर्ट में बताया कि 26 अगस्त को सुबह रायपुर कूरियर कार्यालय से उसके पास फोन आया। कार्यालय की ओर से बताया गया कि गुप्ता रियल एस्टेट से उसके पास कॉल आएगा और कूरियर पार्सल के संबंध में जानकारी देनी है।

करीब एक घंटे बाद एक युवक ने फोन कर खुद को गुप्ता रियल एस्टेट से बताया और पार्सल देने के लिए उसे मानसरोवर स्थित जयपुर हॉस्पिटल के पास बुलाया। पीड़ित वहां पहुंचा तो एक इनोवा गाड़ी में चार युवक मिले। आरोपियों ने पार्सल देने के बहाने उसे गाड़ी में बुलाया।

जुगाजी के गाड़ी में बैठते ही चारों बदमाशों ने चाकू दिखाकर उसे बंधक बना लिया। आरोपियों ने गाड़ी में रखे पार्सल में 38 लाख रुपए होने की बात कही। इसके बाद एजेंट के साथ मारपीट कर उसे धमकाया गया और रायपुर कार्यालय में फोन कर 38 लाख रुपए की रकम आरोपियों के साथी को देने के लिए कहा गया। डर के कारण पीड़ित ने कार्यालय में फोन कर बदमाशों के कहे अनुसार रकम देने के लिए कहा। इसके बाद रायपुर कार्यालय की ओर से वहां पहुंचे आरोपियों के साथी को 38 लाख रुपए दे दिए गए। रकम मिलने की पुष्टि होते ही बदमाशों ने जुगाजी को चलती इनोवा से बाहर फेंक दिया और फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

निकाय चुनाव : भाजपा की टिकट सूची में 'दिग्गजों' और परिवारों का दबदबा

जयपुर। नगर निकाय चुनाव के लिए भाजपा की टिकट सूची सामने आने के बाद प्रत्याशियों के चयन को लेकर पार्टी के भीतर और बाहर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूची में सीएम ओएसडी आनंद शर्मा की पत्नी प्रतिभा शर्मा सहित पूर्व महापौर, पूर्व जिलाध्यक्ष, संगठन के पदाधिकारियों और कांग्रेस से भाजपा में आए नेताओं के परिवारों को भी जगह मिली है। इसके चलते भाजपा की टिकट रणनीति में संगठनात्मक प्रभाव और राजनीतिक पहुंच के साथ परिवारों के समीकरण को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल को वार्ड 110 से टिकट दिया गया है। वहीं पूर्व जिलाध्यक्ष शैलेंद्र भार्गव को वार्ड 43 और पूर्व जिलाध्यक्ष सुनील कोठारी को वार्ड 112 से प्रत्याशी बनाया गया है। कोठारी के भतीजे विकास कोठारी को वार्ड 118 से टिकट मिला है। विधानसभा चुनाव में दावेदारी कर चुके पुनीत कर्णावत, विमल कटियार और सुनील कोठारी अब पार्षद का चुनाव लड़ेंगे। वहीं पूर्व पार्षद एवं जयपुर शहर के पूर्व जिला महामंत्री विमल अग्रवाल को वार्ड 135 से टिकट दिया गया है।

भाजपा ने संगठन के मंडल स्तर के पदाधिकारियों के परिवारों पर भी भरोसा जताया है। विद्याधरनगर मंडल अध्यक्ष राकेश अग्रवाल की पत्नी सुमन अग्रवाल को वार्ड 8 और खातीपुरा मंडल अध्यक्ष माल सिंह की पत्नी उदिता सिंह चौहान को वार्ड 20 से टिकट मिला है। इसी तरह जयपुर शहर महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी को वार्ड 107 तथा महिला मोर्चा की जिला इकाई से जुड़ी जयश्री गर्ग को वार्ड 73 से प्रत्याशी बनाया गया है।

टिकट वितरण में कांग्रेस से भाजपा में आए नेताओं के परिवार भी चर्चा में हैं। बिरदीचंद शर्मा के बेटे कमल शर्मा को वार्ड 54 से टिकट दिया गया है। पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल को वार्ड 110 से मैदान में उतारा गया है। वार्ड 90 से रणजीत सिंह सोडाला की पत्नी सरोज कंवर को टिकट मिलने की भी चर्चा है। वार्ड 16 में भाजपा विद्याधर नगर मंडल उपाध्यक्ष महिपाल सिंह करीरी के निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरने की जानकारी सामने आई है। भाजपा की सूची में जहां पुराने संगठनात्मक चेहरों और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली नेताओं को महत्व मिला है, वहीं कई वार्डों में परिवारों को टिकट मिलने से कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा भी तेज है। अब पार्टी नेतृत्व के सामने टिकट से वंचित दावेदारों और उनके समर्थकों को साथ लेकर चलने की चुनौती होगी। निगम चुनाव में पूर्व महापौर से लेकर जिलाध्यक्ष, विधानसभा के दावेदार, संगठन पदाधिकारी और राजनीतिक रूप से दूसरे दलों से आए नेताओं के परिवार एक साथ मैदान में हैं। ऐसे में भाजपा की यह टिकट रणनीति चुनाव परिणामों में कितना असर डालती है, यह देखने वाली बात होगी।

कांग्रेस ने 150 वार्डों में प्रत्याशी मैदान में उतारे

बागियों को मनाना और नाम वापसी के लिए राजी करना बड़ी चुनौती साबित होगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर नगर निगम चुनाव को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को सभी 150 वार्डों के प्रत्याशियों की सूची जारी की। ऐसे में अब विद्याधर नगर से लेकर आमेर तक सभी वार्डों में कांग्रेस के प्रत्याशियों की स्थिति स्पष्ट हो गई है। भाजपा पहले ही अपने प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर चुकी है। ऐसे में दोनों प्रमुख दलों के प्रत्याशियों की तस्वीर साफ होने के साथ ही अधिकांश वार्डों में सीधा मुकाबला तय हो गया है। हालांकि अगर कांग्रेस जयपुर में चुनाव जीतती है तो महापौर पद के लिए पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजीव चौधरी, धर्म सिंह सिंघानियां तथा वरिष्ठ पार्षद सुनीता मावर का नाम चर्चाओं में है।

कांग्रेस ने जयपुर के 10 विधानसभा क्षेत्रों के हिसाब से 150 वार्डों में प्रत्याशी उतारे हैं। सूची में विद्याधर नगर, झोटवाड़ा, सांगानेर, बगरू, मालवीय नगर, सिविल लाइंस, किशनपोल, आदर्श नगर, हवामहल और आमेर विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं।

विद्याधर नगर (वार्ड 1 से 22)

वार्ड 1 से नवरतन शर्मा, वार्ड 2 से मनीराज सिंह, वार्ड 3 से छगन कुलदीप, वार्ड 4 से कविता अजमेरा, वार्ड 5 से सुमित शर्मा, वार्ड 6 से मधुबाला शर्मा, वार्ड 7 से पूनम तिवारी, वार्ड 8 से रुचिका सोनी, वार्ड 9 से कैलाशी देवी, वार्ड 10 से वंदना जाखड़, वार्ड 11 से प्रेम सिंह, वार्ड 12 से पंकज सैनी, वार्ड 13 से धनराज सिनोदिया, वार्ड 14 से हाकिम सिंह, वार्ड 15 से बद्री कुमावत, वार्ड 16 से राजेश अत्री, वार्ड 17 से भूपेंद्र सिंह, वार्ड 18 से वंदिता शर्मा, वार्ड 19 से फारुख खान, वार्ड 20 से मोनिका सैनी, वार्ड 21 से राकेश लाटा और वार्ड 22 से करणवीर सिंह शेखावत।

झोटवाड़ा (वार्ड 23 से 37)

वार्ड 23 से अजीत सिंह, वार्ड 24 से सुरेंद्र कुमार शर्मा, वार्ड 25 से रेखा देवी सैनी, वार्ड 26 से अनीता, वार्ड 27 से कालूराम यादव, वार्ड 28 से रविंद्र सिंह शेखावत, वार्ड 29 से सत्यनारायण शर्मा, वार्ड 30 से रवीन, वार्ड 31 से जय कुमार जैन, वार्ड 32 से सीमा शर्मा, वार्ड 33 से प्रियंका यादव, वार्ड 34 से सुरेश, वार्ड 35 से अनिल, वार्ड 36 से रतन चौपड़ा और वार्ड 37 से देवी लाल कसोटिया।

सांगानेर (वार्ड 38 से 58)

वार्ड 38 से रामसिंह चौधरी, वार्ड 39 से अजय सैनी, वार्ड 40 से मनीष शर्मा, वार्ड 41 से पंकज वर्मा, वार्ड 42 से चंद्रवीर सिंह, वार्ड 43 से आशीष शर्मा, वार्ड 44 से विनय प्रताप भोपार, वार्ड 45 से सुभाष नोनीवाल, वार्ड 46 से हर्षिता जैन, वार्ड 47 से दामोदर मीणा, वार्ड 48 से बाबूलाल सैनी, वार्ड 49 से धर्मसिंह सिंघानिया, वार्ड 50 से निर्मला बैरवा, वार्ड 51 से मनमोहन गुर्जर, वार्ड 52 से हनुमान सैनी, वार्ड 53 से राजीव चौधरी, वार्ड 54 से प्रियंका बेड, वार्ड 55 से संजय बडोदिया, वार्ड 56 से शारदा चौधरी, वार्ड 57 से शंकर अकड़ और वार्ड 58 से रामप्यारी देवी।

बगरू (वार्ड 59 से 72)

वार्ड 59 से दुर्गा देवी, वार्ड 60 से रामफूल मीणा, वार्ड 61 से सुरेश मीणा, वार्ड 62 से हरिराम शर्मा, वार्ड 63 से प्रभुलाल बैरवा, वार्ड 64 से कैलाश मीणा, वार्ड 65 से मुकेश कुमार, वार्ड 66 से महेश कराडिया, वार्ड 67 से योगिता शर्मा, वार्ड 68 से गीता मीणा, वार्ड 69 से बीना देवी, वार्ड 70 से उर्मिला शर्मा, वार्ड 71 से फैज हसन और वार्ड 72 से सुमन रमेश भाटी।

मालवीय नगर (वार्ड 73 से 87)

वार्ड 73 से चिराग मिश्रा, वार्ड 74 से विचार व्यास, वार्ड 75 से सुनीता आडवाणी, वार्ड 76 से प्रदीप जैन, वार्ड 77 से किरण शर्मा, वार्ड 78 से अभिषेक सैनी, वार्ड 79 से प्रवीण बैरवा, वार्ड 80 से हीना वाधवानी, वार्ड 81 से राहुल तंवर, वार्ड 82 से महेश यादव, वार्ड 83 से सी.पी. कुमावत, वार्ड 84 से भारत मेघवाल, वार्ड 85 से महेंद्र पाल हिंगोनिया, वार्ड 86 से तारा बेनीवाल और वार्ड 87 से अर्चना शर्मा।

सिविल लाइंस (वार्ड 88 से 103)

वार्ड 88 से श्रुति भारद्वाज, वार्ड 89 से प्रकाश बागड़ा, वार्ड 90 से ममता जांगिड़, वार्ड 91 से सीताराम मेहरा, वार्ड 92 से उषा देवी, वार्ड 93 से जितेंद्र शर्मा, वार्ड 94 से संतोष सूद, वार्ड 95 से मानवेंद्र सिंह, वार्ड 96 से वसीम चौहान, वार्ड 97 से महेंद्र प्रागपुरा, वार्ड 98 से राजकुमार बागड़ा, वार्ड 99 से सत्येंद्र राठौड़, वार्ड 100 से विनिता कूलवाल, वार्ड 101 से दुर्गेश शर्मा, वार्ड 102 से शीला गुर्जर और वार्ड 103 से मोहम्मद हनीफ।

किशनपोल (वार्ड 104 से 115)

वार्ड 104 से अब्दुल लतीफ कुरैशी, वार्ड 105 से महेश तम्बोली, वार्ड 106 से जुगल गुर्जर, वार्ड107 से खुशबू शर्मा, वार्ड 108 से मेहरूनिशा, वार्ड 109 से मोहम्मद अयूब, वार्ड 110 से सुनीता मेठी, वार्ड 111 से ज्वाला प्रसाद तिवाड़ी, वार्ड 112 से आशीष शर्मा, वार्ड 113 से गजनफर अली, वार्ड 114 से मोहम्मद जकारिया और 115 सुरेश बिवाल।

आदर्श नगर (वार्ड 116 से 132)

वार्ड 116 संजीदा/उमरदराज, वार्ड 117 संजीदा/गुलाम मुस्तफा, वार्ड 118 से सुनीता मावर, वार्ड 119 से इरफान कुरैशी, वार्ड120 से शीला सैनी, वार्ड 121 से मुकेश विजय, वार्ड 122 से राजकुमार संगतानी, वार्ड 123 से अंजू, वार्ड 124 से कांता/गिरिराज, वार्ड 125 से मंजू बानो, वार्ड 126 से सोफिया बानो, वार्ड 127 से बादल शर्मा, वार्ड128 से मोहम्मद सोहेल मंसूरी, वार्ड 129 से महेश कुमार सामरिया, वार्ड 130 से आदित्य कौशिक, वार्ड 131 से पुष्पेंद्र मीणा और वार्ड132 से दशरथ अटल।

हवामहल (वार्ड 133 से 147)

वार्ड 133 से गुड्डी देवी, वार्ड 134 से यशपाल गुर्जर, वार्ड 135 से रवि कुमार शर्मा, वार्ड 136 से शबनम, वार्ड 137 से सलमान मंसूरी, वार्ड 138 से दीपिका शर्मा, वार्ड 139 से गीतांजलि सैनी, वार्ड140 से आशीष जोशी, वार्ड141 से उषा बच्चानी, वार्ड 142 से मीना डांडोरिया, वार्ड 143 से नवाब चिरानिया, वार्ड 144 से उत्तम कुमावत, वार्ड 145 से अर्चन चतुर्वेदी, वार्ड146 से अफरोज और वार्ड147 से राशिद अली।

आमेर (वार्ड 148 से 150)

वार्ड 148 से आशा सैनी, वार्ड 149 से अंजलि ब्रह्मभट्ट और वार्ड 150 से हीरा देवी।

बागियों को मनाने की चुनौती

दोनों प्रमुख दलों की सूचियां जारी होने के बाद अब चुनावी गतिविधियां और तेज होंगी। टिकट से वंचित दावेदारों के निर्दलीय मैदान में उतरने से कई वार्डों में मुकाबला त्रिकोणीय या बहुकोणीय हो सकता है।

कांग्रेस-भाजपा के सामने अब बागियों को मनाने और नाम वापसी कराने की चुनौती रहेगी। नई वार्ड सीमाओं और परिसीमन के कारण कई क्षेत्रों में पुराने चुनावी समीकरण भी बदल गए हैं। ऐसे में प्रत्याशी मतदान से पहले घर-घर संपर्क, बूथ स्तर की रणनीति और स्थानीय मुद्दों पर जोर देंगे।

विक्रेता को 1 वर्ष की सजा के साथ 40 लाख रु. जुर्माना चुकाना पड़ेगा

जयपुर। चेक अनादरण मामलों की विशेष अदालत क्रम-12 ने प्लॉट बेचने के लिए ली गई राशि को वापस लौटाने के लिए दिए चेक के बाउंस होने पर विक्रेता कोयल सोलंकी को एक साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्ता पर 40 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी सिमरन सिंह वर्मा ने अपने आदेश में कहा कि अपराध आर्थिक क्षेत्र से संबंधित है और इस अपराध के लिए अभियुक्ता को परिवीक्षा का लाभ देना उचित नहीं है। परिवादी रामलाल यादव की ओर से अधिवक्ता महावीर सुरेन्द्र जैन ने अदालत को बताया कि परिवादी के साथ अभियुक्ता व उसके पति अशोक सौलंकी ने प्लॉट बेचने का एग्रीमेंट कर चौबीस लाख रुपए प्राप्त किए थे। जब अभियुक्त व उसका पति प्लॉट देने में असमर्थ हुए तो अभियुक्ता कोयल ने परिवादी को 24 लाख रुपए का चेक दे दिया। जब परिवादी ने चेक भुनाने के लिए बैंक में लगाया तो खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण चेक बाउंस हो गया। परिवाद में कहा गया कि अभियुक्ता ने चेक जारी कर भुगतान नहीं किया है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

- प्लॉट की राशि लौटाने का चेक बाउंस करवाने का मामला

Reviving the Lost Art of Writing Letters

Celebrated on September 1st each year, World Letter Writing Day is a gentle reminder of the lost art of putting pen to paper. In an age dominated by instant messaging and emails, this day encourages people to slow down and express their thoughts through handwritten letters. Started by Australian artist Richard Simpkin in 2014, it celebrates personal connection, reflection, and the emotional power of words on paper. Whether it's writing to a loved one or a stranger, the act brings back a sense of intimacy and nostalgia that digital communication often lacks.

#COURAGE AND JUSTICE

"Ghudlo Ghumela Ji"

140 girls from a village in Marwar had gone to worship Gangaur. It was then that Ghudle Khan abducted them

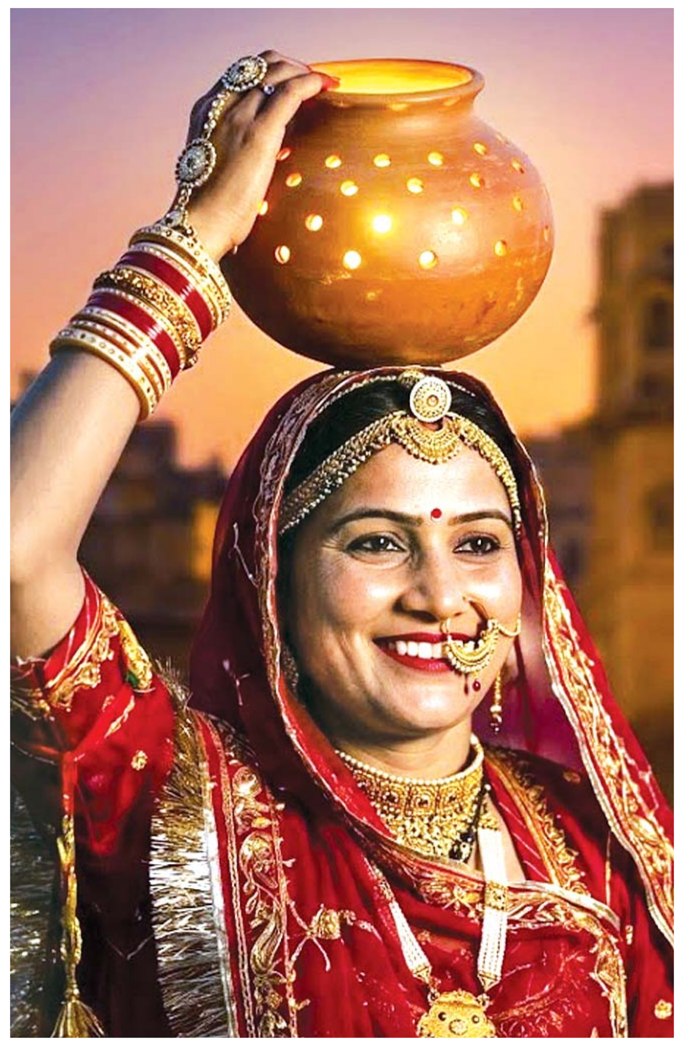

"Ghudlo Ghumela Ji Ghumela" is more than a traditional folk song of Rajasthan. Behind its lively rhythm and festive sound lies a powerful story of bravery, sacrifice, and justice, a story that has been carried through generations in the folk traditions of Marwar.

The story is associated with the festival of Gangaur, when women and girls across Rajasthan come together to celebrate and worship Gangaur. According to the popular tradition, during one such celebration, around 140 girls from a village in Marwar had gone to worship Gangaur. It was then that Ghudle Khan, remembered in the folk tradition as a Mughal invader, abducted them.

When news of the incident reached the ruler of Marwar, Rao Satal Singh Rathore, he decided to act. He gathered his forces and confronted Ghudle Khan and his men. A fierce battle followed, fought with the honour and courage for which the warriors of Marwar are remembered.

The battle became a fight not only against an invading force but also for the safe return of the abducted girls. In the traditional telling of the story, Ghudle Khan was eventually killed, and the girls were rescued and sent safely back to their village.

But what happened next is what gave the story its enduring place in Rajasthan's folk memory.

According to the legend, the severed head of Ghudle Khan was given to the rescued girls. They carried it through the village, turning the aftermath of the battle into a public celebration of victory. The terrifying symbol of the enemy's defeat became a symbol of courage and justice. Over time, this memory became connected with the Ghudla tradition. During the festive period associated with Gangaur, women carry an earthen pot with holes in it, with a lamp burning inside. As they walk through the streets singing "Ghudlo Ghumela Ji Ghumela," the glowing pot becomes a powerful symbol of the old story.

The pot is traditionally understood as representing Ghudle Khan's severed head, while the light shining through it represents the victory and justice achieved through the battle. The image is striking: a simple clay pot, pierced with holes, carrying a flame that refuses to go out.

This is the extraordinary power of Rajasthan's folk culture. History does not always survive in monuments or written records. Sometimes, it survives in songs, rituals, dances, and stories passed from one generation to another.

"Ghudlo Ghumela Ji Ghumela" therefore becomes more than music. It becomes a living memory of a time when courage was tested, women were rescued, and an act of resistance became part of the cultural identity of Marwar.

For generations, Rajasthan's people have kept this story alive through celebration. Every song, every procession, every glowing pot carries a fragment of that memory. And perhaps, that is what makes Rajasthan's folk traditions so powerful: a battle can become a song, a pot can become a symbol, and a flame can become the light of justice.

BEFORE

I Divorced Zomato and Married My Hunger

The medical side is more complicated than a before-and-after photo, and I will be honest about that too. My weight now moves within a far narrower band than it once did, and my blood readings improved a great deal. But I am still under a doctor's care, still on medication, still doing the tests. This was never only a story about a smaller body. Zomato, for the record, still texts me. The occasional wistful notification. Your favourite is missing you. I feel nothing. It is taking the separation harder than I am.

AFTER

Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

My most stable relationship for a decade was with Zomato. It knew my order before I did. Then, I divorced it, and started listening to something I had been ignoring for years: my own hunger. Twenty kilos later, we are finally friends.

There is a particular thing I started doing as my weight climbed, and nobody around me seemed to notice. I stopped looking at myself. Not dramatically. I just began avoiding mirrors, and when someone took a photograph, I already knew I would not like it. So, I overcompensated. Smartest clothes I could find, careful makeup, the whole production. I was dressing for other people, because I could not bring myself to dress for me.

For most of a decade, I sat between 90 and 95 kilos. Always on a diet. Some fast, some plan, some rule I had read about at midnight and abandoned by lunch. I would lose four or five kilos, feel briefly triumphant, and then work and home and worry would arrive together and the kilos would come back with friends. A hamster wheel, but with snacks.

Through all of it, my most stable relationship was with Zomato.

It understood me in a way few people did. It knew I would crave by ten at night. It knew my order before I placed it. The delivery boys knew our floor without checking the flat number, which is the kind of intimacy most marriages never reach. I told myself I was a foodie. Perhaps, I was. But many of those late-night orders had very little to do with appreciating food. I was outsourcing decisions to an app at exactly the hour I had the least strength to make them.

I am a journalist by training. I could research any diet in the world. I simply could not live inside one.

Then, in 2025, my body ended the debate on my behalf.

It happened after my daughter's board exams, in that flat exhaustion that arrives when a long tension finally lifts. A gallbladder attack knocked the breath out of me. I was admitted, put on a drip, told nil by mouth. For the first day, I could not eat at all. After that came the cautious post-operative food: whatever the dietician decided I could manage, in small quantities, simple meals, nothing that Zomato would have recognised as food.

I want to be honest about this, because it is the part most weight-loss stories quietly delete. I did not begin with a brilliant plan. I began with surgery. The first kilos came off because I had been ill, hospitalised, operated upon, and was eating very little. The turning point was not willpower. It was an interruption.

But the interruption handed me something I did not expect. A break from the noise of food.

If you have never heard that noise, it is hard to describe. It is the constant hum of what to eat, what you should not have eaten, what the family is ordering, the parantha you cannot refuse because it is already on your plate. Illness switched it off. For once, there was no negotiation. I was not deciding whether to resist the food around me. For a while, most of it simply was not an option. And Zomato, for the first time in years, went unanswered.

We did not have a dramatic breakup. No shouting, no blocked numbers. I just stopped opening the app, and one day realised that I had not thought about it in weeks.

Then, I came home, and the options came back.

During the operation, my blood pressure had climbed alarmingly, and my gallbladder, the surgeon told me afterwards, had been badly swollen and stubborn to remove. He was kind and direct, and he suggested that I consider bariatric surgery for the weight. I remember saying, with far more certainty than I had earned, that I would not be needing it. I have no idea where that sentence came from. But once you say a thing like that out loud to a surgeon, you have to go home and make it true.

Here is what I expected next, and did not get. I expected my appetite to stay politely gone. It did not.

Ten days after surgery, I weighed 86 kilos. I ate a banana one morning and was hungry again almost immediately, and what I wanted was something savoury, something that tasted like actual food and not like an apology. A few days later, hungry between meals, I made roasted makhana with a boiled potato, jeera, lemon and black salt. Weeks passed and the hunger refused to leave. At the

end of July, I was around 81 kilos and still noting down, at half past nine at night, that I was hungry. On the twenty-second of August, sixty-four days after the operation, the scale read 78.4, and I was hungry again before one in the afternoon, not long after a meal I had been sure would hold me.

That turned out to matter more than any number on the scale.

Because instead of reading each hunger pang as fresh evidence that I was weak, I got curious about it. Old habit. When something keeps happening, a journalist wants to know why. Why did some meals carry me comfortably for hours, while others, which looked just as sensible, sent me back to the kitchen by four?

The weight kept coming down. By October, I was 74 kilos. By November, around 72. The early loss had happened in the shadow of illness and surgery. But as the months passed, that explanation became less satisfying. I was no longer living on post-operative food. I was eating normally again, and the weight was still moving. I want a sceptic to sit with that, because it is the whole point.

What kept me going was not a chart. It was clothes. Kurtas I had worn as a newly married woman, folded away for years in a bag I no longer opened, began to fit again. One day, even my shoes felt loose, which nobody warns you about. Apparently, I had lost enough weight for my feet to hand in their resignation too. These small, undeniable, physical proofs did more for me than any app notification ever had.

The stretch from 80 to 70 was the hardest, and somewhere inside it, I finally understood the thing that changed everything.

All my life, when I was heavy, I had been handed the same instruction in a hundred costumes. Eat less. Eat less than you want. Push the plate away while you still wish it were closer. That architecture had never held for me. I could tolerate hunger for hours, for days, sometimes weeks. But hunger keeps asking the question, patiently, endlessly, and eventually, I would answer it with whatever was nearest, usually at night, usually through an app. And another carefully controlled day would collapse. The hunger always collected its debt, with interest.

So, I stopped asking how little I could get away with eating, and started asking a different question. What could I eat now that would actually leave me satisfied? There was no magic food, and I am not going to pretend there was. I began noticing patterns. Some meals held me for hours. Others that looked perfectly healthy waved me back to the kitchen embarrassingly soon. Slowly, I learned to build the first kind more often. That is not the whole method, and it took months of paying attention. But the principle underneath was simple enough to change my life. I did not conquer my hunger. I stopped fighting it and started learning its language.

The medical side is more complicated than a before-and-after photo, and I will be honest about that too. My weight now moves within a far narrower band than it once did, and my blood readings improved a great deal. But I am still under a doctor's care, still on medication, still doing the tests. This was never only a story about a smaller body.

Zomato, for the record, still texts me. The occasional wistful notification. Your favourite is missing you. I feel nothing. It is taking the separation harder than I am.

More than a year later, something has shifted that matters to me more than the number on the scale. My body and I are finally on speaking terms about food.

Hunger no longer feels like a bottomless well that always wants filling. Sometimes, my body says it is hungry, and I eat. Sometimes, halfway through something I love, it says it has had enough, and I stop. And sometimes, food is sitting right in front of me and I simply do not want it. That last one still astonishes me.

For years, I believed thin people had been issued some secret discipline I had somehow been skipped over for.

Now, I think I had been asking willpower to do a job it was never designed to do.

I had stopped hearing the difference between hunger, appetite, habit and enough.

I have not conquered hunger. I do not want to anymore. We have become friends. It tells me when it needs something and I have learned to listen. More importantly, I have finally learned to hear it when it says, enough.

And the mirror?

I look now.

Not because I have acquired a perfect body. I have not. Not because weight has stopped mattering, or because keeping it steady takes no thought.

I look because somewhere between the hospital bed and the old kurtas fitting again, the person I was dressing for changed.

For years, it was everyone else.

Now, finally, it is me.

rajeshsharma1049@gmail.com

#THE BREAKUP

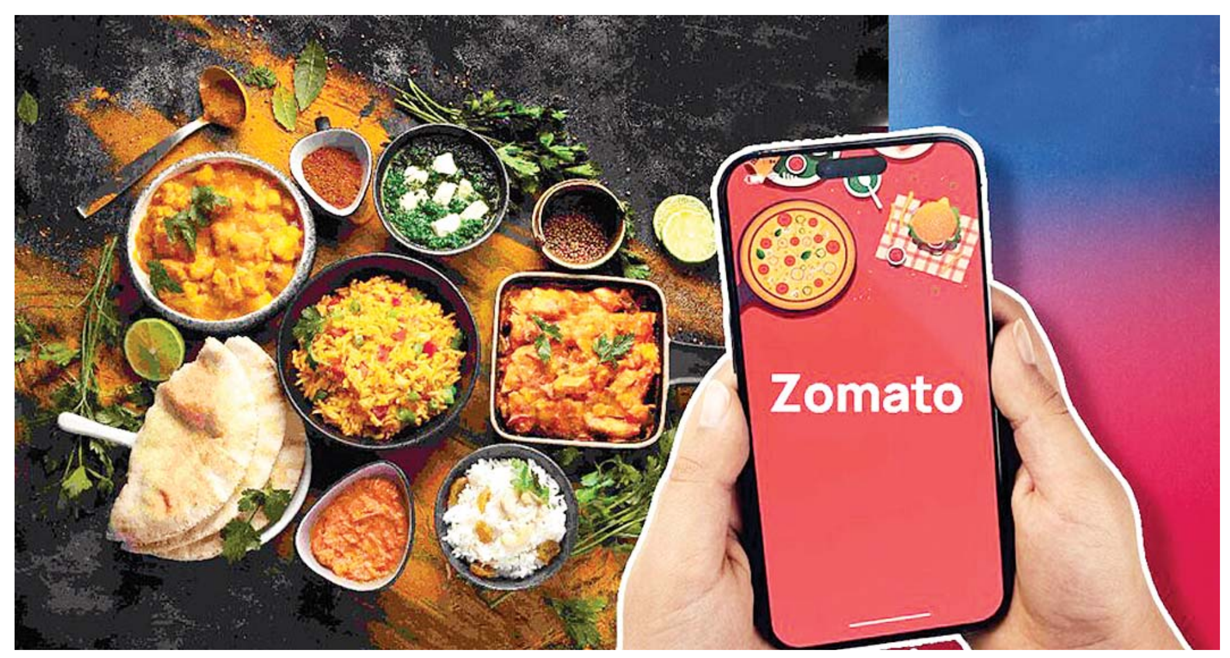

#RARE

The World's Smallest Wild Pig Facing Extinction

Grasslands, which are essential for the pygmy hog's survival, are increasingly being encroached upon for agriculture and grazing

The pygmy hog holds the title of being the smallest wild pig in the world, but its size is not the only thing that makes this species remarkable. Found only in the grasslands of Assam in northeastern India, this tiny wild pig faces grave threats from habitat loss, human encroachment, and increasing environmental challenges. Once abundant in the region, the pygmy hog is now considered critically endangered, with fewer than 400 individuals left in the wild. It has become a poignant symbol of the fragile balance between wildlife and human development in one of the world's most ecologically diverse and threatened areas.

A Rare Species in Assam's Grasslands

The pygmy hog is a small, stocky pig that typically weighs just around 8 to 10 kilograms (18 to 22 pounds) when fully grown, making it an especially elusive creature. It is found primarily in the tall, wet grasslands of Assam, which is a unique and increasingly rare ecosystem. The pygmy hog's natural habitat consists of tall, dense grasses that are ideal for hiding from predators and foraging for food, including roots, seeds, and small invertebrates.

Assam's grasslands, however, are rapidly disappearing. These grasslands, which are essential for the pygmy hog's survival, are increasingly being encroached upon for agriculture and grazing.

Habitat Loss: The Destruction of Assam's Grasslands

One of the biggest threats to the pygmy hog is the ongoing destruction of its natural habitat. Over the past few decades, Assam's once-thriving grasslands have been drastically reduced due to agricultural expansion, grazing, and infrastructure development. These grasslands, which provide a rich and complex environment for a wide range of species, have been cleared to make way for farming and livestock grazing. The resulting loss of suitable habitat has forced the pygmy hog into smaller, more fragmented spaces, reducing their chances of survival.

The Impact of Flooding

Flooding in the region has also played a significant role in the pygmy hog's declining numbers. Assam experiences regular monsoons, and the vast floodplains are prone to annual flooding. While the pygmy hog has adapted to the seasonal floods in the past, climate change and changing rainfall patterns are making these floods more intense and unpredictable. Heavy rains lead to flash floods that wash away the grasslands and create stagnant waters where pygmy hogs struggle to survive.

Conservation Efforts and Challenges

Despite these numerous threats, efforts to save the pygmy hog from extinction have been ongoing for years. The species is protected by law in India, and significant conservation work is being carried out. A captive breeding program has also been established to help boost the population, with pygmy hogs bred in captivity being released back into the wild once they are mature enough to survive on their own.

Additionally, local communities have been involved in conservation efforts, educating them about the importance of protecting this endangered species and its habitat. These efforts have made some progress, and there have been modest successes in breeding pygmy hogs in captivity and establishing protected areas.

However, the challenges remain formidable. The continued degradation of their habitat, the encroachment of agriculture, and the growing numbers of stray dogs make the conservation of the pygmy hog an ongoing struggle. Climate change, which is contributing to more erratic weather patterns, particularly flooding, adds an additional layer of complexity to the conservation efforts. Without a concerted effort to protect the pygmy hog's habitat, prevent further human-wildlife conflict, and address the issue of stray dogs, the future of this tiny, rare species remains uncertain.

THE WALL

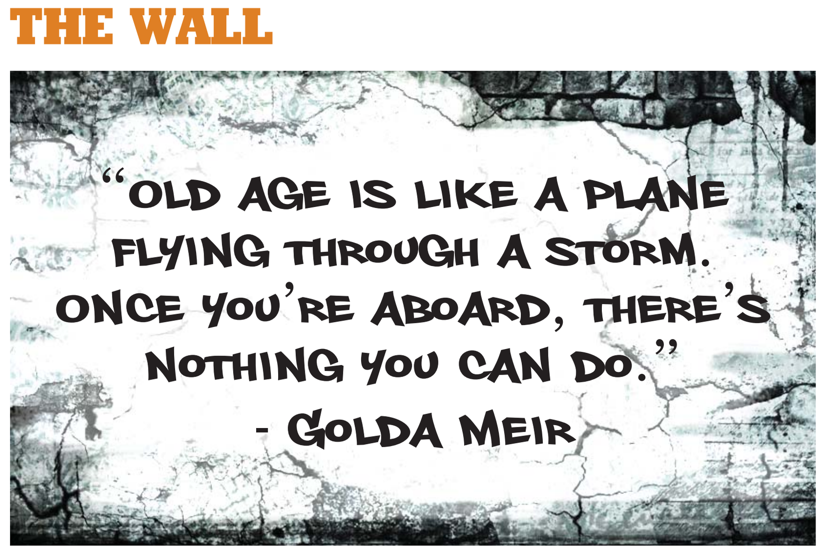

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

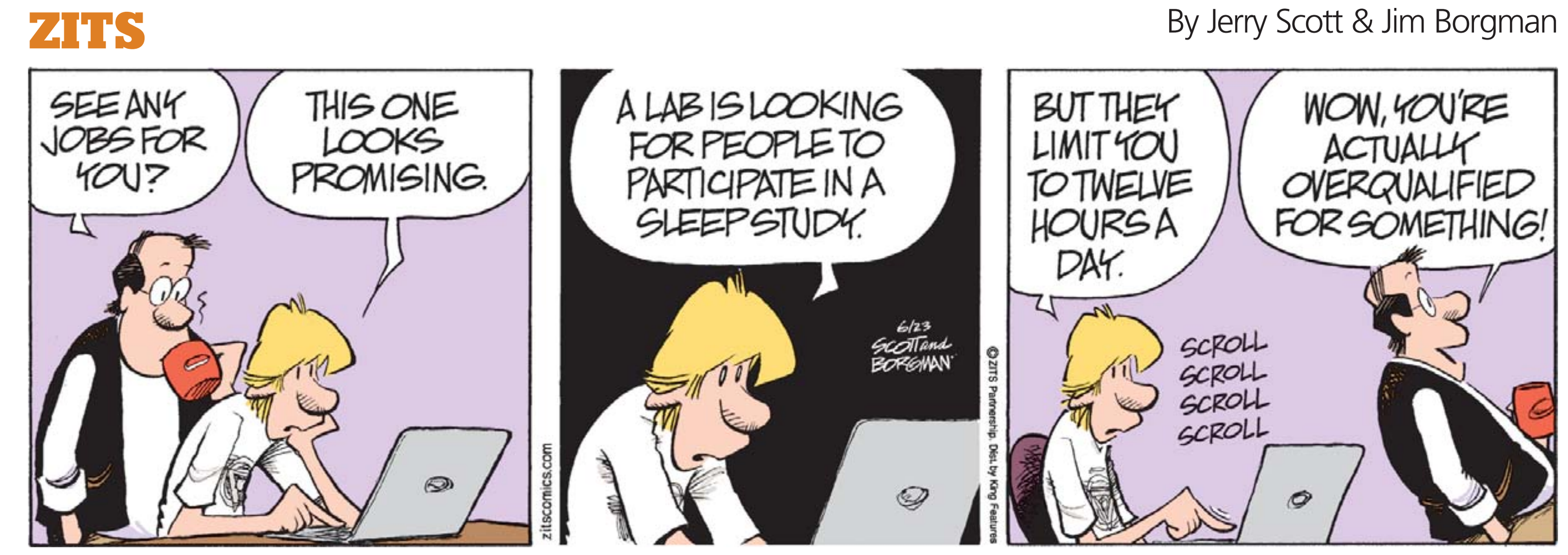

प्रसिद्ध साहित्यकार विजयदान देथा 'बिज्जी' शताब्दी समारोह का चूरू में शुभारंभ

बिज्जी ने शब्द की महत्ता को समझा और शब्द के साथ अजर-अमर हो गए : डॉ. घासीराम वर्मा

जयपुर /चूरू। प्रयास संस्थान की ओर से सुप्रसिद्ध साहित्यकार विजयदान देथा 'बिज्जी' शताब्दी समारोह का शुभारंभ सोमवार को चूरू में महान गणितज्ञ एवं समाजसेवी डॉ. घासीराम वर्मा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. कल्याणसिंह शेखावत ने की। पद्मश्री डॉ. चन्द्रप्रकाश देवल ने बिज्जी के साहित्य पर बीज भाषण दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सत्यनारायण एवं श्याम महर्षि मंचासीन रहे। प्रयास संस्थान के अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने अतिथियों का स्वागत करते हुए समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उम्मेद गोठवाल ने किया।

चूरू में आयोजित समारोह को कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

- पद्मश्री डॉ. चन्द्रप्रकाश देवल ने बिज्जी के साहित्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि बिज्जी आधुनिक राजस्थानी के पहले गद्य पुरुष थे

उद्घाटन करते हुए डॉ. घासीराम वर्मा ने कहा कि बिज्जी ने शब्द की महत्ता को समझा और शब्द के साथ स्वयं भी अजर-अमर हो गए। वे विश्व स्तर के साहित्यकार थे। उनका साहित्य अपनी लोक जड़ों से जुड़ा होने के साथ-साथ सार्वभौमिक संवेदनाओं को अभिव्यक्त करता है। बीज भाषण देते हुए पद्मश्री डॉ. चन्द्रप्रकाश देवल ने बिज्जी के साहित्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि बिज्जी आधुनिक राजस्थानी के पहले गद्य पुरुष थे। कहानी कैसे लिखी जाती है, यह बिज्जी से सीखा जाना चाहिए। उन्होंने सीमाओं का अतिक्रमण करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर राजस्थानी भाषा और साहित्य को पहचान दिलाई। कथा लेखन, संस्थान संचालन और संपादन से लेकर भाषा संस्कार तक बिज्जी ने उल्लेखनीय कार्य किया। विशिष्ट अतिथि श्याम महर्षि ने कहा कि बिज्जी हम सबके लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। उनका नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकित होना बिज्जी के साथ-साथ राजस्थानी साहित्य के वैश्विक कद को भी दर्शाता है। डॉ. सत्यनारायण ने बिज्जी को याद करते हुए कहा कि वे 'प्रोत्साहन पुरुष' थे। अनेक युवा लेखकों को उनके प्रोत्साहन से साहित्य में पहचान मिली और वे आज स्थापित लेखक के रूप में हमारे सामने हैं। उन्होंने बिज्जी के साथ बिताए दिनों को याद करते हुए कई आत्मीय संस्मरण भी सुनाए।

उद्घाटन सत्र के बाद दूसरे सत्र में 'बिज्जी और उनका रचना संसार' विषय पर विचार गोष्ठी हुई। इसकी अध्यक्षता राजाराम भादू ने की। फारूक अफरीदी, मालचंद तिवाड़ी, विनोद भारद्वाज, बुलाकी शर्मा, राजेन्द्र शर्मा 'मुसाफिर', महेन्द्र नेह, सत्येन्द्र चारण एवं दीनदयाल शर्मा ने बिज्जी के रचना संसार के विभिन्न पक्षों पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। संचालन डॉ. हरिमोहन सारस्वत ने किया। तीसरे सत्र में 'बिज्जी के लेखन में लोक' विषय पर विचार गोष्ठी हुई, जिसकी अध्यक्षता नंद भारद्वाज ने की। रामस्वरूप किसान, गौरीशंकर प्रजापत, डॉ. कृष्ण जाखड़, डॉ. कालू खां देशवाली एवं मोहन सोनी 'चक्र' ने बिज्जी के साहित्य में लोक तत्व की उपस्थिति और उसकी रचनात्मक अभिव्यक्ति पर अपने विचार साझा किए। संचालन राजूराम बिजारनिया ने किया। चौथे सत्र में 'विविध रूपा बिज्जी' विषय पर गोष्ठी आयोजित हुई। अध्यक्षता डॉ. मंगत बादल ने की। डॉ. मदन सैनी, डॉ. सत्यनारायण सोनी, राजेन्द्र कसवा, राजेन्द्र जोशी, उमा सुशील बछावत, विश्वनाथ भाटी एवं डॉ. हाकम अली नागरा ने बिज्जी के व्यक्तित्व और कृतित्व के विविध पक्षों पर विचार रखे। संचालन डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा ने किया। समारोह के विभिन्न सत्रों में वक्ताओं ने बिज्जी के साहित्य, लोक चेतना, भाषा संस्कार, कथा कला और उनके बहुआयामी व्यक्तित्व को याद करते हुए उन्हें राजस्थानी साहित्य की ऐसी विराट प्रतिभा बताया जिसने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से राजस्थानी साहित्य को देश और दुनिया में विशिष्ट पहचान दिलाई। इस अवसर पर पोस्टर प्रदर्शनी रूंख, बिज्जी : एक शब्दयात्रा का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में बिज्जी के साहित्य से चयनित महत्वपूर्ण उक्तियों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। साहित्य और चित्रकला के इस सुंदर समन्वय ने बिज्जी की रचनात्मक दृष्टि को एक नए दृश्य संदर्भ में सामने रखा। प्रदर्शनी में धर्मेंद्र पाल सिंह, पुनीत कुमार, रमेश शर्मा, रामकिशन अडिग और सुधीर बड़ोदिया ने अपने-अपने चित्रों के माध्यम से बिज्जी के विचारों और कथनों को अभिव्यक्ति दी। प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ. घासीराम वर्मा ने किया। युवा चित्रकार पुनीत कुमार ने प्रदर्शनी का संयोजन किया।

हनुमानगढ़ के लखुवाली गांव में हुई फायरिंग मामले में छह गिरफ्तार

- टाउन पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक 32 बोर पिस्टल, पांच देसी कट्टे, 10 जिंदा कारतूस और एक बाइक बरामद की
- इनामी हार्डकोर हिस्ट्रीशीटर इरफान खान के खिलाफ 42 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि अन्य आरोपियों का भी आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया

हनुमानगढ़, (निसं)। टाउन पुलिस ने लखुवाली गांव में हुई फायरिंग के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 50 हजार रुपए के इनामी हार्डकोर हिस्ट्रीशीटर इरफान खान उर्फ फान सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक 32 बोर पिस्टल, पांच देसी कट्टे, 10 जिंदा कारतूस और एक बाइक बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक इरफान के खिलाफ करीब 42 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि अन्य आरोपियों का भी आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया है। इस मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 10 अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। इनमें हनुमानगढ़ टाउन थाना, लखुवाली चौकी, शेरगढ़ चौकी, जिला विशेष टीम और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के सदस्य शामिल थे। टीमों ने हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर और बीकानेर समेत आसपास के इलाकों में लगातार दबिश दी। फायरिंग की घटना के तुरंत बाद जिले में ए-श्रेणी की नाकाबंदी कराई गई। पुलिस ने आरोपियों की आवाजाही का पता लगाने के लिए 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। टोल नाकों से भी जानकारी जुटाई गई और दर्जनों संदिग्धों से पूछताछ की गई। आरोपियों के संभावित भागने के रास्ते का पता लगाने के लिए पुलिस ने रूट मैप तैयार किया। इसके आधार पर संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी गई। पुलिस ने खेतों और बीहड़ क्षेत्रों में तलाश के लिए ड्रोन कैमरों की मदद भी ली।

पुलिस के अनुसार 30-31 अगस्त की मध्यरात्रि को हनुमानगढ़ से रावतसर जाने वाले मेगा हाइवे पर शेरगढ़ चौकी के पास नाकाबंदी की गई थी। इसी दौरान पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि एक बाइक पर सवार दो युवक भारतमाला रोड से चौहिलांवाली होते हुए चक 22 एनडीआर की तरफ भागे हैं। इनमें लखुवाली फायरिंग मामले का आरोपी इरफान खान भी शामिल था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम चक 22 एनडीआर, आदर्शनगर और सेम नाला क्षेत्र की ओर रवाना हुई। लिंक रोड पर पुलिस को सामने से एक बाइक आती दिखाई दी। पुलिस को देखते ही सवार ने बाइक दूसरी दिशा में भगाने का प्रयास किया, लेकिन हड़बड़ाहट में दोनों युवक बाइक से गिर गए। पुलिस ने मौके पर इरफान खान उर्फ फान और प्रियकांत उर्फ टोनी ताखर को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 32 बोर की एक पिस्टल, एक देसी कट्टा और छह जिंदा कारतूस बरामद हुए।

पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के मेगा हाईवे पर लखुवाली की रोही में इंतजार करने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस टीमों ने संभावित ठिकानों पर दबिश देकर जुमे खां पुत्र बरकत अली, जुम्मे खां पुत्र अकलीम खां उर्फ किमा, इब्राहिम पुत्र नूरजहां और नदीम खान को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खिलाफ थाना हनुमानगढ़ टाउन में अलग-अलग मामले दर्ज कर आर्म्स एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आगे की जांच और विस्तृत पूछताछ शुरू कर दी है।

अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों के पास इतनी संख्या में हथियार कहां से आए और इस पूरे नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस ने मामले में विस्तृत पूछताछ और अनुसंधान जारी रखा है।

मंडोर एक्सप्रेस से गिरा युवक, मौत

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती डांगियावास के आसरनाडा रेलवे ट्रेक पर एक युवक मंडोर एक्सप्रेस से चलती ट्रेन नीचे गिर गया। गंभीर चोट लगने पर उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई की तरफ से डांगियावास थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। डांगियावास पुलिस ने बताया कि सफेदबड़ी मकराना डीडवाना निवासी बीरबल पुत्र हनुमान राम की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका भाई 28 वर्षीय बाबूलाल मंडोर एक्सप्रेस ट्रेन में सवार होकर घर आ रहा था। ट्रेन जब आसरनाडा रेलवे ट्रैक पर पहुंची तब वह चलती ट्रेन से नीचे गिर गया और गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। डांगियावास पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया।

हादसे में एक ही परिवार के पांच लोग घायल

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले के सेतरावा कस्बे में भणियाणा देवीकोट सड़क मार्ग पर सोमेसर तिराहे के पास एक बोलेरो कैम्पर और पत्थरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की भीषण भिड़ंत हो गई। इस हादसे में कैम्पर में सवार एक ही परिवार के पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से तीन को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना प्रतापगढ़ पुराने पेट्रोल पंप से कुछ पहले हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई, जबकि बोलेरो कैम्पर पूरी तरह क्षितठास्त होकर चकनाचूर हो गई।

कैम्पर में सवार सभी लोग जैसलमेर के सांकड़ा निवासी थे और एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। घायलों में जस्सूकंवर (30) पत्नी चूतरसिंह, तनवीरसिंह (8) पुत्र मनोहरसिंह, सांवलसिंह (30) पुत्र धनसिंह, बबलू कंवर (28) पत्नी मनोहरसिंह और भोपालसिंह पुत्र मनोहर है।

सभी घायलों को निजी वाहन से सेतरावा सीएचसी लाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। गंभीर रूप से घायल जस्सूकंवर, तनवीरसिंह और सांवलसिंह को बेहतर इलाज के लिए जोधपुर रेफर कर दिया गया।

राजस्थान में पहली बार बिना मां जंगल के अनुकूल बना बाघ

बूंदी, (निसं)। राजस्थान के तेजी से उभरते रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व में बिना मां के बाघ शावक को वन विभाग ने जंगल के अनुकूल बनाने में सफलता प्राप्त की है। री-वाइल्डिंग की विस्तृत वैज्ञानिक प्रक्रिया के उपरांत 23 जून 2026 को रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के प्राकृतिक वन क्षेत्र में छोड़े गए बाघ आरवीटी-7 दो माह के भीतर ही जंगल की प्राकृतिक परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाने में सफल रहा है। बाघ को जंगल में हार्ड रिलीज के बाद की गई मॉनिटरिंग के दौरान यह सामने आया है कि उसने अब तक लगभग 41 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का भ्रमण व आधा दर्जन प्राकृतिक शिकार किए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि टाइगर रिजर्व में अब तक एक छत्र राज करने वाले बाघ आरवीटी-1 के साथ इसका दो-तीन बार आमना-सामना भी हुआ लेकिन दोनों नर बाघों के बीच किसी प्रकार का संघर्ष नहीं हुआ जो इस उभरते टाइगर रिजर्व के लिए शुभ संकेत है। बाघ ने अब तक आधा दर्जन प्राकृतिक शिकार भी सफलतापूर्वक किए हैं, जो जंगल में उसकी स्वतंत्र रूप से शिकार करने की क्षमता और री-वाइल्डिंग प्रक्रिया की सफलता का महत्वपूर्ण प्रमाण है। बाघ के द्वारा इलाके में सेंट स्प्रे व पेड़ों पर पंजो के निशान करना जैसे सामान्य टेरीटोरियल व्यवहार भी देखे गए हैं। साथ ही, अन्य बाघों के गतिविधि क्षेत्रों में आने-जाने के बावजूद अभी तक कोई प्रत्यक्ष आक्रामक संघर्ष दर्ज नहीं हुआ है। इस युवा बाघ को ज्यादातर टाइगर रिजर्व की युवा बाघिन आरवीटी-6 के साथ देखा गया है तथा उसके साथ मैटिंग व्यवहार भी रिकॉर्ड किया गया है, जो उसके प्राकृतिक व्यवहार और वन्य परिस्थितियों में सफल अनुकूलन का एक महत्वपूर्ण संकेत है।

- बाघ आरवीटी-7 दो माह के भीतर ही जंगल की प्राकृतिक परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाने में सफल रहा है
- बूंदी के रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व के नाम दर्ज हुआ रिकॉर्ड

इस सम्बंध में सुगना राम जाट, वन संरक्षक एवं क्षेत्र निदेशक, रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व का कहना है कि रामगढ़ -विषधारी टाइगर रिजर्व में बाघ आरवीटी-7 की यह वैज्ञानिक री-वाइल्डिंग बाघ संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और उत्साहजनक उपलब्धि है। बाघ की नियमित मोनिटरिंग की जा रही है।

अवैध खनन को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाए

पाटन, (निसं)। स्यालोदड़ा वन क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों के अनुसार रेंज पाटन के अंतर्गत वन क्षेत्र के खसरा नंबर 133 में तालाब के पास अवैध खनन के लिए उपयोग किए जाने वाले रास्ते पर खाई बंद कर दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यह रास्ता लंबे समय से अवैध खनन गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। वहीं, चिड़ीमार पहाड़ स्थित खसरा नंबर 72 में भी प्रतिदिन अवैध खनन होने का आरोप लगाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार पहाड़ों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जिससे प्राकृतिक संपदा और वन क्षेत्र के संरक्षण को लेकर चिंता बढ़ रही है। ग्रामीणों ने संबंधित वन एवं खनिज विभाग के अधिकारियों से पूरे क्षेत्र का मौका निरीक्षण करवाकर अवैध खनन की गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है।

सवारियों से भरी बस पोल से टकराई

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी कस्बे में सोमवार को उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब ब्रेक फेल होने से सवारियों से भरी बस अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से जा टकराई। हादसा राजकीय उप जिला अस्पताल के सामने हुआ। बस में करीब 38 सवारियां सवार थीं। गनीमत रही कि घटना के समय बिजली सप्लाई बंद थी, जिससे टूटे बिजली के तारों में करंट प्रवाहित नहीं हुआ और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार बस बबाई से सवारियों को लेकर सिंघाना जा रही थी। राजकीय उप जिला अस्पताल के सामने पहुंचते ही अचानक बस के ब्रेक फेल हो गए। चालक ने बस को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन बस बेकाबू होकर सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बिजली का पोल क्षतिग्रस्त हो गया तथा बिजली का तार टूटकर सड़क पर जा गिरा।

सामान्य वर्ग के सम्मान को लेकर अजमेर में भाजपा के पूर्व पदाधिकारी महेंद्र सिंह भाटी का विरोध

- महेंद्र सिंह भाटी ने जिला मुख्यालय के बाहर सिर मुंडवाकर जताई नाराजगी, भाटी ने टिकट वितरण में कार्यकर्ताओं की उपेक्षा का आरोप लगाया

अजमेर, (निसं)। नगर निगम चुनाव में टिकट वितरण को लेकर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व पदाधिकारी महेंद्र सिंह भाटी ने सोमवार को पार्टी नेतृत्व के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। भाटी ने सामान्य वर्ग के सम्मान और वार्डों में टिकट वितरण में कथित अनदेखी का आरोप लगाते हुए जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर सिर मुंडवाकर अपना विरोध जताया। इस दौरान उन्होंने पार्टी नेतृत्व की कार्यशैली और स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ किए जा रहे व्यवहार को लेकर सवाल उठाए। महेंद्र सिंह भाटी ने आरोप लगाया कि स्थानीय निकाय चुनाव में टिकट वितरण को लेकर तय किए गए फार्मूले के अनुसार सामान्य वर्ग के वार्डों में सामान्य वर्ग के प्रत्याशियों को प्राथमिकता दिए जाने की बात कही गई थी, लेकिन अजमेर दक्षिण क्षेत्र में इस नीति की अनदेखी की गई। उन्होंने कहा कि लंबे समय से पार्टी के लिए सक्रिय और निष्ठा पूर्वक कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की अपेक्षा की जा रही है।

भाटी ने वार्ड 52 गुलाबबाड़ी के कार्यकर्ताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 21 अगस्त को वार्ड 52 के कार्यकर्ता संबंधित विधायक से मिलने पहुंचे थे। इस दौरान कार्यकर्ताओं की ओर से अपनी बात रखने के लिए पत्र दिया गया, लेकिन कथित तौर पर उनके साथ नाराजगी जताई गई और पत्र को फेंक दिया गया। भाटी ने कहा कि लंबे समय से पार्टी के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं के साथ इस तरह का व्यवहार उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने वाला है। उन्होंने कहा कि भाजपा की रीति-नीति और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा में उनका विश्वास है और वह लंबे समय से संगठन के लिए कार्य करते आए हैं। लेकिन पार्टी में कार्यकर्ताओं के सम्मान और उनकी भावनाओं को भी महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर कार्यकर्ता कब तक अपमान और तिरस्कार सहता रहेगा।

महेंद्र सिंह भाटी ने वार्ड 52 गुलाबबाड़ी में पिछले चुनाव के आंकड़ों का हवाला देते हुए अपने और स्थानीय कार्यकर्ताओं के राजनीतिक योगदान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान पार्टी के लिए मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। टिकट वितरण में कार्यकर्ताओं की निष्ठा, सक्रियता और पिछले चुनावों में उनके योगदान को भी आधार बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनका विरोध किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि सामान्य वर्ग के सम्मान और कार्यकर्ताओं के आत्मसम्मान से जुड़े मुद्दे को लेकर है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व से टिकट वितरण की प्रक्रिया की समीक्षा करने और निष्ठावान कार्यकर्ताओं के साथ न्याय करने की मांग की।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी अनिल कुमार शर्मा सेवानिवृत्त

- उदयपुर में 20 वर्षों की उल्लेखनीय प्रशासनिक सेवा यात्रा का हुआ समापन, टीएडी के अतिरिक्त आयुक्त (द्वितीय) पद से सेवानिवृत्त हुये अनिल कुमार शर्मा
- अनिल कुमार शर्मा ने प्रशासन, नगर निगम, जनजातीय विकास और सहकारिता क्षेत्र में निभाई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां

उदयपुर, (निसं)। राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी अनिल कुमार शर्मा अपने दीर्घ एवं उल्लेखनीय प्रशासनिक सेवाकाल को पूर्ण करते हुए सेवानिवृत्त हो गए। अनिल कुमार शर्मा ने अपने सेवाकाल की अंतिम जिम्मेदारी जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग (टीएडी), उदयपुर के अतिरिक्त आयुक्त (द्वितीय) के रूप में संभाली। इसी पद पर रहते हुए उन्होंने अपनी सरकारी सेवा पूरी की और सेवानिवृत्ति ग्रहण की।

अनिल कुमार शर्मा की प्रशासनिक सेवा यात्रा की विशेष उपलब्धि यह रही कि उनका उदयपुर से लगभग 20 वर्षों तक निरंतर और महत्वपूर्ण प्रशासनिक जुड़ाव रहा। इस दौरान उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए प्रशासन, नगरीय निकाय, जनजातीय क्षेत्रीय विकास तथा सहकारिता क्षेत्र से संबंधित अनेक दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन किया।

टीएडी में अतिरिक्त आयुक्त के रूप में निभाई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी :-सेवाकाल के अंतिम चरण में शर्मा जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, उदयपुर में अतिरिक्त आयुक्त (द्वितीय) के पद पर कार्यरत रहे। इस महत्वपूर्ण दायित्व के दौरान अनिल कुमार शर्मा ने जनजातीय क्षेत्रों के विकास से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन, विभागीय गतिविधियों, छात्रावासों तथा जनजातीय समुदाय से जुड़े विभिन्न प्रशासनिक एवं विकासात्मक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जनजातीय क्षेत्र से लंबे समय तक जुड़े रहने के कारण उन्हें आदिवासी क्षेत्रों की प्रशासनिक आवश्यकताओं, विकास योजनाओं तथा विभागीय कार्यप्रणाली का व्यापक अनुभव प्राप्त हुआ।

टीएडी में दायित्व संभालने से पूर्व शर्मा नगर निगम उदयपुर में उप-आयुक्त के पद पर भी कार्य कर चुके हैं। अपने कार्यकाल के दौरान अनिल कुमार शर्मा ने नगरीय प्रशासन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। शहर की सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण नियंत्रण तथा अन्य नगरीय एवं प्रशासनिक मामलों में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई। नगर निगम में उनके कार्यकाल ने उन्हें शहरी प्रशासन की जटिलताओं और नागरिक सुविधाओं से जुड़े विषयों पर व्यापक प्रशासनिक अनुभव प्रदान किया। अनिल कुमार शर्मा राजस्थान जनजाति क्षेत्रीय विकास सहकारी संघ (राजस संघ), उदयपुर के प्रबंध निदेशक के पद पर भी कार्यरत रहे। इस दौरान उन्होंने जनजातीय समुदाय से संबंधित वनोपज, सहकारी गतिविधियों तथा व्यापारिक कार्यों से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया।

उदयपुर में आयोजित समारोह में अनिल कुमार शर्मा को विदाई दी।

राजस संघ में कार्य करते हुए अनिल कुमार शर्मा ने जनजातीय समुदाय के आर्थिक एवं सामाजिक हितों से जुड़ी गतिविधियों तथा सहकारिता क्षेत्र में कार्य करने का महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त हुआ। शर्मा की सेवा यात्रा की सबसे उल्लेखनीय विशेषताओं में से एक उनका लगभग दो दशकों तक उदयपुर से गहरा प्रशासनिक जुड़ाव रहा। विभिन्न पदों पर रहते हुए उन्होंने उदयपुर के प्रशासनिक, नगरीय, जनजातीय विकास और सहकारी क्षेत्रों में कार्य किया। एक ओर जहां नगर निगम में उन्होंने शहरी प्रशासन से जुड़े दायित्व संभाले, वहीं दूसरी ओर टीएडी एवं राजस संघ के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों और जनजातीय समुदायों के विकास से जुड़े कार्यों में योगदान दिया। इस प्रकार उनका प्रशासनिक अनुभव उदयपुर की शहरी व्यवस्था से लेकर जनजातीय अंचलों के विकास तक विस्तृत रहा।

अनिल कुमार शर्मा की दीर्घ एवं समर्पित प्रशासनिक सेवाओं के सम्मान में उनके सेवानिवृत्ति दिवस पर एक समारोह आयोजित किया गया। समारोह में उनके परिवारजनों, प्रशासनिक अधिकारियों, सहकर्मियों, पत्रकारों तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े शुभचिंतकों ने उपस्थित होकर उनकी सेवा यात्रा को याद किया और उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर रेखा शर्मा, हर्षिता शर्मा, डॉ. हर्षवर्धन एवं ए. शर्मा ने समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों, पत्रकारों, अधिकारियों, सहकर्मियों एवं शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया। परिवार की ओर से सभी अतिथियों का सम्मान एवं अभिनंदन करते हुए उनके स्नेह, शुभकामनाओं और सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया गया। समारोह में वक्ताओं ने अनिल कुमार शर्मा के लगभग 20 वर्षों के उदयपुर से जुड़े प्रशासनिक सफर, उनकी कार्यशैली, कर्तव्यनिष्ठा एवं विभिन्न प्रशासनिक दायित्वों में उनके योगदान को स्मरण किया।

टीएडी के अतिरिक्त आयुक्त (द्वितीय) पद से सेवानिवृत्ति के साथ ही राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अनिल कुमार शर्मा की उदयपुर से जुड़ी लगभग दो दशक लंबी प्रशासनिक सेवा यात्रा का एक महत्वपूर्ण अध्याय पूर्ण हुआ।

उदयपुर में एवीवीएनएल देबारी के जेईएन ने दस हजार की रिश्वत ली

उदयपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर की टीम ने एवीवीएनएल ऑफिस देबारी के जेईएन को पीड़ित से दस हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोवीन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी उदयपुर को एक शिकायत मिली कि परिवादी के गांव खाम की मादड़ी स्थित निर्माणाधीन मकान पर घरेलु विद्युत कनेक्शन करने की एवज में सागर मीणा जेईएन एवीवीएनएल आफिस देबारी उदयपुर द्वारा रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है। पीड़ित द्वारा ई-मित्र से ऑनलाईन आवेदन करने के बाद 18 अगस्त को आरोपी जेईएन सागर मीणा, लाईनमैन प्रेमजी द्वारा मौका सर्वे किया तथा विद्युत कनेक्शन के लिए डीपी एवं पोल लगाए जाने की आवश्यकता बताई गई। सागर मीणा ने सरकारी डिमांड राशि के अतिरिक्त 35 हजार रूपये खर्चा-पानी के रूप में देने की मांग की। इस संबंध में परिवादी अपने मित्र के साथ आरोपी से मिला। बातचीत के दौरान रिश्वत15 हजार रूपये मांगी तथा रूपये नहीं देने पर फाईल आगे नहीं बढेगी। इस पर शिकायत का सत्यापन कराया तो आरोपी सागर मीणा द्वारा रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इस दौरान 5 हजार रूपये आरोपी ने वसूल लिए तथा शेष 10 हजार बाद में लेना तय किया। इस पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ.रामेश्वरसिंह के पर्यवेक्षण में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर के अनन्त कुमार के निर्देशन में पुलिस निरीक्षक रामसुमेर मीणा के नेतृत्व में ट्रेप कार्यवाही कर कार्यालय में परिवादी से10 हजार रूपये रिश्वत लेते आरोपी सागर मीणा को गिरफ्तार किया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेश्का पुलिस स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक एस परिमला के पर्यवेक्षण में आरोपी सागर मीणा के उदयपुर एवं बांसवाड़ा स्थित आवासीय मकान एवं फ्लेट की सघन तलाशी के साथ साथ आरोपी से विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

जोधपुर में परचूनी आइटमों के वेयर हाउस में आग से लाखों का माल जला

जोधपुर, (कासं)। शहर के बासनी औद्योगिक क्षेत्र प्रथम चरण में आए बासनी रेलवे स्टेशन रोड-सुशील उद्योग के नजदीक सोमवार की तडक़े एक परचूनी आइटमों के वेयर हाउस में भीषण आग लग गई। हालांकि आगजनी में कोई जनहानि नहीं हुई है, मगर लाखों का माल जलकर नष्ट हो गया। आग लगने का कारण प्रथमदृष्टया शार्ट सर्किट माना जा रहा है। जोधपुर नगर निगम की एक दर्जन दमकलों ने 50 फेरे कर तीन घंटे में इस आग पर काबू पाया।

बासनी फायर स्टेशन के प्रभारी प्रशांत सिंह ने बताया कि बासनी प्रथम फेज स्थित बासनी रेलवे स्टेशन-सुशील उद्योग के पास में ब्लैंककीट का वेयरहाउस आया हुआ है, जोकि 100 गुणा 100 से ज्यादा परिसर में बना है। यह वेयर रात डेढ़-दो बजे बंद होता है। सोमवार की तड़के सवा चार बजे के आस पास यहां पर मौजूद एक चौकीदार को आग लगने का पता लगा। उसने अपने स्तर पर आग को बुझाने का प्रयास किया। मगर वह सफल नहीं हो पाया। इस पर बाद में बासनी फायर स्टेशन को सूचना दी गई।

अध्यक्ष रवि शर्मा ने किया कारागृह का निरीक्षण

कोटपूतली। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोटपूतली के अध्यक्ष रवि शर्मा द्वारा सोमवार को जिला कारागृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य कारागृह में बंदियों को उपलब्ध करवाई जा रही मूलभूत सुविधाओं, स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन कर उनकी गुणवत्ता की जांच करना था। इस दौरान सचिव नीलम मीणा भी उपस्थित रही। निरीक्षण के दौरान जिला न्यायाधीश ने सर्वप्रथम कारागृह परिसर की साफ-सफाई का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने बैरकों, रसोई घर, शौचालयों, स्नानागारों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता का अवलोकन करते हुए जेल प्रशासन को जेल परिसर में साफ-सफाई बनाये रखने के निर्देश दिये। न्यायाधीश द्वारा कारागृह की रसोई घर का निरीक्षण कर बंदियों को उपलब्ध करवाये जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान बैरकों में स्थापित पंखे, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की जांच की। सुरक्षा व्यवस्था की जांच करते हुए अध्यक्ष द्वारा सुरक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाए रखने तथा समय-समय पर उनकी जांच करने के निर्देश दिए तथा जेल पर सीसीटीवी कैमरा लगवाने के निर्देश दिए, ताकि सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर किया जा सके। निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश द्वारा बंदियों के साथ भी संवाद किया गया एवं उनकी समस्याओं को सुना गया। उन्होंने बंदियों को उपलब्ध करवाई जा रही चिकित्सकीय सुविधाओं की भी जांच की। साथ ही जेल प्रशासन को बंदियों की समस्याओं का निदान करने के निर्देश दिए। साथ ही जिन बंदियों के पास निजी अधिवक्ता नहीं था उनके विधिक सहायता के फॉर्म भरवाकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भेजने के निर्देश दिये गये।

निवाई में भाजपा व कांग्रेस ने सभी 40 वार्डो की सूची की जारी

निवाई। निवाई नगर पालिका चुनाव में 40 वार्डों के लिए होने वाले चुनाव में भाजपा व कांग्रेस ने सभी प्रत्याशियों की अधिकृत सूची जारी कर दी है। भाजपा ने वार्ड नंबर 1 से रामभजन नट, वार्ड नंबर 2 से गजानंद, वार्ड 3 से करण सिंह, वार्ड नंबर 4 से खेमराज मीणा, वार्ड 5 से नरेंद्र जयसिंहपुरा, वार्ड 6 से महेश तिवाडी, वार्ड 7 से चंदन वर्मा, वार्ड 8 से घनश्याम, वार्ड 9 से अजय पारीक, वार्ड 10 से सुनीता चौधरी, वार्ड 11 से धर्मेन्द्र साहू, वार्ड 12 से मनोज पाटनी, वार्ड 13 से ओमप्रकाश वर्मा, वार्ड 14 से तुलसी करनानी, वार्ड 15 से सुमित्रा वर्मा, वार्ड 16 से राजकमल, वार्ड नंबर 17 से फिजा मालावत, वार्ड 18 से रवि सैनी, वार्ड 19 से अनीता सैन, वार्ड 20 से अनीता गोयल, वार्ड 21 से विनीता करनानी, वार्ड 22 से सुमन पारीक, वार्ड 23 से नितिन छाबडा, वार्ड 24 से जितेंद्र चंवरिया, वार्ड 25 से दिलीप इसरानी, वार्ड 26

निवाई उपखंड अधिकारी कार्यालय में रिटर्निंग अधिकारी को पार्टी की अधिकृत सिंबल सूची सौंपते हुए कांग्रेस के प्रभारी।

से जोंटी नकवाल, वार्ड 27 से मोहम्मद यामीन, वार्ड 28 से संपत किराड, वार्ड नंबर 29 से ईसाक मुगल, वार्ड 30 से मधु सैनी, वार्ड 31 से शमशेर, वार्ड 32 से शिवानी शर्मा, वार्ड 33 से बाबूलाल माली, वार्ड 34 से दिव्या सिसोदिया, वार्ड 35 से रेखा भढाणा, वार्ड 36 से सीता जाट, वार्ड नंबर 37 से देवराज गुर्जर, वार्ड नंबर 38 से अंजु देवी, वार्ड नंबर 39 से रामकिशन सैनी व वार्ड नंबर 40 से कैलाश चन्द जांगिड अधिकृत उम्मीदवार है। इसी प्रकार कांग्रेस पार्टी ने वार्ड नंबर 1 से बनवारी गंगवाल, वार्ड नंबर 2 से दयाराम चौधरी, वार्ड 3 से द्वारका सैनी, वार्ड 4 से गुलाब मीणा, वार्ड 5 से राजेश स्वामी, वार्ड 6 से

सभी प्रत्याशियों ने भरे नामांकन

एडवोकेट सतीश शर्मा, वार्ड 7 से केसर लाल, वार्ड 8 से आरिफ कुरेशी, वार्ड 9 से मनमोहन पारीक, वार्ड नंबर 10 से आराधना जाट, वार्ड नंबर 11 से गोविन्द सोनी, वार्ड 12 से डोली चौधरी, वार्ड नंबर 13 से विनोद वर्मा, वार्ड नंबर 14 से लल्लु खंगार, वार्ड 15 से अनिता, वार्ड नंबर 16 से राहुल महावर, वार्ड 17 से गुलफशा, वार्ड नंबर 18 से दुर्गालाल सैनी, वार्ड 19 से तनीषा, वार्ड नंबर 20 से कृष्णा जैन, वार्ड नंबर 21 से ममता जांगिड, वार्ड 22 से नीतू सांवलिया, वार्ड 23 से महावीर पराणा, वार्ड 24 से सुनिता जैन, वार्ड 25 से महेंद्र मेठवानी, वार्ड 26 से कन्हैयालाल, वार्ड नंबर 27 से अल्लारखा, वार्ड नंबर 28 से मीनाक्षी उम्मीदवार है।

45 वार्डों के लिए कुल 233 प्रत्याशियों ने 234 नामांकन पत्र दाखिल किये

चौमूं / कालाडेरा। चौमूं नगर परिषद के 45 वार्डों के लिए कुल 233 प्रत्याशियों ने 234 नामांकन पत्र चौमूं उपखण्ड कार्यालय में रिटर्निंग अधिकारी चौमूं उपखंड अधिकारी अजीत सिंह राठौर के पास दाखिल किये। सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल करने का आखिरी दिन होने पर नामांकन पत्र दाखिल करने वाले प्रत्याशियों की अच्छी खासी भीड देखने को मिली। चौमूं नगर परिषद के 45 वार्डों के लिए भाजपा, कांग्रेस, आरएलपी, व निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपने अपने नामांकन दाखिल किये हैं। वहीं कालाडेरा नगर पालिका के 20 वार्डों के नामांकन पत्र सेठ आर एल सहरिया महाविद्यालय में बनायें गए कक्ष में रिटर्निंग अधिकारी चौमूं एसएमएम मुक्ता राव के पास 102 प्रत्याशियों ने 112 नामांकन पत्र दाखिल किये। कालाडेरा नगर पालिका के 20 वार्डों पर भाजपा, कांठोस, आरएलपी, और निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपने अपने नामांकन दाखिल किये है।

आम सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक- F-JDA/Zone -B/2026/D-424

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 324944 दिनांक 13.08.2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue of (Lease/ Free Hold) Deed (E-Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीज धारक का नाम	भूखण्ड संख्या 27	गृ.नि.स.स./निजी/खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Sonal Malukani W/o Ravi Malukani	श्री रवि मलकानी	भूखण्ड क्षेत्रफल 100.00 Sq. Meter	JDA	Loha Mandi Macheda Phase-II Sector/ Block-F	Issue of (Lease/ Free Hold) Deed (E-Patta)	पंजीकृत हकत्याग पत्र

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue of (Lease/ Free Hold) Deed (E-Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जायेगी।

करंट की चपेट में आने से 22 वर्षीय युवक की मौत

पावटा। खेत में फव्वारे लगाने के दौरान 11 हजार केवी विद्युत लाइन से पानी के जरिए हवा में करंट बनने से 22 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और परिजनों में कोहराम मच गया। ग्राम पंचायत प्रेमनगर निवासी संदीप पुत्र गिरधारी खेत में सिंचाई के लिए फव्वारे लगाने का कार्य कर रहा था। इसी दौरान खेत के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन नीची होने के कारण संपर्क क्षेत्र में फव्वारे से निकलता पानी पहुंच गया। पानी के माध्यम से हवा में करंट बनने से युवक इसकी चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने युवक को बचाने का प्रयास किया और उसे तत्काल उपजिला अस्पताल पावटा पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की उम्र महज 22 वर्ष बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

पावटा में सुबह से ही नामांकन जमा कराने वालों की भीड़ एसडीएम कार्यालय में

पावटा। नगरीय निकाय चुनाव 2026 को लेकर पावटा प्रागपुरा नगरपालिका में आज सियासी हलचल अपने चरम पर नजर आई। नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन कांग्रेस, भाजपा, आरएलपी और निर्दलीय प्रत्याशियों ने बड़ी संख्या में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। 45 वार्डों वाली पावटा प्रागपुरा नगरपालिका में प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। चुनावी प्रक्रिया के बीच कांग्रेस और भाजपा ने भी अपने अधिकृत चुनावी सिंबल रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष जमा कर दिए। कांग्रेस की ओर से कांग्रेस जिलाध्यक्ष व पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर ने रिटर्निंग अधिकारी बृजेश कुमार के समक्ष पार्टी के चुनावी सिंबल प्रस्तुत किए। वहीं

कांग्रेस ने अपने 45 वार्डों के प्रत्याशियों की लिस्ट की जारी

भाजपा की ओर से विधायक प्रतिनिधि आशीष धनकड ने पार्टी के चुनावी सिंबल जमा करवाए।

आरएलपी की ओर से आरएलपी नेता महेश यादव पार्टी के चुनावी सिंबल जमा करवाए। उपखंड पावटा रिटर्निंग अधिकारी बृजेश कुमार ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन गुरुवार को 4 प्रत्याशियों के 5 नामांकन व शुक्रवार को रक्षाबंधन का अवकाश होने के कारण दूसरे दिन शनिवार को 51 प्रत्याशियों के 58 नामांकन दाखिल हुए। वही नामांकन के अंतिम दिन 258 प्रत्याशियों ने 273 नामांकन दाखिल किए। तीन दिन में कुल 310 प्रत्याशियो के 336 नामांकन प्राप्त हुए। नामांकन के अंतिम दिन प्रत्याशियों और दावेदारों में खासा उत्साह देखने को मिला। नामांकन के अंतिम दिन सुबह से ही पावटा उपखंड कार्यालय के आसपास प्रत्याशियों और समर्थकों की भीड जुटती रही। कोई ढोल-नगाड़ों के साथ नामांकन दाखिल करने पहुंचा तो कई प्रत्याशी समर्थकों के साथ माला पहनकर और उत्साह के माहौल में नजर आए। पूरे दिन चुनावी माहौल में गहमागहमी बनी रही। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका के सभी 45 वार्डों में अब राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। प्रत्याशी नामांकन दाखिल करने के बाद मतदाताओं से संपर्क साधने में जुट गए हैं। वहीं कांठोस पार्टी ने अपने 45 वार्डों के प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की है लेकिन चुनावी रण की असली तस्वीर भाजपा पार्टी की अधिकृत सूची जारी होने के बाद साफ होगी कि किस वार्ड में पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी कौन होगा और कौन बागी या निर्दलीय के रूप में चुनावी मैदान में उतरता है। इसके बाद ही चुनाव प्रचार भी पूरी तरह जोर पकडेगा। फिलहाल नामांकन के अंतिम दिन पावटा प्रागपुरा नगरपालिका के 45 वार्डों में उत्साह, शक्ति प्रदर्शन और सियासी दावेदारी का नजारा देखने को मिला। अब सभी की निगाहें कांठोस-भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी सूची और उसके बाद बनने वाले चुनावी समीकरणों पर टिकी है।

'ज्ञान-विज्ञान में सर्वोत्तम है स्वर विज्ञान'

जयपुर। श्याम नगर स्थित भिक्षु साधना केंद्र श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, जयपुर के तत्वाधान में आयोजित विशेष सेमिनार 'भाग्योदय का विज्ञान–स्वर विज्ञान' में आचार्य महाश्रमण के शिष्य मुनि सुधाकर ने स्वर विज्ञान के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ज्ञान और विज्ञान की दृष्टि से स्वर विज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण एवं अद्भुत विज्ञान है। यह व्यक्ति की अंतरदृष्टि को जागृत करने के साथ जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्य की दिशा प्रशस्त करता है। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि सुधाकर ने कहा कि हमारे शरीर में 72 हजार नाड़ियां मानी गई हैं, जिनमें 10 प्रमुख तथा तीन अत्यंत महत्वपूर्ण नाड़ियां हैं। इन्हें इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना कहा जाता है।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 678/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री राहुल कुमार, निवासी सरसैना, सरसेना, भरतपुर राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास जाट अधिकारी कर्मचारी कल्याण परिषद, 34 श्री विनायक विहार, गोविन्दपुरा, कालवाड रोड, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 9.7.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 16.9.26

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम वचना राम से बदलकर वचना राम सुथार कर लिया है, वचना राम सुथार पुत्र श्री हंजा राम निवासी- सुथारों की ढाणी, नरसाना, बागोड़ा, जालोर, राजस्थान। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे।

मैं केवलराम पुत्र श्री कैलाश तिरोले निवासी नांगल पुरोहित, राजवास, पुरोहितान, जयपुर 302032 अपना नाम केवल तिरोले से बदलकर केवलराम रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें।

I Shishram Jakhar Army no. 3195171M Rank- NK R/o Rampur, Teh. Bansur, Alwar Rajasthan have changed my daughter's name from Kumari Lakshita Jakhar to Lakshita and DOB from 05-01-2007 to 31-05-2009 in my army service records for all future purposes.

I Shishram Jakhar Army no. 3195171M Rank- NK R/o Rampur, Teh. Bansur, Alwar Rajasthan have changed my son's Mayank Jakhar DOB from 03-09-2005 to 03-09-2006 in my army service records for all future purposes.

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 321/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि प्रार्थी विरेन्द्र कुमार मिश्रा निवासी 19-20 रामानन्द कॉलोनी लाल डिग्गी रोड अलवर राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत अलवर नेटवर्क फॉर पिपुल विद् एचआईवी एड्स संस्थान अलवर भैरू मंदिर के पास वार्ड न0 44 अलवर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 3.8.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 13.10.26

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

विद्यार्थियों ने दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

कोटपूतली। राजकीय महाविद्यालय विराटनगर में निर्वाचन साक्षरता क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों में निर्वाचन जागरूकता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सजगता विकसित करने के उद्देश्य से चुनाव स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. मीणा ने की। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मतदाता जागरूकता, मतदान का महत्व, युवा मतदाताओं की भूमिका, लोकतंत्र की मजबूती, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन तथा मतदाता के अधिकार एवं कर्तव्यों जैसे विषयों पर प्रभावशाली एवं प्रेरणादायी स्लोगन लिखकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने अपने स्लोगनों के माध्यम से मतदान करें, लोकतंत्र मजबूत करें जैसे संदेशों के जरिए अधिक से अधिक नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं में मतदान के प्रति जागरूकता, लोकतांत्रिक जिम्मेदारी तथा निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता की भावना विकसित करना रहा। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. के.एल. मीणा ने विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं में निर्वाचन एवं मतदान के प्रति जागरूकता लोकतंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं मतदान करने के साथ-साथ अपने परिवार एवं समाज के अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का आ ान किया। साक्षरता क्लब प्रभारी आमोद कुमार शर्मा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. प्रियंका अठावाल ने कहा कि इस तरह की रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया से जोडकर उन्हें जागरूक, जिम्मेदार एवं सक्रिय नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम में डॉ. कपिल कक्कड एवं श्री अजीत सेपट सहित महाविद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आकर्षक एवं संदेश परक स्लोगनों के माध्यम से लोकतंत्र में मतदाता की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय स्टाफ का

निर्वाचन के दौरान पेड न्यूज पर रहेगी कड़ी निगरानी, मीडिया प्रकोष्ठ का गठन

कोटपूतली। राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान ने नगरपालिका एवं पंचायतीराज संस्थाओं के निर्वाचन के दौरान पेड न्यूज पर प्रभावी निगरानी रखने के निर्देश जारी किए हैं। राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों द्वारा मीडिया के माध्यम से प्रसारित अथवा प्रकाशित कराए जाने वाले पेड न्यूज के मामलों की निगरानी कर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जिले में जिला स्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी के अध्यक्ष जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं एडीएम सदस्य तथा सहायक जिला जनसम्पर्क अधिकारी सदस्य सचिव नियुक्त किए गए हैं। कमेटी जिले में संदिग्ध पेड न्यूज के मामलों की जांच कर नियमानुसार निर्णय करेगी।

जिले में एक मीडिया प्रकोष्ठ का भी गठन किया गया है, जिसके नोडल

पेड न्यूज के मामलों की निगरानी कर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जिले में जिला स्तरीय मीडिया

अधिकारी सँयुक्त निदेशक हैं। मीडिया प्रकोष्ठ समाचार पत्र-पत्रिकाओं की नियमित मॉनिटरिंग एवं कटिंग संधारित करने के साथ आवश्यकतानुसार टेलीविजन, केबल, कम्प्यूटर, रेडियो एवं इंटरनेट आदि के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रसारित होने वाले विज्ञापनों, संदिग्ध पेड न्यूज एवं आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों पर निगरानी रखेगा। किसी समाचार को प्रथम दृष्टया संदिग्ध पेड न्यूज पाए जाने पर प्रकरण जिला स्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी के समक्ष रखा जाएगा। कमेटी द्वारा पेड न्यूज माने जाने की स्थिति में संबंधित अभ्यर्थी को रिटर्निंग अधिकारी के माध्यम से नोटिस जारी किया जाएगा तथा नोटिस की तामील के 48 घंटे के भीतर जवाब प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाएगा। अभ्यर्थी द्वारा पेड न्यूज स्वीकार किए जाने अथवा निर्धारित अवधि में जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने की स्थिति में नियमानुसार उसकी लागत निर्वाचन व्यय खाते में जोडी जाएगी। यदि अभ्यर्थी पेड न्यूज होने से इनकार करता है तो प्रकरण पुनः जिला स्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी के समक्ष प्रस्तुत कर निर्णय लिया जाएगा। जिला स्तरीय कमेटी के निर्णय के विरुद्ध मुख्य निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी के समक्ष 48 घंटे के भीतर अपील की जा सकेगी। पेड न्यूज की लागत निर्वाचन व्यय में होगी शामिल कमेटी द्वारा पेड न्यूज का निर्णय किए जाने पर संबंधित समाचार की लागत निर्धारित दरों के आधार पर ज्ञात कर अभ्यर्थी के निर्वाचन व्यय खाते में जोड़ी जाएगी। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रसारित पेड न्यूज के मामले में प्रसारण के समय एवं अवधि के आधार पर लागत निर्धारित की जाएगी। पेड न्यूज से संबंधित मामलों का पृथक रजिस्टर भी निर्धारित प्रारूप में संधारित किया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान पेड न्यूज की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया के लिए आयोग के निर्देशों की पूर्ण अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आयोग अनुसार पेड न्यूज से आशय ऐसे समाचारों से हैं जो प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया या अन्य किसी रीति के द्वारा विज्ञापन के रूप में नहीं आकर एक सामान्य समाचार की तरह प्रकाशित या प्रसारित की जाती हैं।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनूसूची संख्यांक 4

न्यायालय अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश (ACJM-2) क्रम-2 स्थान जयपुर महानगर द्वितीय

मोहम्मद फारूख विरूद्ध श्रीमती शकुन्तला

वाद/प्रार्थना पत्र T.I.

प्रार्थना-पत्र संख्या 21 सन् 2025

नाम श्रीमती शकुन्तला पत्नि स्व.श्री पवन कुमार शर्मा पता निवासी म.नं.1 गुडवालों की बगीची, पानी की टंकी के पास, झोटवाडा जयपुर 302012

उक्त....... ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि...

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 15 माह 09 सन् 2026 को 10.00 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने मे असफल रहेगें तो उक्तआदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा यह आज ता. 18 माह 08 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर

न्यायालय
अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश
एवं अतिरिक्त मुख्य मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
क्रम-02 जयपुर महानगर द्वितीय

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय अपर वरिष्ठ सिविल जज (ACJM-2) स्थान जयपुर महानगर (द्वितीय)

मोहम्मद फारूख विरूद्ध श्रीमती शकुन्तला

वाद बाबत-133/2025

वाद सं.CIS-175/25

बनाम श्रीमती शकुन्तला पत्नि स्व.पवन कुमार शर्मा अन्य पता म.नं. 1, कृष्णा कॉलोनी गुडवालों की बगीची, झोटवाडा जयपुर

ने आपके विरूद्ध..... के लिये वाद पंजीयत किया है आपको इस न्यायालय में तारीख 15 माह 09 सन् 2026 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता हैं कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हैं। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता हैं कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज ता. 17 माह 08 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

अपर सिविल न्यायाधीश एवं
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
क्रम-02 जयपुर महानगर द्वितीय

खोया पाया

मेरे मकान 30/61/8, मानसरोवर जयपुरका मूल आवंटन पत्र, स्वर्ण पथ पर गिर/ खो गया। मिलने पर सूचित करें- बिमलेश शर्मा-9799480282

मेरे मकान 10/682, मानसरोवर का मूल कब्जा पत्र, कावेरी पथ पर गिर/खो गया। मिलने पर सूचित करें- प्रियंका जेसवानी- 9351666587

मेरे प्लॉट नंबर 112/178 थड़ी मार्केट मानसरोवरका मूल पजेशन लेटर कही गुम गया है। मिलने पर सूचित करें। हनुमान सहाय, 8440001010

मेरा मकान संख्या 31/28/12, मानसरोवर, जयपुर का मूल आवंटन/कब्जा पत्र खो गया है। मिलने पर सूचित करें। मो.9024098203

नम्बर मिलाइए
8890333139
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

देवली : पार्टी का टिकट मिलने वालों के चेहरों पर खुशी छाई

देवली शहर की नगर पालिका के चुनाव में आवेदन के अंतिम दिन कार्यालय में भीड़ रही।

देवली (नि स)। शहर की नगर पालिका के चुनाव हेतु आवेदन के अंतिम दिन,यहां पार्टी का टिकट मिलने वालों के चेहरे पर खुशिया छाई रही तो वही दर्जनों के चेहरे पार्टी का सिंबल नहीं मिलने की वजह से मुरझाए दिखाई पड़े। इसी के साथ भाजपा और कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने पर दर्जनों प्रत्याशियों ने बागी के रूप में पार्षद चुनाव में उतरने की ताल ठोक डाली है। उल्लेखनीय है कि आगामी 9 सितंबर को होने जा रहे है निकाय चुनाव में अपना अपना भाग्य आजमाने के लिए कांग्रेस बीजेपी और निर्दलीय प्रत्याशियों ने आज सोमवार को अंतिम दिन अपने-अपने आवेदन पत्र उपखंड अधिकारी कार्यालय में दाखिल करवाए दिये है। यहां देखने वाली बात तो यह रही की वार्ड पार्षद का चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की भीड़ में निवर्तमान पालिका अध्यक्ष नेमीचंद जैन ने फिर से वार्ड नंबर 14 से पार्षद चुनाव लड़ने की ताल ठोक दी है। निवर्तमान पालिका अध्यक्ष नेमीचंद जैन के समर्थन में दर्जनो समर्थकों के साथ देवली उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर भी उपस्थित रहे थे। इस मौके पर देखा गया कि देवली उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर ने भाजपा प्रत्याशी के रूप में निवर्तमान पालिका अध्यक्ष नेमीचंद जैन का नामांकन दाखिल करवाया है। इसी प्रकार कांठोस से भी प्रबल दावेदारी के प्रत्याशियों ने कांग्रेस के सिंबल पर अपने-अपने समर्थकों की के साथ उपखंड कार्यालय में अपना-अपना नामांकन दाखिल करवा दिया है। इस दौरान वार्ड नंबर 8 से मफरोज बानो, वार्ड नंबर 9 से ऋषिका डाबोलिया,, वार्ड नंबर 10 माया देवी बेरवा,, वार्ड नंबर 12 से नगर कांठोस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ जिंदल,, वार्ड नंबर 13 से राजस्थान कांग्रेस की वरिष्ठ नेता माया सुवालका के भाई राहुल सुवालका सहित देवली शहर के निवर्तमान पार्षद एवं देवली शहर के वरिष्ठ कांठोस नेता भीमराज जैन, श्यामा गर्ग,, ने अपना अपना नामांकन पत्र दाखिल करवा दिया। इसी प्रकार भाजपा के सिंबल पर वार्ड नंबर 4 से भूपेंद्र कुमार रेगर वार्ड नंबर 7 से ललित तेजी वार्ड नंबर 16 से विनोद साहू वार्ड नंबर 26 सुनीता गौतम,, वार्ड नंबर 30 से विजय चौधरी,, वार्ड नंबर 33 से कृष्ण प्रताप नरूका,, सहित अन्य पार्टियों के प्रत्याशियों ने अपने अपने नामांकन दाखिल करवा दिए हैं। उल्लेखनीय की 9 सितंबर को यहां वार्ड पार्षद के चुनाव के मतदान होंने जा रहे हैं। पालिका वार्ड पार्षद चुनाव में कांग्रेस बीजेपी और निर्दलीय प्रत्याशियों सहित अन्य पार्टी के सिंबल पर दर्जनों प्रत्याशियों ने चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमाने के लिए पूरी तैयारी के साथ ताल ठोक दी है।

वार्ड 49 से मुकेश शर्मा 'काका' ने भरा नामांकन

जयपुर। नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा के वार्ड 49 से प्रत्याशी मुकेश शर्मा 'काका' ने सोमवार को सांगानेर स्थित उपखंड कार्यालय पहुंचकर नामांकन दाखिल किया। इस दौरान

बड़ी संख्या में समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे

उनके साथ बड़ी संख्या में समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा ने मुकेश शर्मा 'काका' को लगातार दूसरी बार वार्ड 49 से पार्षद का टिकट दिया है। सांगानेर विधानसभा क्षेत्र मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का निर्वाचन क्षेत्र है। ऐसे में पार्टी ने क्षेत्र में मजबूत पकड़ रखने वाले, विश्वसनीय और चुनाव जीतने की क्षमता रखने वाले नेताओं को प्राथमिकता दी है। पूर्व पार्षदों में मुकेश शर्मा 'काका' भी पार्टी के प्रमुख भरोसेमंद चेहरों में शामिल हैं। नामांकन के बाद काका ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वार्ड के विकास, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और आमजन की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता रहेगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ठेकों के ई-ऑक्शन सूचना

संख्या: सी-45/1/केटरिंग/ई-ऑक्शन/2026

दिनांक: 27.08.2026

कार्य का नाम : जयपुर मण्डल के विभिन्न श्रेणी के रेलवे स्टेशनों पर कैटरिंग स्टाल के ठेकों हेतु ई-ऑक्शन। **कार्य की अवधि** : कैटरिंग स्टाल-05 वर्ष **लॉट के ई-ऑक्शन प्रारम्भ की तिथि एवं समय** : कैटरिंग स्टाल (Catg-37)- दिनांक 15.09.2026 को 11.15 बजे। **वेबसाइट जहां से लॉट वाइज ई-ऑक्शन के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।** : www.ireps.gov.in 1254-DI/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रोमिल मदान** निदेशक/एआर, **मैसर्स लाल चंद फूड प्रोडक्ट, पता:** एफ-101, रीको औद्योगिक क्षेत्र, बस्सी, जिला जयपुर, राजस्थान-303201, ने **CT Case No. 1443/2022, U/S 138 NI Act, पुलिस स्टेशन मॉडल टाउन, उत्तर-पश्चिम ज़िला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CT Case No. 1443/2022, U/S 138 NI Act, पुलिस स्टेशन मॉडल टाउन, उत्तर-पश्चिम ज़िला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **रोमिल मदान** निदेशक/एआर, **मैसर्स लाल चंद फूड प्रोडक्ट,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.10.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री आकाश शर्मा

DP/12193/NW/2026 (Court Matter) न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03 (उत्तर), कमरा नं0 213, द्वितीय तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

हिन्दू-मुस्लिम एकता की मिसाल बना बुर्हान बाबा का उर्स

मनोहरपुर (निसं)। निकटवर्ती ग्राम ताला में स्थित हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत बुर्हान बाबा रहमतुल्लाह अलेह का दो दिवसीय वार्षिक उर्स बडे ही अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया। उर्स के मौके पर दूर-दराज से आए सैकडों जायरीनों का सैलाब उमड पडा और पूरी दरगाह परिसर या बुर्हान हक बुर्हान" की सदाओं से गूंज उठा।

उर्स में शिरकत करते हुए हजरत ख्वाजा सैयद शाह अहमद चिश्ती (रह.) के सज्जादानशीन व सूफी खानकाह एसोसिएशन के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष हजरत सैयद आबिद अली चिश्ती फरीदी फाखरी ने जायरीनों को संबोधित करते हुए कहा कि "बुर्हान बाबा की दुआ से मुकद्दर संवर जाता है।" उन्होंने कहा कि हजरत बुर्हान बाबा ने वर्षों पूर्व इस घने जंगल के एकांत में बैठकर कठोर चिल्लाकशी और इबादत की थी। अल्लाह ने उन्हें ऐसी करामाती ताकत अता की थी कि उनकी दुआ से कई लाइलाज लोगों को शिफा मिली, कई बिगडे काम बने। उनकी करामात छुप न सकी और देखते ही देखते उनकी शोहरत पूरे जगत में फैल गई, जिसके बाद हिन्दू-मुस्लिम सभी धर्मों के लोग उनके मुरीद बन गए। आज भी जो सच्चे दिल से उनकी चौखट पर आता है, उसकी मुराद जरूर पूरी होती है। इस पाक मौके पर दरगाह कमेटी की जानिब से एक दस्तारबंदी प्रोग्राम भी रखा गया, जिसमें सूफी विचारधारा को आगे बढाने वाले कई खादिमों को सम्मानित किया गया।

पूर्व सरपंच एफ डी खान ने आबिद अली चिश्ती कि दस्तारबंदी की दस्तारबंदी में मोहम्मद अमीन खान साबरी, समाजसेवी वसीम राजा साहब (जयपुर), फहीम खान फरीदी (जयपुर), शफीक बाबा (जयपुर), महबूब मनिहार (धानोता), रोशन मनिहार (रडावास), मजीद खान उस्ताद (अमरसर), कम्मो चाचा, सलीम कुरैशी, मुस्तफा कुरैशी, रिजवान खान, फारूक काजी, सैयद सादिक अली चिश्ती सहित तमाम साथियों की दस्तारबंदी की।

निवाई में सबसे अधिक वार्ड 11 में 11 प्रत्याशियों ने भरे पर्चे

निवाई। नगर पालिका चुनाव 2026 को लेकर सोमवार को उपखंड अधिकारी कार्यालय में कांठोस व भाजपा सहित निर्दलीय 205 प्रत्याशियों ने निर्वाचन अधिकारी गंभीर सिंह को नामांकन पत्र सौंपा है। इस दौरान प्रशासन व पुलिस प्रशासन ने नामांकन दाखिल प्रक्रिया एवं आचार संहिता व कानून व्यवस्था पुख्ता रखी। निर्वाचन अधिकारी गंभीर सिंह ने बताया कि नगर पालिका के 40 वार्डों के लिए सोमवार को नामांकन दाखिले के अन्तिम दिन 205 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन दाखिल किया है। उन्होंने बताया कि वार्ड संख्या 1 से 5, वार्ड संख्या 2 से 7, वार्ड संख्या 3 से 5, वार्ड संख्या 4 से 10, वार्ड संख्या 5 से 4, वार्ड संख्या 6 से 9, वार्ड संख्या 7 से 3, वार्ड संख्या 8 से 7, वार्ड संख्या 9 व 10 से 3-3, वार्ड संख्या 11 से 11, वार्ड संख्या 12 से 2, वार्ड संख्या 13 से 6, वार्ड संख्या 14 से 8, वार्ड संख्या 15 से 4, वार्ड संख्या 16 से 3, वार्ड संख्या 17 से 4, वार्ड संख्या 18 से 7, वार्ड संख्या 19 से 6, वार्ड संख्या 20, 21 व 22 से 3-3, वार्ड संख्या 23 व 24 से 7-7, वार्ड संख्या 25 से 2, वार्ड संख्या 26 व 27 से 5-5, वार्ड संख्या 28 व 29 से 4-4, वार्ड संख्या 30 से 8, वार्ड संख्या 31 से 5, वार्ड संख्या 32 से 6, वार्ड संख्या 33 से 4, वार्ड संख्या 34 व 35 से 2-2, वार्ड संख्या 36 से 3, वार्ड संख्या 37 व 38 से 7-7, वार्ड संख्या 39 से 5 व वार्ड संख्या 40 से 6 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए हैं।

निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव के लिए व्यवस्थाएं पुख्ता रखने के निर्देश

टोंक। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने सोमवार को टोंक पहुंचकर नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने एपीआरटीएस स्थित टोंक रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष में निर्वाचन से जुड़ी व्यवस्थाओं का अवलोकन कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) टीना डाबी, जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा एवं निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक कर चुनाव तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न निर्वाचन प्रकोष्ठों द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं उनकी प्रगति के संबंध में जानकारी ली। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा नगर निकाय चुनाव को लेकर की गई व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं उपयुक्त है। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से जिले की कानून व्यवस्था, पुलिस प्रबंध, मतदान दलों की व्यवस्था, मतदान के दौरान दिव्यांग मतदाताओं को दी जाने वाली सुविधाएं, स्वीप गतिविधियों, मतदान केंद्रों, मतदान एवं मतगणना स्थलों सहित चुनाव से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि टोंक जिले में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर तैयारियां संतोषजनक हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि मतदान से लेकर मतगणना एवं चुनाव परिणाम घोषित होने तक सभी व्यवस्थाएं प्रभावी रूप से नियंत्रण में रहेंगी और चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होगी। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी (एडीएम) विनोद कुमार मीणा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राकेश कुमार मीणा, एएसपी रतनलाल भार्गव,कोषाधिकारी हरीश लालावत, नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट सहित निर्वाचन से जुड़े अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा ने चौमूं और कालाडेरा के निकाय चुनावों में सभी वर्गों को सर्वसमावेशी प्रतिनिधित्व दिया

- सर्वे और जनभावनाओं के आधार पर तय किए गए उम्मीदवार, कोई वर्ग छूटा तो नॉमिनेट पार्षदों में दी जाएगी प्राथमिकता
- विकास के लिए भाजपा का बोर्ड बनाने की अपील

चौमूं / कालाडेरा । भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने आज सुभाष सर्किल स्थित भाजपा कार्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने नगर परिषद चौमूं और नगर पालिका कालाडेरा में टिकट वितरण के दौरान सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र को अपनाते हुए सभी समाजों एवं वर्गों को यथोचित प्रतिनिधित्व दिया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए रामलाल शर्मा ने बताया कि वार्डों में पार्टी प्रभारियों द्वारा कराए गए गहन सर्वे और क्षेत्रीय जनभावनाओं के आधार पर ही योग्य व निष्ठावान उम्मीदवारों का चयन किया गया है। नगर परिषद चौमूं: सैनी समाज को 11, कुमावत समाज को 6, ब्राह्मण समाज को 5, जाट, यादव व महाजन समाज को 4-4, जांगिड़ व प्रजापत समाज को 2-2 तथा बुनकर, हरिजन, खटीक, नाई, मीणा, राजपूत व रेगर समाज को 1-1 टिकट दिए गए हैं। नगर पालिका कालाडेरा: कुमावत समाज को 6, ब्राह्मण समाज को 3, यादव समाज को 2 तथा मीणा, बुनकर, रेगर, सैनी, सुनार, जांगिड़, छिपा एवं नाई समाज को 1-1 प्रत्याशी बनाया गया है। पूर्व विधायक ने आश्वस्त किया कि यदि टिकट वितरण में किसी कारणवश कोई वर्ग छूट गया है, तो निकाय में बोर्ड बनने के बाद मनोनीत (नॉमिनेट) पार्षदों के चयन में उन समाजों को प्राथमिकता से प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। कांठोस बोर्ड और स्थानीय विधायक एवं सांसद की विफलता पर निशाना: वर्ष 2020 से 2026 तक चौमूं नगर परिषद में रहे कांठोस बोर्ड की कार्यप्रणाली पर हमला बोलते हुए शर्मा ने कहा कि कांठोस के कुशासन और भ्रष्टाचार से जनता भली-भांति परिचित है। वहीं पिछले ढाई वर्षों में क्षेत्र से चुने गए कांठोस सांसद अमराराम पर क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद सांसद ने एक बार भी चौमूं की जनता की सुध नहीं ली। विकास के लिए भाजपा बोर्ड बनाने की अपील: रामलाल शर्मा ने आमजन से अपील की कि वर्तमान में राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार है। क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना आवश्यक है। उन्होंने चौमूं को बीसलपुर पेयजल परियोजना से जोड़ने, सभी वार्डों में गुणवत्तापूर्ण सड़कों के निर्माण तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार का वादा करते हुए चौमूं और कालाडेरा दोनों निकायों में भाजपा का स्पष्ट बहुमत से बोर्ड बनाने का आ ान किया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि सभापति का चयन चुने गए पार्षदों द्वारा ही किया जाएगा।

दौसा में भाजपा और कांग्रेस ने घोषित किए वार्ड प्रत्याशी

- निकाय चुनाव में नामांकन के अंतिम दिन गहमागहमी रही

दौसा (निसं.)। दौसा नगर निकाय चुनाव के तहत नामांकन के अंतिम दिन सोमवार को नामांकन दाखिल किये जाने को लेकर काफी गहमागहमी रही। 55 वार्डो के लिए 725 प्रत्याशियों ने भाजपा, कांग्रेस एवं निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में नामांकन दाखिल किये। इधर प्रत्याशियों के साथ हजारों की संख्या में समर्थक भी पहुंचे जिसके चलते पुलिस प्रशासन को भारी पुलिस बल तैनात करना पडा। वही दूसरी ओर सोमवार को दोपहर बाद भाजपा एवं कांठोस ने प्रत्याशियों की सूची जारी किये जाने के साथ ही दोनो पार्टियों के बागियों में गहरा आक्रोश फैल गया।

दौसा नगर परिषद के 55 वार्डो के लिए 724 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन दाखिल किये।

उल्लेखनीय है कि दौसा नगर परिषद के 55 वार्डो के लिए 724 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन दाखिल किये। नामांकन दाखिल होने का अंतिम दिन होने के कारण प्रात: से नामांकन दाखिल करने वालो की लम्बी कतार लगना शुरु हो गई थी। नामांकन दाखिल करने का समय साढे 10 बजे तक हजारों की संख्या में लोग एकत्रित हो गये। इधर भारी भीड एवं समर्थको के पहुंचने की संभावना के चलते जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर के आसपास भारी पुलिस जाप्ता तैनात किया गया तथा प्रत्याशियों एवं समर्थन को गेट नबंर दो से प्रवेश दिया गया था। इधर भारी भीड को देखते हुये पुलिस एवं जिला प्रशासन द्वारा छाया, पानी एवं हवा की माकूल व्यवस्था की गई थी। कतार लगी नामांकन दाखिल करने के लिए तकरीबन एक किलो मीटर तक लम्बी कतार लग गई, जिसके चलते कलेक्ट्रेट के अधिकांश कार्यालयों में कामकाज पूरी तरह से ठप रहा। वही दूसरी ओर पुलिस प्रशासन द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर को पूरी तरह से सील कर दिया गया था। चार में से तीन गेट पर प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंध कर दिया गया था।

भाजपा एवं कांठोस ने प्रत्याशियों की सूची जारी की:- भाजपा एवं कांठोस द्वारा दोपहर बाद अपने अपने प्रत्याशियो की सूची जारी की गई। कांठोस की ओर से एडवोकेट जगजीवन राम बैरवा एवं भाजपा की ओर से प्रभारी सीमा कपिल सिंबल लेकर रिटर्रिंग आफिसर के पास पहुचे। इधर भाजपा ने वार्ड 1 से सरिता देवी, वार्ड 2 से विक्रांत जायसवाल, वार्ड 3 से इन्द्रा बैरवा, वार्ड 4 से सतीश कुमार, वार्ड 5 से शकुन्तला, वार्ड 6 से कविता, वार्ड 7 से आशीष गुप्ता, वार्ड 8 से प्रिया गुप्ता, वार्ड 9 से ऋषिराज मीणा, वार्ड 10 से रीना गुर्जर, वार्ड 11 (रिक्त), वार्ड 12 से विकास कुमार मीना, वार्ड 13 (रिक्त), वार्ड 14 से योगेश खण्डेलवाल, वार्ड 15 से राधा जायसवाल, वार्ड 16 से पंकज गुप्ता, वार्ड 17 से गोविन्द राय महावर, वार्ड 18 से चन्द्रमोहन वशिष्ठ, वार्ड 19 से दीपक कुमार शर्मा, वार्ड 20 (विचाराधीन), वार्ड 21 से संदीप कुमार मीना, वार्ड 22 से केदार प्रसाद मीणा, वार्ड 23 से मोहम्मद जावेद खान, वार्ड 24 से मनीष कुमार महावर, वार्ड 25 से शबनम, वार्ड 26 से सलीम, वार्ड 27 से शाहिस्ता बेगम, वार्ड 28 से अंजलि खण्डेलवाल, वार्ड 29 से अनिता कुमारी, वार्ड 30 से प्रियंका शर्मा, वार्ड 31 से रिषभ खण्डेलवाल, वार्ड 32 से इन्द्र कुमार, और वार्ड 55 से देवेन्द्र कुमार नाराणिया को प्रत्याशी घोषित किया गया है।

अवैध देशी शराब के 56 पव्वे जब्त

निवाई। सदर पुलिस ने अवैध शराब व मादक पदार्थ की रोकथाम को लेकर कार्रवाई करते हुए अवैध देशी शराब के 56 पव्वे जब्त करके एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि पुलिस अधीक्षक रोशन मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव एवं डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा के निर्देशन में अवैध शराब व मादक पदार्थ की रोकथाम को लेकर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गश्त के दौरान गांव भगतरामपुरा में आरोपी राजाराम पुत्र नारायण गुर्जर को गिरफ्तार करके उससे अवैध देशी शराब के 56 पव्वे जब्त किए है।

खेल मैदान व विद्यालय की बदहाली के खिलाफ गूंजी युवाओं की आवाज

- कलेक्टर व विधायक प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत नारेहड़ा में खेल मैदान, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय एवं अन्य मूलभूत समस्याओं को लेकर स्थानीय युवाओं ने एकजुट होकर आवाज उठाई है। सोमवार को युवाओं के एक प्रतिनिधि मंडल ने जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता एवं विधायक प्रतिनिधि पंकज पटेल को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र की गंभीर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन में नारेहड़ा के खेल मैदान की बदहाली को दूर करने के लिए उसके समतलीकरण, उचित पानी निकासी, बिजली व्यवस्था और मजबूत चारदीवारी निर्माण की मांग की गई है। साथ ही युवाओं को खेल के बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी व वॉलीबॉल सहित विभिन्न खेलों की आवश्यक खेल सामग्री तथा उचित प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने का आग्रह किया गया। युवाओं ने गांव में एक सर्वसुविधायुक्त इंडोर स्टेडियम के निर्माण की आवश्यकता पर भी बल दिया। इसके अतिरिक्त महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय की गिरती स्थिति को लेकर भी गहरी चिंता व्यक्त की गई। ज्ञापन में विद्यालय भवन की आवश्यक मरम्मत करवाने, छात्र-छात्राओं के लिए शुद्ध पेयजल व सुचारू शौचालय व्यवस्था सुनिश्चित करने, शिक्षकों एवं शैक्षिणक संसाधनों की कमी को तुरंत दूर करने तथा लगातार घटती छात्र संख्या की समस्या का स्थाई समाधान निकालने की मांग रखी। युवाओं ने पारदर्शिता लाने के लिए विद्यालय विकास समिति के सदस्यों में बदलाव करने की भी मांग की।

एसडीएम कार्यालय के बाहर रहा मेले जैसा माहौल

निवाई में नामांकन भरने के लिए जुलूस के रूप में जाते भाजपा कार्यकर्ता ।

- पुलिस प्रशासन रहा पूरी तरह चौकस

निवाई। नगर पालिका चुनाव 2026 को लेकर सोमवार को नामांकन का अन्तिम दिन होने के कारण नाम निर्देशन के लिए भाजपा, कांग्रेस व निर्दलय प्रत्याशियों ने अपने समर्थकों के साथ उपखंड अधिकारी कार्यालय पहुंचे। जिससे एसडीएम कार्यालय परिसर के बाहर मेले जैसा माहौल दिखाई दिया।

भाजपा के सभी 40 प्रत्याशी नामांकन भरने के लिए विधायक रामसहाय वर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं के साथ जुलूस के रूप में नारे लगाते हुए पहुंचे। इसी प्रकार कांठोस के प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ अलग-अलग समूहों में उपखंड अधिकारी कार्यालय में नाम निर्देशन फॉर्म जमा करवाए।

इसी प्रकार भाजपा व कांठोस पार्टी से टिकट नहीं मिलने से नाराज कार्यकर्ताओं ने निर्दलीय फार्म भरने के बाद अपना गुस्सा निकाला। कई नाराज कार्यकर्ता यह कहते हुए नजर आए कि अधिकृत प्रत्याशी को अब जीताकर बता देना। जो चर्चा का विषय बना हुआ है। नाम निर्देशन के चलते प्रशासन व पुलिस प्रशासन पूरी तरह चौकस रहा। पुलिस ने पार्टियों के जुलूस को एसडीएम कार्यालय सीमा के बाहर करीब 100 मीटर की दूरी पर ही रोक दिया। किसी भी वाहन को प्रवेश नहीं दिया गया और प्रत्याशी के साथ केवल एक प्रस्तावक को ही प्रवेश दिया गया। सभी प्रत्याशियों ने शुभ मुहूर्त में अपने-अपने पर्चे दाखिल किए।

विद्यार्थियों ने मतदाता जागरूकता का संदेश दिया

पावटा। राजकीय महाविद्यालय विराटनगर में निर्वाचन साक्षरता क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों में निर्वाचन जागरूकता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सजगता विकसित करने के उद्देश्य से चुनाव स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. मीणा ने की। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मतदाता जागरूकता, मतदान का महत्व, युवा मतदाताओं की भूमिका, लोकतंत्र की मजबूती, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन तथा मतदाता के अधिकार एवं कर्तव्यों जैसे विषयों पर प्रभावशाली एवं प्रेरणादायी स्लोगन लिखकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने अपने स्लोगनों के माध्यम से मतदान करें, लोकतंत्र मजबूत करें जैसे संदेशों के जरिए अधिक से अधिक नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं में मतदान के प्रति जागरूकता, लोकतांत्रिक जिम्मेदारी तथा निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता की भावना विकसित करना रहा। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. के.एल. मीणा ने विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं में निर्वाचन एवं मतदान के प्रति जागरूकता लोकतंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

नामांकन की अंतिम तिथि को चुनाव कार्यालय में भीड़

- चुनाव में भाजपा ने 37 एवं कांठोस की ओर से 23 प्रत्याशियों के नाम की सूची रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष पेश की
- राजगढ़ नगर पालिका के 40 वार्डो मे भाजपा एवं कांग्रेस सभी वार्ड में प्रत्याशी नहीं दे पाई

राजगढ़ । नगर पालिका चुनाव को लेकर नामांकन की अंतिम तिथि 31 अगस्त सोमवार को निर्वाचन कार्यालय परिसर में भारी सैलाब उमड़ा । नामांकन के अंतिम दिन 263 दावेदारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। कुल नामांकन 385 दर्ज किये। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों एवं उनके समर्थकों की भारी भीड के कारण निर्वाचन कार्यालय परिसर एवं तहसील क्षेत्र में मेले का माहौल रहा।

समर्थकों की भारी भीड़ के कारण निर्वाचन कार्यालय परिसर एवं तहसील क्षेत्र में मेले का माहौल रहा।

इन चुनाव में भाजपा ने 37 एवं कांठोस की ओर से 23 प्रत्याशियों के नाम की सूची रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष पेश की। राजगढ़ नगर पालिका के 40 वार्डो मे भाजपा एवं कांठोस सभी वार्ड में प्रत्याशी नहीं दे पाई।राजगढ़ नगर पालिका के 40 वार्डों के लिए भारी संख्या में निर्दलीय प्रत्याशियों के खड़े होने से चुनाव रोचक होने की संभावना बन गई है।

रिटर्निंग अधिकारी सुश्री सीमा मीणा ने बताया कि नामांकन के अंतिम दिन पुलिस एवं अन्य पुख्ता व्यवस्थाएं की गई है। कुछ प्रत्याशी ढ़ोल के साथ भी नामांकन करने आए। इधर नामांकन की अंतिम तिथि के दिन महिला पुरुषों की लगी लाइनो ने मतदान के प्रति उत्साह एवं उमंग के साथ लोकतंत्र की महिमा को उजागर किया। निर्वाचन कार्यालय परिसर में पुलिस एवं प्रशासन का पुख्ता प्रबंध रहा।

सार-समाचार

लालसोट नगरपरिषद चुनाव में नामांकन की बाढ़ : 35 वार्डों में 162 दावेदारों ने ठोकी ताल

लालसोट। नगरपरिषद चुनाव को लेकर लालसोट की सियासत पूरी तरह गर्मा गई है। 35 वार्डों के लिए कुल 162 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल कर चुनावी रण में अपनी दावेदारी ठोक दी है। भाजपा और कांठोस के उम्मीदवारों के साथ बडी संख्या में निर्दलीयों के मैदान में उतरने से कई वार्डों में मुकाबला रोचक और कांटे का होने के आसार हैं। अब सबकी नजर नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी पर टिकी है। इसके बाद ही साफ होगा कि किस वार्ड में सीधी टक्कर होगी और कहां बागी व निर्दलीय उम्मीदवार बड़े दलों का खेल बिगाड़ेंगे।

विजेता खिलाड़ी सम्मानित

निवाई। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित खेल सप्ताह का समापन समारोह पूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि डाइट प्रधानाचार्य पीयूष कुमार शर्मा एवं स्थानीय विद्यालय के प्रधानाचार्य गिरिराज प्रसाद गुर्जर द्वारा प्रतियोगिता के विजेता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडिय़ों को पारितोषिक, मोमेंटो एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पीयूष कुमार शर्मा ने कहा कि खेलकूद से न केवल शारीरिक और मानसिक विकास होता है, बल्कि अनुशासन और टीम भावना का भी निर्माण होता है। व्याख्याता शारीरिक शिक्षा मोहनलाल निराला ने बताया कि 100 मीटर दौड़ बालक सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान मनराज प्रजापत, द्वितीय स्थान जयप्रकाश वर्मा व तृतीय स्थान ल्यूसेन्ट जाट,100 मीटर दौड़ बालक जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान तिलक महावर,100 मीटर दौड़ बालिका सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान निशा सैनी, द्वितीय स्थान किस्मत यादव ने प्राप्त किया। इसी प्रकार लम्बी कूद में प्रथम स्थान विशाल सैनी,द्वितीय स्थान अमन सैनी व तृतीय स्थान जयसिंह ने प्राप्त किया।

सिन्धी सुहागनों ने रखा टीजड़ी का व्रत

निवाई। सिंधी समाज की महिलाओं ने सोमवार को पति की दीर्घायु और परिवार की सुख समृद्धि के लिए पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ टीजड़ी पर्व मनाया। दिनभर निर्जल व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना की। सिन्धु वीमेन वेलफेयर सोसाइटी की अध्यक्षा ऋचा इसरानी ने बताया कि महिलाओं ने भोर में कोकी व मीठी मानी का अल्पाहार कर उपवास शुरू किया। सामूहिक रूप से धान्य रूप में टीजड़ी (तीज) माता की पूजा की, माता को झूले में झुलाया और कथा सुनी। रात्रि में चंद्रोदय पर कच्चे दूध, जल व कुट्टी का अर्घ्य देकर व्रत का पालन पूर्ण किया। समिति सदस्य कविता मयूरा ने बताया कि पर्व की पूर्व संध्या पर संस्कृति संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में समाज की सभी महिलाओं ने मिलजुल कर मेहंदी रचाई और विभिन्न गतिविधियों में उत्साह पूर्व भाग लिया।

हत्या के मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार

निवाई। बरोनी थाना पुलिस ने हत्या की वारदात में शामिल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी जयमल सिंह ने बताया कि 26 अगस्त को गांव डारडातुर्का के पीतावास में सफाई के मामले को लेकर हुई मारपीट के दौरान हीरालाल की चौट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने उक्त मामले में हत्या का मामला दर्ज करते हुए आरोपी मनमोहन सिंह गुर्जर, राजाराम गुर्जर, पाना देवी गुर्जर, नीरू देवी गुर्जर व धोली देवी गुर्जर सभी निवासी पीतावास को गिरफ्तार किया है।

अवैध गांजे के दो पौधे जप्त

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे नशा मुक्त टोंक अभियान के तहत अलीगढ थाना पुलिस की विशेष टीम व जिला स्पेशल पुलिस टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाकर अलीगढ क्षेत्र से आरोपी कानसिंह पुत्र प्रहलाद मीना उम्र 41 साल निवासी श्योपुरा थाना उनियारा को ग्राम उखलाना के बाडा में लोहे की जाली के पास उगे हरे रंग के अवैध मादक पदार्थ गांजा के दो पौधे जो 13 किलोग्राम वजन के पाये गये को जप्त किया जाकर आरोपी को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया गया है।

वार्ड 36 से अजय सैनी ने भरा निर्दलीय नामांकन

टोंक। नगर परिषद के वार्ड नंबर 36 से अजय सैनी सांखला ने सोमवार को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया, इस नामांकन के दौरान समर्थक भी मौजूद रहे। इस मौके पर अजय सैनी सांखला ने बताया कि वे वार्ड के विकास एवं क्षेत्रवासियों की समस्याओं के समाधान को लेकर पिछले कई वर्षों से लगातार प्रयास करते आ रहे हैं। भाजपा से टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य वार्ड में विकास कार्यों को गति देना और आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करवाना है। उन्होंने वार्डवासियों से सहयोग और समर्थन की अपील की।

'अखंड सौभाग्य का प्रतीक है सातूड़ी तीज'

मनोहरपुर (निसं)। भामाशाह मोहन कुडी ने कहा कि भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाने वाला प्रमुख पर्व सातूडी तीज (जिसे कजरी तीज, कजली तीज या बडी तीज भी कहते हैं) क्षेत्र में बडे ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। यह व्रत मुख्य रूप से राजस्थान और उत्तर भारत में सुहागिनों द्वारा अखंड सौभाग्य और पति की दीर्घायु के लिए रखा जाता है। कुडी ने मुख्य बातें और परंपराएं इस प्रकार बताया है कि इस दिन महिलाओं ने गेहूं, चना और चावल के सत्तू से बने विभिन्न प्रकार के पकवान (पिंड) बनाकर नीमडी माता और भगवान शिव-माता पार्वती को भोग लगाया। शाम के समय महिलाओं ने मिट्टी से छोटा तालाब बनाकर नीम की टहनी को नीमडी माता के रूप में स्थापित किया और विधिवत पूजा-अर्चना कर सातूडी तीज की कथा सुनी। महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखा और रात को चंद्रमा को अर्घ्य देने व दर्शन करने के बाद व्रत का पारण किया। खासतौर पर राजस्थान (जैसे जोधपुर और जयपुर) में तीज से एक दिन पहले धमोळी मनाई जाती है, जिसमें पारंपरिक पकवानों और बाजारों में खासा उल्लास का माहौल देखने को मिला। कुल मिलाकर सातूडी तीज का यह पर्व महिलाओं के अटूट विश्वास और पति के प्रति प्रेम का प्रतीक है।

'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' अभियान का समापन

कोटपूतली, (निसं)। राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर जिला पुलिस द्वारा आयोजित तीन दिवसीय खेल अभियान खेलेगा भारत, जीतेगा भारत का अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ समापन हो गया है। 28 से 30 अगस्त तक चले इस भव्य अभियान के तहत पुलिस मुख्यालय एवं जिला पुलिस लाईन परिसर में विभिन्न खेल गतिविधियों और कार्यक्रमों का शानदार आयोजन किया गया। यह पूरा अभियान श्रद्धांजलि, खेल एवं गति के तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित रहा, जिसका मुख्य उद्देश्य पुलिस कर्मियों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना तथा उनमें टीम भावना और अनुशासन का संचार करना था। 3 दिवसीय अभियान की प्रमुख गतिविधियां :- प्रथम दिवस 28 अगस्त को अभियान के पहले दिन पुलिसकर्मियों का उत्साहवर्धन करने के लिए डिजिटल श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके बाद रस्सा-कस्सी, ऊर्जावान '29 चैलेंज', 'पास द बॉल', 'स्पोर्ट्स बंधन' और रेस जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें जवानों ने पूरे दमखम के साथ भाग लिया।

भारत के खिलाफ टली हुई सीरीज के लिए नई तारीख तलाशने पर बातचीत चल रही है। भारत को अगस्त-सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलने थे, लेकिन सीरीज फिलहाल टाल दी गई है।

– तमिम इकबाल

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष, भारत-बांग्लादेश सीरीज को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ रोहित शर्मा

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज और 2024 टी20 विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा अब क्रिकेट के मैदान के बाद टेलीविजन की दुनिया में भी नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने अपने आगामी शो 'फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा' के नाम की घोषणा की है। यह शो 19 सितंबर 2026 से प्रसारित होगा। रोहित शर्मा इस शो के मुख्य आकर्षण होंगे और इसके जरिए उनका बहुप्रतीक्षित टेलीविजन डेब्यू होगा। पारिवारिक मनोरंजन पर आधारित इस कार्यक्रम को दर्शकों के लिए एक नए और मनोरंजक अंदाज में पेश किया जाएगा।

क्या आप जानते हैं ?... मेजर ध्यानचंद को खेल के क्षेत्र में योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें 1956 में देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया।

एफआईएच पैरा हॉकी विश्व कप में भाग लेकर लौटे भारतीय टीम के मुख्य कोच दलजेन्द्र सिंह ने अपने अनुभव साझा किये

भारत का तात्कालिक ध्यान अगले साल अक्टूबर में चिली में होने वाले स्पेशल ओलंपिक समर गेम्स पर केंद्रित

जाकिर हुसैन

जयपुर, 31 अगस्त। एफआईएच पैरा हॉकी विश्व कप में भाग लेने के लिए 20 से 24 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में हुई इस प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम ने प्रदेश में अपना अंतिम प्रशिक्षण शिविर पूरा कर टीम 18 अगस्त को नीदरलैंड के लिए रवाना हुई थी। इस ऐतिहासिक सफर में गुरुग्राम की भी अहम भूमिका रही है। भारतीय टीम को तैयार करने की प्रक्रिया की शुरुआत ही 29 अक्टूबर 2025 को गुरुग्राम में आयोजित लेवल-1 कोच प्रशिक्षण शिविर से हुई थी। इसके बाद फरवरी में फरीदाबाद में पहली राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप आयोजित हुई, जबकि मई में कोचों के लिए लेवल-2 प्रशिक्षण भी गुरुग्राम में हुआ। विश्व कप तक पहुंचने वाली टीम की नींव प्रशिक्षण, प्रतियोगिता और लगातार अभ्यास के जरिए गुरुग्राम-फरीदाबाद में ही तैयार हुई। पहला एफआईएच पैरा हॉकी विश्व कप 6-ए-साइड प्रारूप में खेला गया।

खास बात यह है कि मुकाबले मिश्रित प्रारूप में प्रत्येक टीम में 10 खिलाड़ी हुए। भारत समेत 16 देशों की टीमो ने इसमें हिस्सा लिया। इनमें मेजबान बेल्जियम और नीदरलैंड के अलावा मलेशिया, पाकिस्तान, फ्रांस, जर्मनी, जाम्बिया, आयरलैंड, इटली, अमेरिका, बुल्गारिया, चिली, इंग्लैंड, स्पेन और अर्जेंटीना शामिल हुईं।

भारत के 15 सदस्यीय दल में 10 खिलाड़ी, दो कोच और तीन सहायक कर्मचारी शामिल थे।

भारतीय टीम के मुख्य कोच दलजेन्द्र सिंह ने टीम के खिलाड़ियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि टीम की कमान हरियाणा के जीवन के हाथों में थी जोकि एक डिफेंडर की पोजिशन में खेलते है। हरियाणा की साक्षी और तमन्ना मिडफील्ड में टीम का हिस्सा रहीं। पंजाब की अमनदीप कौर, दिल्ली के गोलकीपर इशान प्रताप सिंह, राजस्थान की अनामिका कंवर, आंध्र प्रदेश के जगनमोहन सियती, गुजरात की तस्लीन, केरल के सूरज बाबू और हिमाचल प्रदेश की ममता भी भारतीय टीम में शामिल रही।

टीम के मुख्य कोच दलजेन्द्र सिंह थे जिन्होंने देश के विभिन्न राज्यों (पंजाब, आंध्र प्रदेश, गुजरात और राजस्थान आदि) से आए इन बच्चों को प्रशिक्षित किया। कोच राजेश्वरी ने भी टीम को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई।

5 मैच हारे, 2 जीते ओर 1मैच ड्रा रहा : दलजेन्द्र सिंह ने बताया कि भारतीय टीम ने 5 मैच हारे, 2 जीते ओर 1मैच ड्रा रहा। भारतीय टीम ने 22 अगस्त 2026 को नीदरलैंड्स के एमस्टेलवीन मेंअर्जेंटीना को 7- 0 से हराकरविश्व स्तर पर पैरा फील्ड हॉकी में भारत की पहली ऐतिहासिक जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने चिली को 10- 1 गोलों से हरा कर बड़ी जीत दर्ज की। लेकिन नीदरलैंड से 5- 0, स्पेन से 5- 2, बुलगारिया से 7-2, मलेशिया से 7-2, और इंग्लैंड से 5-2, से मैच हारे।

लेकिन भारत के फॉरवर्ड खिलाड़ा तसलीम इस टूर्नामेंट के सबसे बड़े स्टार साबित हुए, जिन्होंने 8 मैचों में 17 गोलदागकर इतिहास बनाया। भारत ने इस वर्ल्ड कप में 11वां स्थान हासिल किया।

दलजेन्द्र सिंह के अनुसार दरअसल इस टूर्नामेंट का प्रारूप पारंपरिक हॉकी से अलग था। यह 6-ए-साइड गेम था, जिसमें लड़के और लड़कियां एक साथ मिलकर खेलते हैं। पिच छोटी होती है, खेल दो 15-मिनट के हाफ में खेला जाता है और टीमें मिश्रित होती हैं। जबकि मैदान पर चार लड़कों और दो लड़कियों सहित छह खिलाड़ी खेलते हैं। हमारी टीम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

वहाँ पर एक एक क्लब के पास 5-5 एस्ट्रो टर्फ ग्राउंड है। खिलाड़ियों की बात की जाए तो सभी खिलाड़ी साढ़े पांच फीट से ऊपर ही मिलेंगे। नीदरलैंड का एक खिलाड़ी तो 7 फीट से ऊपर था। सभी टीमों के खिलाड़ियों के पास की तकनीक इतनी परफेक्ट थी कि मैच के दौरान सही पोजीशन वाले खिलाड़ी को ही पास देते थे। जो गोल पोस्ट में गेंद को झूला सके। वहां के खिलाडी टीम के लिए खेलते देखे गए ना कि खुद के लिए।

वहां का मौसम हमेशा ठंडा रहता है। रात का तापमान 13-14 डिग्री और दिन में 21-23 डिग्री तक रहता है। एक मैच में बरसात के बीच भी मैच खेलना पड़ा। वक्त की कद्र वहां के लोगों की ज़िंदगी में। सुबह 6.30 बजे होटल के पोर्च में बस आती ओर सभी खिलाड़ियों और स्टॉफ को लेकर ग्राउंड पहुंच जाती थी। सभी टीमों को पोर्च में 10 मिनट पहले ही आना होता था, अगर कोई खिलाड़ी टाइम के बाद आता तो बस अपने तय वक्त पर रवाना हो जाती थी।

शाम को मैच 3.30 बजे शुरू होना है तो उसी वक्त शुरू होता था किसी का इंतजार नहीं करते थे।

दलजेन्द्र सिंह ने कहा कि अब भारत का तात्कालिक ध्यान अगले साल अक्टूबर में चिली में होने वाले स्पेशल ओलंपिक समर गेम्स पर केंद्रित हो गया है, जो बौद्धिक अक्षमता वाले एथलीटों के लिए पैरालंपिक के समकक्ष होगा।''इसके लिए हमें एक मजबूत टीम बनानी होगी। यही हमारा तात्कालिक लक्ष्य है।

ओली रॉबिन्सन के 8 विकेट से ढहा पाकिस्तान, इंग्लैंड ने लॉर्ड्स टेस्ट जीतकर सीरीज पर जमाया कब्जा

नई दिल्ली, 31 अगस्त। लॉर्ड्स में पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड ने शानदार गेंदबाजी के दम पर 194 रन की बड़ी जीत दर्ज कर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। इंग्लैंड की इस जीत के नायक ओली रॉबिन्सन रहे, जिन्होंने पूरे मुकाबले में आठ विकेट लेकर पाकिस्तान की दूसरी पारी को समेटने में अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान के लिए सऊद शकील ने 97 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन वह टीम को हार से नहीं बचा सके।

389 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम मुश्किल पिच पर 194 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। रॉबिन्सन ने पहली पारी में 11 रन देकर चार विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 24 रन देकर चार विकेट हासिल किए। इस तरह उन्होंने मैच में कुल आठ विकेट अपने नाम किए। पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। रॉबिन्सन ने चार गेंदों के भीतर दो विकेट लेकर मेहमान टीम को सात रन पर दो झटके दे दिए। इसके बाद तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने कप्तान बाबर आजम को आउट कर पाकिस्तान को 14 रन पर तीन विकेट के संकट में पहुंचा दिया।

हालांकि, सऊद शकील और कप्तान शान मसूद ने कुछ समय तक इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना किया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की। रॉबिन्सन ने शान मसूद को 26 रन पर पगबाधा कर इस साझेदारी को तोड़ा। मैदानी अंपायर के नॉट आउट फैसले को समीक्षा के बाद बदला गया।

दलीप ट्रॉफी : वैभव सूर्यवंशी 92 रन पर आउट, तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ने से चूके

नई दिल्ली, 31 अगस्त। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल मुकाबले में इतिहास रचने से चूक गए। सेंट्रल जोन के खिलाफ ईस्ट जोन की ओर से खेलते हुए सूर्यवंशी 81 गेंदों में 92 रन बनाकर आउट हुए। वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शतक लगाने वाले भारत के दूसरे सबसे युवा बल्लेबाज बनने से महज आठ रन दूर रह गए। वह दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए।

15 साल और 157 दिन की उम्र में सूर्यवंशी के पास सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ने का शानदार मौका था। तेंदुलकर ने 1988 में रणजी ट्रॉफी मुकाबले में 15 साल और 230 दिन की उम्र में अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक लगाया था। भारत के सबसे कम उम्र में प्रथम श्रेणी शतक लगाने वाले बल्लेबाज का रिकॉर्ड हालांकि अभी भी ध्रुव पांडोव के नाम है। उन्होंने 1988 में महज 14 साल और 293 दिन की उम्र में शतक लगाया था।

प्रोफेशनल क्रिकेट में मोहम्मद शमी 900 विकेट लेने वाले 6वें भारतीय तेज गेंदबाज बने : दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल 1 में खेल के दूसरे दिन मोहम्मद शमी ने विकेटकीपर बल्लेबाज आर्यन जुयाल को अभिमन्यू ईश्वरन के हाथों कैच आउट कराकर यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने पहली पारी में भी दो विकेट हासिल किए थे। प्रोफेशनल क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय तेज गेंदबाजों की सूची में मोहम्मद शमी 6वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वे प्रोफेशनल क्रिकेट में 900 या उससे अधिक विकेट लेने वाले भी 6वें भारतीय तेज गेंदबाज बने हैं। इससे पहले कपिल देव, जहीर खान, जयदेव उनादकट, जवागल श्रीनाथ और आर विनय कुमार जैसे दिग्गज गेंदबाज यह कारनामा कर चुके हैं।

तिलक वर्मा ने जड़ा शतक, दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में अपनी टीम को दिलाई अहम बढ़त : दलीप ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में तिलक वर्मा ने एक बार फिर अपनी क्लास का परिचय दिया है। साउथ जोन की कप्तानी कर रहे तिलक वर्मा ने शतकीय पारी खेली है। उन्होंने नॉर्थ जोन के गेंदबाजों की जमकर पिटाई की है और अपने धैर्य का परिचय देते हुए एक बार फिर दमदार प्रदर्शन किया है।

चाइना मास्टर्स के पहले दौर में विश्व चैंपियन लानियर से भिड़ेंगे लक्ष्य, तानवी-उन्नित-देविका पर भी नजर

नई दिल्ली, 31 अगस्त। हाल ही में संपन्न विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में शुरुआती दौर से बाहर होने की निराशा को पीछे छोड़ते हुए भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू हो रहे चाइना मास्टर्स सुपर 750 में दमदार वापसी करना चाहेंगे। हालांकि, विश्व नंबर-13 लक्ष्य के लिए टूर्नामेंट की शुरुआत ही बेहद मुश्किल चुनौती से होगी, क्योंकि पहले दौर में उनका सामना नवनिर्वाचित विश्व चैंपियन एलेक्स लानियर से होगा। विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद लक्ष्य का इस साल प्रदर्शन अच्छा रहा है। उन्होंने ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई, जबकि चार अन्य प्रतियोगिताओं में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे हैं।

ग्रैंड चेस टूर फाइनल जीतकर प्रज्ञानानंद ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, 31 अगस्त। सेंट लुईस में गुरुवार देर रात फैबियानो करूआना को 15-13 से हराकर प्रज्ञानानंद ने ग्रैंड चेस टूर फाइनल का खिताब जीत लिया। इसके साथ ही वह इस प्रतियोगिता को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। 11 साल के इतिहास में उनसे पहले केवल छह खिलाड़ी यह उपलब्धि हासिल कर सके हैं। खिताब के साथ उन्हें दो लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि भी मिली। यह जीत इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि कुछ महीने पहले तक प्रज्ञानानंद का प्रदर्शन सवालों के घेरे में था। 2026 कैंडिडेट्स प्रतियोगिता में उनका अभियान उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने भी उस दौर को उनके लिए मुश्किल समय बताया है। आनंद के मुताबिक पिछले साल के अंत से ही प्रज्ञानानंद की लय कुछ कमजोर हुई थी और कैंडिडेट्स में उनका प्रदर्शन खास प्रभावी नहीं रहा।

यूएस ओपनः जोकोविच पहले दौर में बाहर, नावेने ने पांच सेट के रोमांचक मुकाबले में दी मात

न्यूयॉर्क, 31 अगस्त। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को यूएस ओपन 2026 के पहले ही दौर में बड़ा उलटफेर झेलना पड़ा। 48वीं रैंकिंग वाले अर्जेंटीना के मारियानो नावेने ने रविवार को जोकोविच को 7-6(7/5), 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस हार के साथ जोकोविच का रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब का इंतजार और लंबा हो गया। वह 2023 के बाद से इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने की कोशिश कर रहे थे। यह 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहला मौका है, जब जोकोविच किसी ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में हारकर बाहर हुए हैं। उस समय उन्हें पॉल गोल्डस्टीन ने हराया था। इसके बाद जोकोविच ने ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में लगातार 78 मुकाबले जीते थे।

नावेने की करियर की सबसे बड़ी जीत : 25 वर्षीय नावेने के लिए यह जीत बेहद खास रही। यह ग्रैंड स्लैम में उनकी पहली जीत है किसी शीर्ष-10 खिलाड़ी के खिलाफ। उन्होंने चार घंटे 36 मिनट तक चले मुकाबले में जोकोविच को शारीरिक रूप से परेशान किया और निर्णायक सेट में पूरी तरह दबदबा बनाया।

हार के बाद जोकोविच ने कहा, मैंने इसका आनंद नहीं लिया। कोर्ट पर मेरे लिए यह कितना खराब अहसास था, यह साफ दिखाई दे रहा था।

आमेर नाइट्स ने पेनल्टी शूटआउट में जयगढ़ वॉरियर्स को हराकर जीता खिताब

जयपुर, 31 अगस्त। राजस्थान फुटबॉल स्कूल द्वारा आयोजित जयपुर फुटबॉल सीजन 2026 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रतियोगिता के अंतिम दिन रोमांचक फाइनल मुकाबला, शानदार प्रदर्शनी मुकाबला तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के सम्मान समारोह ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया। जयपुर फुटबॉल सीजन 2026 का बहुप्रतीक्षित फाइनल मुकाबला आमेर नाइट्स और जयगढ़ वॉरियर्स के बीच खेला गया। मुकाबले का पहला हाफ गोलरहित रहा। दोनों टीमों ने कई अवसर बनाए, लेकिन कोई भी टीम बढ़त बनाने में सफल नहीं हुई। दूसरे हाफ में आराध्य बैराठी ने जयगढ़ वॉरियर्स की ओर से गोल करते हुए अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। आमेर नाइट्स ने अंतिम क्षणों तक संघर्ष जारी रखा। मुकाबले के आखिरी मिनट में कबीर डिंगरा ने महत्वपूर्ण बराबरी का गोल करते हुए स्कोर 1-1 कर दिया। निर्धारित समय के बाद भी दोनों टीमें बराबरी पर रहीं, जिसके बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से किया गया। पेनल्टी शूटआउट में आमेर नाइट्स ने 3-2 से जीत दर्ज की और जयपुर फुटबॉल सीजन 2026 का खिताब अपने नाम किया। जयपुर फुटबॉल सीजन 2026 के समापन समारोह में राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने विजेता टीम आमेर नाइट्स को विजेता ट्रॉफी प्रदान की तथा टीमों को ट्रॉफियां और उत्कृष्ट खिलाड़ियों को उनके व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए।

मयंक अग्रवाल ने डरहम के साथ चार मैचों का काउंटी चैंपियनशिप करार किया

चेस्टर-ले-स्ट्रीट, 31 अगस्त। भारतीय सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने इंग्लैंड की काउंटी टीम डरहम के साथ मौजूदा काउंटी चैंपियनशिप डिविजन-दो सत्र के अंतिम चरण के लिए चार मैचों का करार किया है। डरहम ने सोमवार को इसकी घोषणा की।

35 वर्षीय मयंक अग्रवाल टीम के मुख्य कोच रयान कैंपबेल की अगुआई वाली डरहम टीम से जुड़ेंगे। टीम डिविजन-दो से पदोन्नित हासिल करने की कोशिश में जुटी है। मयंक आगामी मुकाबले में नॉर्थम्पटनशायर के खिलाफ डरहम के लिए उपलब्ध रहेंगे। वह दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड बेडिंघम की जगह लेंगे, जो अपने देश लौट गए हैं। कैंपबेल ने कहा, हमें खुशी है कि मयंक डरहम के साथ काउंटी चैंपियनशिप के अंतिम चरण में जुड़ रहे हैं। डेविड बेडिंघम के दक्षिण अफ्रीका लौटने के बाद हमारे लिए जरूरी था कि हम एक उच्च स्तर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर को टीम में शामिल करें। मयंक ने भारत के लिए 21 टेस्ट मैचों में 1,488 रन बनाए हैं। उनके नाम चार शतक हैं, जिसमें 2019 में इंदौर में बांग्लादेश के खिलाफ बनाया गया 243 रन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी शामिल है। उन्होंने भारत के लिए पांच एकदिवसीय मैच भी खेले हैं, जिसमें 86 रन बनाए हैं।

मेसी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लिया

नई दिल्ली, 31 अगस्त। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर ने लियोनेल मेसी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। उन्होंने सोमवार को एक इंस्टा पोस्ट के जरिए इसकी जानकारा दी। मेसी ने लिखा कि अब वे राष्ट्रीय टीम की जर्सी नहीं पहनेंगे।

मेसी ने बताया कि 'उन्होंने यह फैसला वर्ल्ड कप फाइनल में स्पेन से हारने के 2 दिन बाद ही ले लिया था।' मेसी ने कहा कि यह फैसला उनके लिए बेहद मुश्किल और दर्दनाक है। मेसी ने लिखा, फाइनल के बाद से इतना समय बीत चुका है। काफी सोचने के बाद मैं सभी को बताना चाहता हूं कि मैं नेशनल टीम से संन्यास ले रहा हूं। यह ऐसा फैसला था जिसने मुझे चोट पहुंचाई और आज भी गहराई से दुख देता है, लेकिन मैं समझता हूं कि यही सही समय है। मैंने हमेशा इस जर्सी के लिए अपना सब कुछ दिया है। सिर्फ उन पिछले कुछ वर्षों में ही नहीं, जब हमने सब कुछ जीता, बल्कि उससे पहले भी। मैंने हमेशा लड़ाई लड़ी और बेस्ट दिया। ताकि आपको खुशी मिले। फुटबॉल के जरिए आपको अर्जेंटीना का होने पर गर्व महसूस हो।

यूएस ओपन : सोफिया केनिन ने वीनस विलियम्स को हराया

न्यूयॉर्क, 31 अगस्त। अमेरिकी वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी सोफिया केनिन ने 46 वर्षीय हमवतन वीनस विलियम्स को यूएस ओपन-2026 के पहले दौर में 6-2, 7-6 (6) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। यह मुकाबला न्यूयॉर्क में आधी रात के बाद शुरू हुआ और महिला यूएस ओपन इतिहास का सबसे देर से शुरू होने वाला मुकाबला बन गया। आर्थर ऐश स्टेडियम में मुकाबला नोवाक जोकोविच और मारियानो नावेने के बीच पांच सेट के मुकाबले के बाद शुरू हुआ। देर रात होने के बावजूद बड़ी संख्या में दर्शक वीनस को देखने के लिए स्टेडियम में रुके रहे। वीनस अपने करियर के 96वें ग्रैंड स्लैम मुख्य ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड के जरिए उतरी थीं।

अंडर 19 डूंगरपुर चैंपियनशिप के लिए जिले की टीम घोषित

दौसा, 31 अगस्त। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया की अंडर 19 प्रतियोगिता जो कि दिनांक 01 09 2026 से जयपुर में आयोजित की जाएगी उसके लिए जिले की टीम निम्न प्रकार है। आदित्य भट्ट कप्तान, शिवम जैमन उपकप्तान, गौरांश जैमन, अविनेश गुप्ता, जतिन सैनी, योगेश सैनी, सुमित शर्मा, प्रांजल सेन, रितिक, मनन मीना, अंश प्रताप सिंह, दिव्यांशु शर्मा, शौर्य सिंह, पीयूष सैनी, हिमांशु पाराशर, अनिरुद्ध शर्मा, योगेश मेरोठा। इस टीम के कप्तान आदित्य भट्ट और उपकप्तान शिवम जैमन एवं टीम के कोच प्रेम सिंह और मैनेजर सुखराम गुर्जर होंगे।

सचिव बृज किशोर उपाध्याय द्वारा यह भी बताया गया कि जिले की टीम का चयन सीनियर चयन समिति द्वारा निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से किया गया है। चयन के लिए खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस और उनका अनुशासन देखकर किया गया है। दौसा का पहला मैच कल 01. 09. 2026 को चूरू से 02.09. 2026 को करौली से 03.09. 2026 को बांसवाड़ा से 05.09. 2026 को अजमेर से 6.9.2026 को चित्तौड़गढ़ से होगा।

जयपुर जिला क्रिकेट संघ

अंडर - 23 चैलेंजर ट्रॉफी के लिए चयन ट्रायल 4 सितंबर को

जयपुर, 31 अगस्त। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा जयपुर की अंडर - 23 चैलेंजर ट्रॉफी आयोजित करने के लिए चयन ट्रायल दिनांक 4 सितंबर को प्रात: 9 बजे के एल सैनी स्टेडियम पर आयोजित की जाएगी। चयन ट्रायल में केवल जयपुर के ही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं जिनका जन्म 1 सितंबर 2003 या इसके बाद हुआ है। जो खिलाड़ी ट्रायल देना चाहते है उनको अपना रजिस्ट्रेशन के एल सैनी स्टेडियम पर दिनांक 2 व 3 सितंबर को प्रात: 9 बजे से 5 बजे तक कराना होगा। खिलाड़ियों को रजिस्ट्रेशन के लिया निम्नलिखित दस्तावेज लाने होंगे।

कंप्यूटर से बना हुआ जन्म प्रमाण पत्र, स्वयं का व माता - पिता का आधार कार्ड, मूल निवास प्रमाण पत्र, पिछले 3 वर्ष की मार्कशीट।

पहली बार रात की रोशनी में होंगे कुछ टूर्नामेंट्स के फाइनल

जयपुर में आज से होगा वार्षिक सितम्बर पोलो सीज़न 2026 का आगाज

जयपुर, 31 अगस्त। राजस्थान पोलो क्लब की ओर से जयपुर में वार्षिक सितंबर पोलो सीजन 2026 का कल से आगाज होने जा रहा है। यह सीजन 25 अक्टूबर 2026 तक चलेगा और इस दौरान कई प्रतिष्ठित पोलो टूर्नामेंट्स और एग्जीबिशन मैच आयोजित किए जाएंगे। इस आगामी सीजन को लेकर महाराजा पद्मनाभ सिंह ने कहा कि जयपुर का पोलो सीजन हर वर्ष अपनी अलग पहचान बनाता है और 2026 का सितंबर सीजन इसे एक नई ऊंचाई देने जा रहा है। इस बार खेल के स्तर और प्रतियोगिताओं के विस्तार के साथ देश-विदेश के बेहतरीन खिलाड़ियों को जयपुर में देखने का अवसर मिलेगा। हमारा उद्देश्य जयपुर की समृद्ध पोलो परंपरा को संरक्षित रखते हुए इसे नई पीढ़ी से जोड़ना है। युवा और महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना भी हमारी प्राथमिकता है। हमें विश्वास है कि यह सीजन खेल प्रेमियों के लिए रोमांचक मुकाबलों और शानदार अनुभवों से भरपूर रहेगा।

इस वर्ष के पोलो सीजन की एक खास विशेषता यह होगी कि कुछ टूर्नामेंट्स के फाइनल मुकाबले और एग्जीबिशन मैच रात में खेले जाएंगे। इन मुकाबलों के लिए पोलो मैदान में फ्लडलाइट्स भी लगाई जा चुकी हैं। रात की रोशनी में होने वाले ये मुकाबले दर्शकों के लिए एक अनूठा और रोमांचक अनुभव लेकर आएंगे।

सीजन की शुरुआत आरपीसी कप (4 गोल) से होगी, जो 1 से 6 सितंबर तक खेला जाएगा। जिसके पश्चात, आरपीसी कप (4 गोल) का दूसरा चरण 7 से 13 सितंबर तक होगा। वहीं, चिंकारा पोलो चैंपियनशिप (6 गोल) 14 से 20 सितंबर तक और आर्मी कमांडर्स कप (6 गोल) 21 से 27 सितंबर तक 61वीं कैवेलरी ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। इसी दौरान, 14 से 27 सितंबर तक आउट ऑफ हैट फॉर्मेट में जयपुर जूनियर ओपन-अंडर-21 भी होगा।

इसी कड़ी में, अक्टूबर माह में स्टर्नहेगन द्वारा प्रायोजित भावनगर पोलो ट्रॉफी (8 गोल) 28 सितंबर से 4 अक्टूबर तक; सवाई मान गार्ड कप (8 गोल) 5 से 11 अक्टूबर तक; होटल कैसल कानोता द्वारा प्रायोजित जनरल अमर सिंह कानोता कप (6 गोल) 12 से 18 अक्टूबर तक और एनबीसी द्वारा प्रायोजित बीएम बिड़ला कप (4 गोल) 19 से 25 अक्टूबर तक आयोजित होंगे।

पोलो सीजन के दौरान कुछ विशेष एग्जीबिशन मुकाबले भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इनमें एफएचटीआर द्वारा प्रायोजित एफएचटीआर एग्जिबिशन पोलो मैच 18 सितंबर को और यूएसपीए द्वारा प्रायोजित मेयो पोलो कप 10 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, इंटरनेशनल जूनियर टेस्ट मैच 1 नवंबर 2026 को प्रस्तावित है।

राजस्थान टीम ने जमकर पसीना बहाया, नॉर्थ जोन बैडमिंटन प्रतियोगिता कल से

भीलवाड़ा, 31 अगस्त। यहां 2 से 6 सितम्बर तक होने वाली योनेक्स-सनराईज नॉर्थ जोन बैडमिंटन प्रतियोगिता की तैयारियां पूरी हो गई है। प्रतियोगिता में मेजबान राजस्थान सहित दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेष, जम्मू-कष्मीर और चंडीगढ़ की टीमें भाग लेगी। आयोजन सचिव अभिषेक शर्मा ने बताया कि सोमवार को राजस्थान के खिलाड़ियों ने सांगानेर रोड़ स्थित फोरआर्म्स बैडमिंटन एकेडमी में जमकर पसीना बहाया। प्रतियोगिता का आयोजन इसी एकेडमी पर होगा। शर्मा ने बताया कि चीफ रेफरी महाराष्ट्र के विनय जोषी भी भीलवाड़ा पहुंच चुके है और मंगलवार की शाम 5 बजे प्रतियोगिता का ड्रॉ डाला जायेगा। साथ ही टीम मैनेजर, तकनीकी अधिकारियों की बैठक भी होगी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के पहले दिन टीमें प्री-क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय करेगी। 3 सितम्बर को क्वार्टरफाइनल और अगले दिन टीम इवेंट के फाइनल और जूनियर वर्ग के व्यक्तिगत मुकाबले खेले जायेंगे। 5 सितम्बर को व्यक्तिगत मुकाबलों के क्वार्टरफाइनल व सेमीफाइनल खेले जायेंगे और 6 सितम्बर की सुबह फाइनल मुकाबले होंगे।

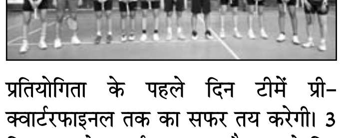

आयोजन समिति के अध्यक्ष मुकेष खंडेलवाल ने बताया कि देर रात दिल्ली की टीम भी भीलवाड़ा पहुंच गई। शेष टीमों का मंगलवार की सुबह तक आने का कार्यक्रम है। उन्होने बताया कि सीनियर वर्ग टीम स्पर्धा में गत वर्ष हरियाणा ने दोहरी सफलता प्राप्त की थी। अंडर-19 के दोनो वर्गो में दिल्ली की टीम चैम्पियन बनी थी।

राजस्थान बैडमिंटन संघ के कोषाध्यक्ष और राज्य टीम के मैनेजर जाकिर हुसैन ने बताया कि खिलाड़ियों को भोजन और आवास की उच्च स्तरीय सुविधाए उपलब्ध कराई गई है। राजस्थान टीम के सभी खिलाड़ी फॉर्म है और उनसे बेहतर प्रदर्षन की उम्मीद है।

संस्कार स्कूल व रमन इंटरनेशनल स्कूल जीती

शिफान खान का शतक

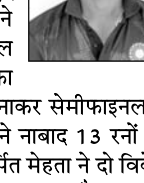

जयपुर, 31 अगस्त। सोनी क्रिकेट स्टेडियम पर चल रहे फादर रेमंड कोएल्हो डायमंड जुबली कप में तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला जयश्री पेरीवाल हाई स्कूल व संस्कार स्कूल के मध्य खेला गया। जिसमें जयश्री पेरीवाल स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 127/5 रन बनाए। जिसमें अर्पित मेहता ने 51 रन व अरनव शर्मा ने 35 रनों का योगदान दिया। संस्कार स्कूल की ओर से गेंदबाजी में अंशुल स्वामी ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी संस्कार स्कूल 10.3 ओवर में 129/3 रन बनाकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। जिसमें शिफान खान ने 104 रन व देवांश टाक ने नाबाद 13 रनों की पारी खेली। जयश्री पेरीवाल हाई स्कूल की ओर से गेंदबाजी में अर्पित मेहता ने दो विकेट लिए। संस्कार स्कूल ने 7 विकेट से मुकाबला जीता। दिन का दूसरा मुकाबला चौथा क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला गया। जो रमन इंटरनेशनल स्कूल व सेंट एनसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल मानसरोवर के मध्य खेला गया। जिसमें रमन इंटरनेशनल स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 203/4 रन बनाए। जिसमें एमडी शादाब में 59 रन व तुषार चेलानी ने 32 रन व कृष्णा सैनी ने नाबाद 38 रनों की पारी खेली।

जयपुर भाजपा के टिकटों में महिलाओं व मुस्लिम पर जोर

नई रणनीति के तहत भाजपा की 145 प्रत्याशियों की सूची में 52 महिलाएं, 8 मुस्लिम

■ माना जा रहा है, भाजपा ने महिला नेतृत्व को चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा बनाया है। आरक्षित सीटों के अलावा भी कई सामान्य व महत्वपूर्ण वॉर्डों में महिला चेहरों को उतारा गया है।

जयपुर, 31 अगस्त। नगर निगम चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने प्रत्याशियों की घोषणा के साथ ही, अपने सियासी समीकरण भी साफ कर दिए हैं। पार्टी की ओर से जारी 145 प्रत्याशियों की सूची में 52 महिलाओं और 8 मुस्लिम चेहरों को मौका दिया गया है। टिकट वितरण में महिला प्रतिनिधित्व के साथ अल्पसंख्यक समाज को जगह देकर भाजपा ने सामाजिक संतुलन साधने और अपने राजनीतिक आधार का विस्तार करने का संदेश दिया है।

भाजपा की इस सूची में मुस्लिम समाज के आठ प्रत्याशी शामिल हैं। इनमें वार्ड 19 से शहनवाज अंसारी, वार्ड 109 से जाकिर खान कायमखानी, वार्ड 113 से फरीदुद्दीन 'जैकी', वार्ड 117 से शब्बो जहां, वार्ड 128 से माजिद पठान, वार्ड 136 से मिजाना मिर्जा, वार्ड 137 से रहीस मंसूरी और वार्ड 146 से अफसाना शामिल हैं। इनमें वार्ड 19 जैसी सामान्य सीट से शहनवाज अंसारी को टिकट मिलना राजनीतिक रूप से खासा महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भाजपा ने 145 घोषित प्रत्याशियों में 52 महिलाओं को टिकट देकर महिला नेतृत्व को चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा बनाया है। पार्टी की सूची में आरक्षित सीटों के साथ-साथ, कई सामान्य और महत्वपूर्ण वॉर्डों में भी महिला चेहरों को मैदान में उतारा गया है।

पार्टी की रणनीति में महिला प्रतिनिधित्व को केवल आरक्षण तक सीमित रखने के बजाय, महिलाओं को राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका में आगे बढ़ाने का संदेश दिखाई दे रहा है। स्थानीय निकाय चुनाव में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और परिवार स्तर पर उनके प्रभाव को देखते हुए, यह रणनीति भाजपा के लिए चुनावी रूप से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

भाजपा के मुस्लिम प्रत्याशियों को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा उन सीटों पर है, जहां पार्टी ने सामान्य वार्डों में भी मुस्लिम चेहरों पर भरोसा जताया है। वार्ड 19 इसका प्रमुख उदाहरण है। इससे संकेत मिल रहा है कि भाजपा मुस्लिम मतदाताओं के बीच भी अपनी राजनीतिक मौजूदगी बढ़ाने और नए सामाजिक समूहों तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है।

जयपुर नगर निगम चुनाव में अब प्रत्याशियों के नाम सामने आने के बाद मुकाबला और रोचक हो गया है। भाजपा के सामने अब टिकट वितरण के जरिए बनाए गए सामाजिक समीकरणों को वोट में बदलने की चुनौती होगी। महिला नेतृत्व, मुस्लिम प्रतिनिधित्व और जिताऊ चेहरों के सहारे भाजपा ने चुनावी मैदान में अपनी रणनीति का संकेत तो दे दिया है, अब इन समीकरणों की असली परीक्षा मतदान के दिन होगी।

कुशीनगर में नेपाल से बहकर आये 13 शव मिले

कुशीनगर, 31 अगस्त। नेपाल में आई भीषण बाढ़ की तबाही का असर उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में भी दिखाई दे रहा है। नेपाल से निकलने वाली नारायणी नदी (भारत में गंडक नदी) कुशीनगर में इन दिनों उफान पर है।

नदी की तेज धारा में नेपाल से बहकर आये शव कुशीनगर तक पहुंच रहे हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में मृत पशु और अन्य सामान भी नदी में बहकर आ रहा है। जिला प्रशासन के मुताबिक,

■ बड़ी संख्या में मृत पशु और अन्य सामान भी नदी में बहकर आया।

गंडक नदी से अब तक 13 शव बरामद किए जा चुके हैं।

शवों की बरामदगी के लिए प्रशासन की निगरानी में एसडीआरएफ की टीम नदी और आसपास के क्षेत्रों में लगातार अभियान चला रही है। नदी की तेज धारा और प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच रेस्क्यू टीम को अभियान के दौरान विशेष सावधानी बरतनी पड़ रही है। प्रशासन ने नदी क्षेत्र में निगरानी भी बढ़ा दी है।

दिल्ली में स्लीपर बस में 16 वर्षीय छात्रा के साथ गैंगरेप

परी चौक से कश्मीरी गेट, 47 किलोमीटर के बीच बस ड्राइवर व कंडक्टर ने हैवानियत की, दोनों गिरफ्तार

■ परिजनों से नाराज होकर छात्रा नोएडा अपने चचेरे भाई के पास जा रही थी गलती से ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर उतर गई।

नई दिल्ली, 31 अगस्त। राजधानी दिल्ली में एक और निर्भया कांड सामने आया है। एक स्लीपर बस में 16 वर्षीय छात्रा के साथ कथित तौर पर गैंगरेप की घटना हुई। परी चौक से कश्मीरी गेट की 47 किलोमीटर की दूरी के दौरान दो आरोपियों ने छात्रा के साथ हैवानियत की। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए बस के ड्राइवर और कंडक्टर को गिरफ्तार कर लिया है।

यह घटना कश्मीरी गेट इलाके में 4 अगस्त की रात को हुई थी। फिलहाल, मामले में पुलिस ने बस के ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप को गिरफ्तार किया है। पीड़िता उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली है और 11वीं कक्षा की छात्रा है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, छात्रा परिजनों से नाराज होकर बिना बताए घर से निकल गई थी और नोएडा में रहने वाले अपने चचेरे भाई के पास जा रही थी। भारी बारिश और अंधेरे के कारण छात्रा गलती से ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर उतर गई। इसी दौरान एक खाली स्लीपर बस वहां से गुजरी। छात्रा ने बस को रुकने का इशारा किया, जिसके बाद बस रुक गई। ड्राइवर-कंडक्टर ने उसे नोएडा सेक्टर-63 जाने की बात कहकर बस में बैठा लिया।

आरोप है कि बस चलने के कुछ देर बाद कंडक्टर ने पीड़िता के साथ अश्लील हरकत शुरू कर दी। पीड़िता के मुताबिक, इसके बाद ड्राइवर और कंडक्टर ने उसके साथ रेप किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी पीड़िता को देर रात कश्मीरी गेट बस अड्डे के पास रिंग रोड पर उतारकर फरार हो गए।

घबराई हुई छात्रा ने कश्मीरी गेट पुलिस से संपर्क कर पूरी घटना की जानकारी दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को तिमारपुर की एक बस पार्किंग से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल स्लीपर बस को जब्त कर लिया है और उसकी फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी बस में खराबी आने के बाद बस को सूरजपुर की वर्कशॉप में रिपेयरिंग के लिए लेकर गए थे। बस की रिपेयरिंग के बाद ड्राइवर और कंडक्टर खाली बस लेकर तिमारपुर जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर छात्रा मिली। परी चौक से कश्मीरी गेट तक करीब 47 किलोमीटर का सफर बस ने तय किया। बस स्लीपर होने और पर्दे लगे होने के कारण किसी भी राहगीर को बस के अंदर कुछ दिखाई नहीं दिया था।

सीजेपी के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने कहा कि इस स्तर पर अदालत यह अनुमान नहीं लगा सकती कि दिल्ली में सीजेपी के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन के कारण कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, कम से कम अभी हम यह मानकर चलेंगे और हमारे पास इस बात पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है कि हर व्यक्ति बहुत जिम्मेदारी और शांतिपूर्ण तथा कानूनसम्मत तरीके से व्यवहार करेगा। इसलिए फिलहाल हमारे सामने ऐसी कोई बाध्यकारी परिस्थिति नहीं है, जिससे यह मान लिया जाए कि कुछ गलत होगा।

अदालत ने याचिका दायर करने वाले व्यक्ति से कहा कि संभावित कानून-व्यवस्था की समस्याओं को लेकर अपनी शिकायतों और आशंकाओं के संबंध में वह केन्द्र सरकार से संपर्क करे।

सीजेपी ने 5 सितंबर को इंडिया गेट से दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक शांतिपूर्ण मार्च का आव्हान किया है। यह मार्च केन्द्र सरकार द्वारा 25 जुलाई को दिए गए आश्वासनों को कथित रूप से पूरा न किए जाने के विरोध में आयोजित किया जा रहा है। इनमें विशेष रूप से प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने का आश्वासन शामिल है।

बम की धमकी के बाद एयर इंडिया विमान ने अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग की

सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया। विमान, यात्रियों के सामान व कार्गो क्षेत्र की गहन जांच हुई

■ पुलिस के अनुसार फ्लाइट के बाथरुम में मेम्बर को कागज का एक टुकड़ा मिला, जिस पर 'बम' लिखा हुआ था। सुरक्षा प्रोटोपॉल के तहत तुरंत कार्यवाही करते हुए विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई।

अहमदाबाद, 31 अगस्त। सऊदी अरब के दम्माम से नई दिल्ली आ रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट को बम की धमकी मिलने के बाद अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

धमकी मिलने के बाद फ्लाइट को तत्काल अहमदाबाद की ओर डायवर्ट किया गया। फ्लाइट के एयरपोर्ट पर सुरक्षित रूप से उतरने के बाद उसे आइसोलेशन बे में खड़ा किया गया। विमान में सवार सभी 32 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर विशेष बसों के जरिए एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 में पहुंचाया गया।

घटना की सूचना मिलते ही एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। मौके पर फायर विभाग की तीन गाड़ियां, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और बम डिस्पोजल एंड डिटेक्शन स्क्वॉड (बीडीडीएस) की टीम पहुंची। विमान के अलावा, यात्रियों के सामान और कार्गो क्षेत्र की भी गहन जांच की गई।

पुलिस के अनुसार, फ्लाइट के बाथरूम से क्रू मेंबर को कागज का एक टुकड़ा मिला, जिस पर 'बम' लिखा हुआ था। इसके बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत तत्काल कार्रवाई करते हुए विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। प्राथमिक जांच में विमान से इसके अलावा कोई संदिग्ध या आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली है। इसके बावजूद सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की जांच कर रही हैं। धमकी किसने और किस उद्देश्य से दी, इसका पता लगाने के लिए साइबर सेल की मदद ली जा रही है। पुलिस ने बताया कि फिलहाल सभी यात्रियों को सुरक्षित टर्मिनल-2 में रखा गया है और विमान की जांच जारी है। घटना के बाद अहमदाबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

पहली तिमाही में भारत की जीडीपी 7.8 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली, 31 अगस्त। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत बढ़ी है। इससे साल की शुरुआत उम्मीद से बेहतर रही। मुश्किल ग्लोबल माहौल के बावजूद, अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी रही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देते हुए इन्हें शानदार बताया है।

अप्रैल-जून की ग्रोथ का आंकड़ा अर्थशास्त्रियों के अनुमान (लगभग 7.1 प्रतिशत) से काफी ज्यादा रहा। जीडीपी

■ यह बढ़ोतरी अर्थशास्त्रियों के अनुमान से कही अधिक है।

की नई सीरीज के तहत, पिछले साल इसी तिमाही में अर्थव्यवस्था 6.9 प्रतिशत बढ़ी थी। इसलिए ताजा आंकड़ा एक उल्लेखनीय सुधार दिखाता है।

ये ताजा आंकड़े जियो-पॉलिटिकल टेंशन, ऊर्जा की ऊंची कीमतों और ग्लोबल ट्रेड को लेकर अनिश्चितता के माहौल में आए हैं। इन दबावों के बावजूद, घरेलू मांग आर्थिक गतिविधि के लिए मुख्य सहारा बनी रही तथा सरकारी कैपिटल खर्च, मैन्युफैक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन और एक्सपोर्ट ने भी ग्रोथ में योगदान दिया।

टाटा भारत में टैंक रोधी मिसाइल जैवलिन बनायेगा

■ टाटा एडवांस्ड सिस्टम तथा जैवलिन जॉइंट वैंचर ने समझौते पर हस्ताक्षर किये।

नई दिल्ली, 31 अगस्त। भारत ने अमेरिका से टैंक रोधी मिसाइल प्रणाली एफजीएम-148 जैवलिन खरीदने का समझौता किया है।

भारत ने जैवलिन प्रणाली के लिए प्रस्ताव और स्वीकृति पत्र पर हस्ताक्षर भी कर दिए हैं। अब टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और जैवलिन जॉइंट वेंचर (जेजेवी) ने भारत में इस प्रणाली के निर्माण के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। यह करार भारतीय रक्षा उद्योग को खास मौके देगा और इंडो-पैसिफिक के लिए क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा।

अमेरिकी राजदूतावास की प्रवक्ता डाना जिए ने 28 अगस्त को पुष्टि की थी कि भारत ने जैवलिन प्रणाली के लिए प्रस्ताव और स्वीकृति पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इस समझौते पर हस्ताक्षर के साथ भारत जैवलिन प्रणाली का ग्राहक बन गया है, जो एक उन्नत, मध्यम दूरी की फायर-एंड-फॉरगेट एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है।

अब भारत में जैवलिन प्रणाली के निर्माण के लिए जैवलिन जॉइंट वेंचर ने टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स को प्राइम पार्टनर के तौर पर चुना है। इस करार के तहत, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और जेजेवी भारत में जैवलिन प्रणाली के लिए एक फाइनल असेंबली और एकीकरण सुविधा बनाने के बारे में पता लगाएंगे।

टैंक रोधी मिसाइल प्रणाली एफजीएम-148 जैवलिन भारत और अमेरिकी पार्टनरशिप के लिए फायदेमंद होगी। इससे भारत में एक मजबूत डिफेंस वर्कफोर्स बनेगी। साथ ही कई साल के प्रोडक्शन के जरिए घरेलू सप्लाई चेन में अमेरिकी नौकरियां बनी रहेंगी। देश में को-प्रोडक्शन शुरू होने से भारत का डिफेंस इंडस्ट्रियल बेस मजबूत होगा। इससे जैवलिन की फाइनल असेंबली और इंटीग्रेशन भारतीय फैसिलिटी और सप्लायर तक पहुंचेंगे, हाई-टेक नौकरियां पैदा होंगी, स्थानीय विनिर्माण विशेषज्ञता बढ़ेगी।

उत्तर प्रदेशः पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से 11 की मौत

प्रयागराज, 31 अगस्त। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के पड़ोसी जिले कौशाम्बी के पिपरी थाना क्षेत्र में सोमवार को एक पटाखा फैक्टरी में हुए भीषण विस्फोट में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। मरने वाले 11 लोगों में से 8 बच्चे हैं। घायलों को स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय समेत, प्रयागराज के अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

कौशांबी के पुलिस अधीक्षक सत्य नारायण प्रजापत के मुताबिक, मामले में

■ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रु. की आर्थिक सहायता की घोषणा की।

आदिल समेत, छह लोगों के खिलाफ पिपरी थाने में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीमें गठित की गई हैं। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

दिल्ली में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर दिए गए हैं। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सूची से बाहर किए गए मतदाता 30 सितंबर तक फॉर्म 6 और आवश्यक दस्तावेजों के जरिए अपने दावे पेश कर सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को जारी की जाएगी।

संशोधित चुनाव आयोग कार्यक्रम के अनुसार, दावों और आपत्तियों की जांच की जाएगी तथा नोटिस जारी करने और उनके निपटारे की प्रक्रिया 29 अक्टूबर तक चलेगी।

प्रारूप मतदाता सूची में करीब 97.5 लाख मतदाताओं को शामिल किया गया है, जिनके गणना फॉर्म घर-घर जाकर किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीज़न-एसआईआर) के दौरान प्राप्त हुए और डिजिटाइज़ किए गए।

यह अभियान 30 जून को शुरू हुआ था और 17 अगस्त को समाप्त हुआ। इस प्रक्रिया के दौरान, दिल्ली के कुल 1,45,10,299 मतदाताओं में से करीब 67.18 प्रतिशत के फॉर्म डिजिटाइज़ किए गए।

शेष 47.7 लाख मतदाताओं को अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, दोहरे या अन्य श्रेणी में "अप्राप्य" माना गया और उनके नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं किए गए। शहर की 70 विधानसभा सीटों में डिजिटाइज़ेशन की दर में काफी अंतर रहा। रोहिणी में सबसे अधिक 83.43 प्रतिशत फॉर्म डिजिटाइज़ किए गए, जबकि तुगलकाबाद में यह दर सबसे कम 52.15 प्रतिशत रही।

संजय के. अग्रवाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यायिक क्षेत्र के लोग इस तबादला आदेश को वर्तमान एक्टिंग सीजे एस.पी. शर्मा से जुड़े हालिया विवाद के साथ सीधे तौर पर जोड़कर देख रहे हैं। माना जा रहा है कि इस फेरबदल के जरिए सुप्रीम कोर्ट हाईकोर्ट के प्रशासनिक संतुलन और न्यायिक व्यवस्था को पुनः सुदृढ़ करना चाहता है।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के जज संदीप मेहता ने सीजीआई सूर्यकांत से राजस्थान हाईकोर्ट के एक्टिंग सीजे एस.पी. शर्मा को राजस्थान हाई कोर्ट से ट्रांसफर करने की गुहार की थी और उनके स्थान पर दूसरे जज को लगाने की भी मांग की थी।

इसके बाद सीजीआई का भी बयान सामने आया था कि मामले की उच्च स्तर पर जांच कर प्रकरण के सभी पहलुओं को देखने के बाद ही किसी तरह का निर्णय लिया जाएगा। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा आगामी 26 सितम्बर को रिटायर हो रहे हैं।

नेपाल में अब तक 903 शव मिले

काठमांडू, 31 अगस्त। नेपाल के रसुवा में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद, राहत, खोज और बचाव अभियान लगातार जारी है। नेपाल के गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की

■ नेपाल के अनुसार, अभी 4247 लोग लापता हैं।

आज सुबह 11 बजे तक की रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 903 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 4,247 लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों में जलविद्युत परियोजनाओं से जुड़े 933 लोग, मकवानपुर के 65, विदेशी नागरिक 592, विदेशियों के साथ यात्रा कर रहे 127 नेपाली नागरिक, लैंगटांग राष्ट्रीय उद्यान के 3 और क्वारंटीन कार्यालय के 3 लोग भी शामिल हैं। नेपाल सरकार के मुताबिक, अब तक कुल 10,451 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।

भारत ने सिंधु जल संधि पर ऑबिट्रेशन के फैसले को खारिज किया

नई दिल्ली, 31 अगस्त। अंतरराष्ट्रीय विवादों की मध्यस्थता करने वाले हेग स्थित परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (पीसीए) की तरफ से सिंधु जल संधि पर सुनाये गये फैसले को भारत सरकार ने एक सिरे से खारिज कर दिया है।

पाकिस्तान की अपील पर पीसीए ने सोमवार को सिंधु जल संधि पर फैसले सुनाये हैं। एक फैसला उक्त संधि की स्थिति को लेकर है, जबकि दूसरा यह है कि क्या दोनों में से कोई एक देश इस संधि को खारिज कर सकता है।

अदालत ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि पूरी तरह लागू है और भारत को संधि के तहत अपनी बाध्यताओं का पालन करना चाहिए। अदालत ने भारत के संधि को स्थगित रखने के फैसले को संधि को निलंबित या समाप्त करने के प्रयास के रूप में देखा है और कहा कि संधि, किसी एक पक्ष को इसे समाप्त, निलंबित या स्थगित करने का अधिकार नहीं देती। कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर में रतले जलविद्युत परियोजना पर कुछ निर्माण कार्यों पर अस्थायी रोक लगाने का भी निर्देश दिया है।

पीसीए के फैसले को एक सिरे से खारिज करते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा है कि यह तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय, विश्व बैंक द्वारा संधि की शर्तों का खुला उल्लंघन कर गठित किया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से मुलाकात की

बिश्केक, 31 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर, ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियन से मुलाकात की।

दोनों नेताओं ने भारत-ईरान संबंधों के साथ-साथ पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रम और तेजी से बदलती क्षेत्रीय स्थिति पर बात की।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए भारत के इस निरंतर रुख को दोहराया कि सभी मुद्दों का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से किया जाना चाहिए।

एससीओ शिखर सम्मेलनः दुनिया की निगाह मोदी, शी व पुतिन पर

बिश्केक, 31 अगस्त। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से पहले, सोमवार को चीन के

■ यह बैठक वैश्विक कूटनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई देशों के शीर्ष नेता जुटे हैं। पश्चिमी देशों के साथ कई सदस्य देशों के रिश्तों में बढ़ते तनाव के बीच हो रही यह बैठक वैश्विक कूटनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

ओबीसी का मुद्दा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हटाने की मांग से जोड़ रही है।

राहुल गांधी ने जातीय जनगणना को "भारत का एक्स-रे" बताया है- एक बुनियादी आंकड़ा जुटाने की प्रक्रिया, न कि महज चुनावी मुद्दा। उनका तर्क है कि जिन समुदायों की कभी ठीक से गिनती ही नहीं हुई, उनके लिए प्रभावी नीतियां कैसे बनाई जा सकती हैं।

भाजपा ने इसका जोरदार जवाब देते हुए कांग्रेस को ओबीसी विरोधी और आरक्षण विरोधी करार दिया है। भाजपा के प्रवक्ताओं ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर ओबीसी नेतृत्व को आगे बढ़ाने के पार्टी के रिकॉर्ड का हवाला दिया है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पिछड़ी जाति की पहचान भी शामिल है। उन्होंने राहुल गांधी पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाते हुए कहा है कि राजीव गांधी ने 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में ओबीसी आरक्षण का विरोध किया था।

ओबीसी समर्थन ने 2014 और 2019 में रिकॉर्ड जनादेश के साथ भाजपा सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सन् 2019 में 2014 की तुलना में ऊपरी ओबीसी और निचली जातियों में का समर्थन लगभग दोगुना हो गया था। इसका नुकसान कांग्रेस के साथ-साथ, अन्य क्षेत्रीय एवं छोटे दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों को भी हुआ।

लेकिन, 2024 में भाजपा को ऊपरी ओबीसी वर्ग में 2 प्रतिशत समर्थन का नुकसान हुआ, जबकि निचली ओबीसी जातियों से लगभग उतना ही समर्थन बढ़ा। दूसरी ओर, कांग्रेस को ऊपरी ओबीसी वर्ग से 5 प्रतिशत और निचली जातियों से 8 प्रतिशत समर्थन मिला। कांग्रेस ने यह बढ़त अपने "संविधान खतरे में है", अभियान और जातीय जनगणना के मुद्दे के आधार पर हासिल की।

पीटीआई भर्ती फर्ज़ीवाड़े में ...

■ याचिकाकर्ता का आरोप है कि, पूर्व में राज्य सरकार ने आदेश जारी किए थे कि जिन-जिन अभ्यर्थियों को नियुक्तियां दी जा चुकी हैं, लेकिन जिनके प्रकरण जांच में लंबित हैं, उन्हें स्थायी नहीं किया जायेगा। परंतु अब कुछ दस्तावेज सामने आए हैं कि इन विवादित अभ्यर्थियों में से भी कुछ लोगों को स्थायी कर दिया गया है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार के कार्यकाल में हुई भर्तियों के फर्जीवाड़े का यह एक और बड़ा मामला है।

याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया था कि एस.ओ.जी. ने 10 जून 2024 को इस मामले की जांच करते हुए एक रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें साफ लिखा था कि प्राइवेट यूनिवर्सिटीज़ से फर्जी डिग्रियां लेकर नौकरी हासिल की गई है। इनमें से 145 अयोग्य अभ्यर्थियों के पास ओ.पी.जे.एस. यूनिवर्सिटी की डिग्री थी, जबकि अंतिम सूची में मात्र 6 ऐसे योग्य अभ्यर्थी थे, जिनके पास इस यूनिवर्सिटी की डिग्री थी। करीब 173 ऐसे अयोग्य अभ्यर्थी थे, जिन्होंने परीक्षा के बाद डिग्रियां ली थी। कुछ लोग ऐसे थे, जिनके पास ऐसी युनिवर्सिटी की डिग्रियां थीं, जो कि एन.सी.टी.ई. द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं थी। इसी प्रकार 183 अयोग्य अभ्यर्थी ऐसे थे, जिनके पास अपनी बी.पी.एड. डिग्री में 45 प्रतिशत से भी कम अंक आए थे। याचिकाकर्ता का कहना है कि 1259 अयोग्य अभ्यर्थियों को शारीरिक शिक्षक पद पर नियुक्ति दी गई है। इनमें से 1230 लोग ऐसे हैं, जिनके आवेदन और डिग्रियां में अंक प्रतिशत व रोल नंबर की गड़बड़ियां हैं। याचिका में कहा गया कि एस.ओ.जी. की इस जांच रिपोर्ट को भी लागू किया जाए। इससे स्पष्ट दिख रहा है कि 2000 से ज्यादा अभ्यर्थियों ने फर्जीवाड़े से नौकरी पायी है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने भी खुद माना है कि करीब 1502 से ज्यादा ऐसे अभ्यर्थी हैं, जिनके दस्तावेज सत्यापन में धांधली पाई गई है। इनमें से 1259 अभ्यर्थियों का डेटा पूरी तरह से मेल नहीं खा रहा है। इसके बावजूद, 1502 लोगों को नियुक्तियां दी गई हैं।

याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2024 में हुई चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती में मैरिट लिस्ट जारी की गई थी, जिसमें 39741 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। परंतु पी.टी.आई. भर्ती में 2000 लोगों को बिना मैरिट लिस्ट जारी किए ही सीधे चयनित मान लिया और नियुक्तियां दे दीं। याचिकाकर्ता का आरोप है कि पूर्व में राज्य सरकार ने आदेश जारी किए थे कि जिन-जिन अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी जा चुकी हैं और उनका प्रकरण जांच में लंबित हैं, उन्हें स्थायी नहीं किया जायेगा। परंतु अब कुछ दस्तावेज सामने आए हैं कि इन विवादित अभ्यर्थियों में से भी कुछ लोगों को स्थायी कर दिया गया है।

भीलवाड़ा में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आवश्यक एवं रीप्लेनिशमेंट स्टडी के अभाव और कृषि भूमि के निकट खनन के भी आरोप लगाए गए हैं। साथ ह, भूजल स्तर में करीब 20 से 30 फीट की गिरावट और गांवों में कुओं के सूखने का दावा किया गया है। एनजीटी ने मामले में जिला कलेक्टर भीलवाड़ा, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, राजस्थान तथा निदेशक खान एवं भू-विज्ञान विभाग को प्रतिवादी बनाया है। अधिकरण ने एक समिति गठित कर मौके का निरीक्षण करने और छह सप्ताह में तथ्यात्मक एवं की गई कार्रवाई की रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल को समिति के समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। मामले की अगली सुनवाई 26 अक्टूबर को होगी। जांच समिति की रिपोर्ट के बाद, मामले में उठाए गए आरोपों की स्थिति और स्पष्ट होगी।

तेहरान का आंतरिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक अन्य नरमपंथी समर्थक, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची रहे हैं, जिन्होंने कभी-कभार कट्टरपंथी रुख अपनाने के बावजूद, संयमित कूटनीतिक रास्ते का पालन किया है। वे विरोधी पक्षों के बीच चल रही बातचीत में सक्रिय रहे हैं और दोनों देशों के बीच अस्थायी शांति समझौते का मसौदा तैयार करने में उनकी प्रभावशाली भूमिका रही है।

हालांकि, डॉनल्ड ट्रंप के लगातार बदलते और अप्रत्याशित बयानों और, उससे भी अधिक, उनके गैर-जिम्मेदाराना कदमों ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है, जिसमें ईरान के कट्टरपंथी, नरमपंथियों और समझदार आवाजों के खिलाफ अपनी राजनीति का खेल खेल सकते हैं। अमेरिका के थिंक टैंक में मौजूद मध्य-पूर्व के कई विशेषज्ञों का मानना है कि अगर डॉनल्ड ट्रंप ने अचानक अपना रुख नहीं बदला होता और वे भरोसेमंद होते तो शांति समझौता सफल हो सकता था। ट्रंप की सबसे बड़ी गलती ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को सीमित करने वाले बहुराष्ट्रीय समझौते को पूरी तरह खारिज करना था। इसके बाद से डॉनल्ड ट्रंप उस बहुराष्ट्रीय समझौते की कामयाबी के आसपास भी नहीं पहुंच सके हैं और ईरान को जेसीपीओए समझौते के तहत अपनी जिम्मेदारियों से बच निकलने का रास्ता मिल गया है।

अब ऐसा लगता है कि दबाव में आकर डॉनल्ड ट्रंप जेसीपीओए समझौते से कमतर स्तर के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर ईरान से कोई समझौता स्वीकार कर सकते हैं। यह डॉनल्ड ट्रंप की अपने पूर्ववर्ती राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रति व्यक्तिगत नापसंदगी और दुश्मनी तथा ईरानियों के साथ बातचीत के प्रति उनका गैर-पेशेवर रवैये का नतीजा था।

ट्रंप ने अमेरिकी विदेश विभाग के सभी पेशेवर अधिकारियों को किनारे कर दिया और अपने उस प्रॉपर्टी डेवलपर मित्र तथा दामाद पर भरोसा किया, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने समझौते के मसौदों में मूर्खतापूर्ण गलतियां कीं और ऐसी शर्तें रखीं, जिनका ईरानियों ने फायदा उठाया।

इस तरह, ईरान की राजनीतिक व्यवस्था में व्यावहारिक सोच रखने वाले नेताओं और कट्टरपंथियों के बीच सत्ता के लिए चल रही जबरदस्त खींचतान, अमेरिका के साथ युद्ध को लंबा खींच रही है, जिसकी भारी कीमत ईरान की जनता को चुकानी पड़ रही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908